खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 25 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-322

इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने का भारतीय एयरलाइंस पर कितना असर?

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इथियोपिया के हेली गुब्बी विस्फोट से निकली ज्वालामुखी की राख मिडिल ईस्ट के कुछ हिस्सों में फैल गई है। इसको देखते हुए डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने भारतीय एयरलाइंस के लिए सेफ्टी एडवाइजरी जारी की है। ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद राख के फैलने से मस्कट फ्लाइट इन्फॉर्मेशन रीजन से गुजरने वाले रूट्स पर इसका असर पड़ा है।

डीजीसीए ने अपने सेफ्टी एडवाइजरी में कहा है कि टूलूज ज्वालामुखी राख सलाहकार केंद्र और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने पहले ही एक ज्वालामुखी राख एडवाइजरी जारी कर दिया है। इसके साथ ही एयरलाइन ऑपरेटरों से सभी प्रभावित इलाकों और ऊंचाई से बचने को कहा है।अपनी एडवाइजरी में डीजीसीए ने एयरलाइंस से कहा है कि ज्वालामुखी राख के प्रोसीजर पर अपने ऑपरेशनल मैनुअल को रिव्यू करें और उसी के अनुसार कॉकपिट और केबिन क्रू को जानकारी दें।

वहीं, एयरलाइंस को नवीनतम एडवाइजरी के आधार पर विमानों के उड़ानों की प्लानिंग और रूटिंग को एडजस्ट करने, मौसम संबंधी अपडेट्स को मॉनिटर करने और विमानों के इंजन में उतार चढ़ाव या केबिन की बदबू सहित किसी भी संदिग्ध राख के मिलने की तुरंत रिपोर्ट करने का भी निर्देश दिया गया है।

कई उड़ानों को किया गया रद

ज्वालामुखी में विस्फोट और आसमान में फैले राख के गुबार के कारण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए घडच् रॉयल डच एयरलाइंस ने अपनी एम्स्टर्डम-दिल्ली सर्विस (KL 871) और वापसी वाली दिल्ली-एम्स्टर्डम फ्लाइट (KL 872) कैंसिल कर दी।

भारतीय एयरलाइंस ने भी जारी की चेतावनी

उल्लेखनीय है कि अकासा एयर ने यह एक एडवाइजरी जारी की है। एयरलाइन ने कहा कि हम इथियोपिया में ज्वालामुखी की गतिविधि और आस-पास के इलाकों में फ्लाइट ऑपरेशन पर इसके संभावित असर पर करीब से नजर रख रहे हैं। हमारी टीमें इंटरनेशनल एविएशन एडवाइजरी और सेफ्टी प्रोटोकॉल के हिसाब से स्थिति का आकलन करती रहेंगी और जरूरत के हिसाब से जरूरी कदम उठाएंगी। अकासा एयर में पैसेंजर की सेफ्टी और सेहत हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

10,000 साल बाद फटा ज्वालामुखी

बता दें कि इथियोपिया में हेली गुब्बी ज्वालामुखी के रविवार को लगभग 10,000 सालों में पहली बार फटा है। इसके बाद आसमान में राख का गुबार नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद लाल सागर के पार ओमान और यमन की ओर राख का एक बड़ा गुबार उठा और फिर आगे पूरब की ओर बह गया। अधिकारी बादल की हरकत पर नजर रख रहे हैं। बताया जा रहा है कि ज्वालामुखी से राख का एक बड़ा गुबार उत्तरी भारत की ओर बहने लगा है।

अलविदा धर्मेंद्र: 300 से ज्यादा फिल्में हमेशा सुर्खियों में रही पर्सनल लाइफ

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बहारें फिर भी आएंगी, शोले, चुपके-चुपके और चरस जैसी दर्जनों अविस्मरणीय फिल्मों से हिंदी सिनेमा को समृद्ध करने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र इस दुनिया को अलविदा कह गए। दिलकश मुस्कान और आकर्षक व्यक्तित्व के दम पर उन्होंने कई दशकों तक अपने फैंस के दिलों पर राज किया। वह एक ऐसे कलाकार थे, जिन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट से कलर और अब डिजिटल युग में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को बदलते देखा। साथ यह सुनिश्चित किया कि वह हर दौर में प्रासंगिक रहें

राजेश खन्ना के सुपरस्टारडम और अमिताभ बच्चन के उदय के बावजूद उनका स्टारडम कायम रहा। 65 साल के करियर में करीब 300 फिल्मों में काम करने वाले 89 वर्षीय धर्मेंद्र पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। सोमवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे से ही उनके निधन की सुगबुगाहट होने थी, लेकिन खबर की पुष्टि न होने से लेकर मीडिया में संशय बना था। उनके आवास के बाहर एंबुलेंस देखी गई। वहां से उनके निधन की खबरों ने जोर पकड़ा। फिर देओल परिवार को उस एंबुलेंस से धर्मेंद्र का शव श्मशान घाट ले जाते देखा गया। श्मशानगृह पर धर्मेंद्र की बेटी एशा देओल, पत्नी हेमा मालिनी के अलावा आमिर खान, अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, सलीम खान, गोविंदा, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह समेत कई फिल्मी हस्तियां उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंचीं।वहीं इंटरनेट मीडिया पर सिनेमा और राजनीति से जुड़े लोगों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। परिवार की तरफ से उनके निधन पर कोई बयान जारी नहीं हुआ। धर्मेंद्र को मुखाग्नि उनके बड़े बेटे सनी देओल दी। हालांकि, लता मंगेशकर, दिलीप कुमार, मनोज कुमार और श्रीदेवी जैसे सितारों की तरह धर्मेंद्र को राजकीय सम्मान के साथ विदा नहीं करने को लेकर सवाल भी मथते रहे। बताते चलें, गत 11 नवंबर को अस्पताल में भर्ती धर्मेंद्र के निधन की खबरों पर उनकी पत्नी हेमा मालिनी, बेटी एशा देओल और पुत्र सनी देओल ने कड़ी नाराजगी जताई थी। इसके अगले दिन उन्हें घर लाया गया, तब से उनका घर पर ही इलाज चल रहा था। आठ दिसंबर को उनका 90वां जन्मदिन मनाने की तैयारी भी उनका परिवार कर रहा था।धर्मेंद्र का जन्म आठ दिसंबर, 1935 को पंजाब के लुधियाना जिले के नसराली गांव में धर्म सिंह देओल के रूप में हुआ था। उनके पिता स्कूल टीचर थे। जब धर्मेंद्र सिर्फ दो साल के थे, तब उनके पिता ट्रांसफर के बाद साहनेवाल गांव आ गए थे। पिता चाहते थे कि उनका बेटा प्रोफेसर बने। हालांकि दिलीप कुमार और मधुबाला की फिल्मों के मुरीद धर्मेंद्र ने अभिनेता बनने का ख्वाब संजोया।1958 में फिल्मफेयर पत्रिका द्वारा आयोजित टैलेंट हंट प्रतियोगिता में चयन के साथ धर्मेंद्र के अभिनय की राहें खुलीं। उन्होंने पहली फिल्म बिमल राय की बंदिनी साइन की, जिसमें उनके साथ अशोक कुमार और नूतन थे। लेकिन फिल्म बनने में देरी हुई। उन्होंने 1960 में अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म दिल भी तेरा, हम भी तेरे से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। आई मिलन की बेला और हकीकत, काजल जैसी कई फिल्मों के बाद 1966 में मीना कुमारी के साथ आई फिल्म फूल और पत्थर से उन्हें स्टारडम मिला। 1975 की फिल्म शोले में जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू की जोड़ी दोस्ती की मिसाल बनी। बाद के दशकों में उन्होंने चरित्र किरदार निभाने शुरू किए।धर्मेंद्र ने दो शादियां कीं। पहली पत्नी प्रकाश कौर से दो बेटे सनी देओल तथा बाबी देओल और दो बेटियां विजेता तथा अजीता हैं। साल 1980 में उन्होंने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी की। दोनों की बेटियां एशा और अहाना हैं। 1981 में धर्मेंद्र ने प्रोडक्शन हाउस विजेता फिल्म्स शुरू किया। इसके बैनर तले अपने दोनों बेटों, भतीजे अभय देओल और पोते करण देओल को लांच किया। पद्म भूषण से भी सम्मानित धर्मेंद्र ने कुछ समय के लिए राजनीति में भी हाथ आजमाया। 2004 में भाजपा के टिकट पर वह बीकानेर से लोकसभा सदस्य बने। जिंदगी के रंगमंच से विदाई ले चुके अभिनेता 25 दिसंबर को रिलीज हो रही फिल्म इक्कीस में नजर आएंगे।

हम भारतीय, शुद्ध हिंदी बोलते हैं... अरुणाचल की बेटी का चीन को करारा जवाब, भारतीय पासपोर्ट को बताया था अवैध

बीजिंग, 24 नवंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली प्रेमा वांगजोम थोंगडोक ने पासपोर्ट विवाद पर चीन को जमकर सुनाया है। चीन ने उनके भारतीय पासपोर्ट को अवैध घोषित करते हुए अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताया था। उन्होंने प्रेमा से चीनी

पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने को कहा था। वो भी तब तब प्रेमा जापान जाने के लिए चीन के शंघाई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ट्रांजिट वीजा के लिए रुकी थीं। अब प्रेमा ने चीन को करारा जवाब देते हुए कहा कि उन्हें चीनी भाषा का उ भी नहीं आता है। वह शुद्ध हिंदी बोलती हैं। शंघाई में चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों की वजह से जापान की यात्रा में हुई देरी पर उन्होंने गुस्से का भी इजहार किया।प्रेमा शंघाई के रास्ते जापान जा रही थीं और उन्होंने कहा कि चीनी अधिकारियों ने उन्हें भारतीय वीजा के लिए परेशान किया। उन्होंने अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और कहा कि इस मुद्दे को इंटरनेशनल फोरम पर उठाया जाना चाहिए। शंघाई पुडोंग एयरपोर्ट पर अपनी आपबीती बताते हुए उन्होंने कहा, जब मैंने उनसे सवाल करने और यह पूछने की कोशिश की कि मामला क्या है।

शाहीनबाग तक पहुंचे 262 करोड़ रुपए से ज्यादा के जब्त ड्रग्स के तार, घर सील

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने दिल्ली में ड्रग्स माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में 262 करोड़ रुपए से ज्यादा की ड्रग्स बरामद की गई। अब इस मामले की जांच शाहीनबाग तक पहुंच गई है। एनसीबी की एक टीम शाहीनबाग के आरिफ सिद्दीकी के घर पहुंची और उसके घर पर एनडीपीएस एक्ट के तहत पूछताछ के लिए नोटिस भी लगाया। इसके साथ ही पूछताछ के लिए आरिफ सिद्दीकी को पेश होने के लिए कहा गया है। इस नोटिस में सिद्दीकी को तुरंत अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्दीकी के घर एनसीबी और दिल्ली पुलिस की टीम छापेमारी के लिए पहुंची थी। इसके बाद पांचवें फ्लोर पर मौजूद सिद्दीकी के फ्लैट को सील कर दिया गया। इतना ही नहीं, बिल्डिंग पर नोटिस भी लगा दिया गया। इस नोटिस में उन्हें तुरंत अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। बता दें कि दिल्ली पुलिस और एनसीबी ने खुफिया जानकारी के आधार पर तीन दिनों तक ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सिंथेटिक ड्रग नेटवर्क का खुलासा हुआ। खुफिया जानकारी के आधार पर एनसीबी की टीम ने दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में निगरानी बढ़ा दी थी। इसके बाद एनसीबी के अधिकारियों ने 25 साल के एक शख्स को गिरफ्तार किया। इस शख्स की गिरफ्तारी नोएडा से हुई। आरोपी एक किराए के घर में रहता था और फेक सिम कार्ड के जरिए कई सोशल मीडिया ऐप का इस्तेमाल करता था। उससे पूछताछ के दौरान एक महिला को हिरासत में लिया गया।दोनों के बयानों के आधार पर दिल्ली के छतरपुर में छापेमारी हुई, जहां से बड़ी संख्या में ड्रग्स बरामद की गई। इस सफलता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नारकोटिक्स ब्यूरो को बधाई दी और कहा कि हमारी सरकार अभूतपूर्व गति से ड्रग कार्टेल को नष्ट कर रही है।

बेंगलुरु लेओवर के दौरान महिला सह-पायलट से दुष्कर्म के आरोप

बेंगलुरु, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु लेओवर के दौरान एक महिला सह-पायलट ने सहकर्मी पायलट पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है, जिससे एयरलाइन क्रू सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं; यह घटना 18 नवंबर को एक चार्टर्ड उड़ान के दौरान हुई थी और जांच अब बेंगलुरु पुलिस के पास है।

एक महिला सह-पायलट ने अपने ही सहकर्मी पायलट पर बेंगलुरु में लेओवर के दौरान दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। मौजूद जानकारी के अनुसार यह घटना 18 नवंबर की रात की है, जब दोनों एक चार्टर्ड उड़ान के हुए ड्यूटी पर थे और क्रू सहित बेंगलुरु में रुके हुए थे। बता दें कि यह केस पहले हैदराबाद में दर्ज हुआ था, लेकिन अपराध बेंगलुरु में होने के कारण अब इसे वहां की पुलिस को आगे की जांच के लिए सौंप दिया गया है।

शिकायत में कहा गया है कि महिला सह-पायलट दो पुरुष पायलटों के साथ बेगमपेट एयरपोर्ट से एक विशेष चार्टर्ड उड़ान पर बेंगलुरु के लिए रवाना हुई थीं। रास्ते में विमान पुट्टापार्थी भी गया था। चूंकि अगले दिन उन्हें फिर से उड़ान संचालित करनी थी, इसलिए तीनों एक ही होटल में ठहरे थे।

राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार की संपत्ति में एक अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट, क्रिप्टो निवेश में भारी नुकसान

वॉशिंगटन, 24 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परिवार की संपत्ति में एक अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट आई है। ब्लूमबर्ग की अरबपतियों की सूची के मुताबिक यह गिरावट मुख्य रूप से उनकी उच्च-जोखिम वाली क्रिप्टो मुद्रा में निवेश में भारी नुकसान की वजह से हुई है। ट्रंप परिवार की अस्थिर डिजिटल संपत्तियों में की गई हिस्सेदारी ने उनकी कुल संपत्ति को काफी कम कर दिया है। सितंबर की शुरुआत में जहां उनकी कुल संपत्ति करीब 7.7 अरब डॉलर थी। वहीं अब यह घटकर लगभग 6.7 अरब डॉलर रह गई है। ब्लूमबर्ग न्यूज के मुताबिक, ट्रंप परिवार की संपत्ति में यह बड़ी गिरावट इसलिए आई है क्योंकि मीम कॉइन्स और ट्रंप नाम से जुड़े दूसरे जोखिम भरे क्रिप्टो निवेशों की कीमत बहुत तेजी से गिर गई है।

इस गिरावट का बड़ा कारण ट्रंप परिवार का उच्च-जोखिम वाली डिजिटल संपत्तियों में निवेश बताया गया है। परिवार को 1.1 अरब डॉलर (यानी 9,800 करोड़ रुपये से ज्यादा) का नुकसान हुआ है। सितंबर में डब्ल्यूएलएफआई क्रिप्टो मुद्रा की ट्रेडिंग शुरू होते ही ट्रंप परिवार की संपत्ति में पांच अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन बाद में इसमें भारी गिरावट आई।

ट्रंप के नाम वाला मीम कॉइन (ढ्ठणच्च्ड्ढ) हाल के महीनों में लगभग 25 फीसदी गिर गया। जबकि एरिक ट्रंप का बिटकॉइन-माइनिंग (शक्तिशाली कंप्यूटरों से बिटकॉइन बनाना) कंपनी में किया गया निवेश अपने उच्च मूल्य से लगभग आधा हो गया है। इसके अलावा, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप (टीएमटीजी) के शेयर भी ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंच गए। यह ट्रुथ सोशल की पैरेंट कंपनी है। इस कंपनी ने क्रिप्टो मुद्रा जमा रखने और इस्तेमाल करने की योजना बनाई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस कंपनी में राष्ट्रपति ट्रंप की हिस्सेदारी का मूल्य सितंबर से अब तक लगभग 800 मिलियन डॉलर गिर चुका है। वह कंपनी के सबसे बड़े हिस्सेदार हैं और उनकी यह हिस्सेदारी उनके बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की देखरेख वाले एक ट्रस्ट में रखी गई है।

डेली बीस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप परिवार ने न सिर्फ अपनी क्रिप्टो योजनाओं में भारी नुकसान झेला है, बल्कि वे निवेशक भी काफी नुकसान में हैं जिन्होंने ट्रंप नाम पर पैसे लगाए थे। रिपोर्ट के मुताबिक जिन्होंने जनवरी में ट्रंप के मीम कॉइन को ऊंची कीमत पर खरीदा था, वे नवंबर तक लगभग पूरा पैसा गंवा चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का कुरुक्षेत्र दौरा आज

कुरुक्षेत्र, 24 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को हरियाणा के कुरुक्षेत्र का दौरा करेंगे। पीएम मोदी ने खुद इसकी जानकारी दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि हरियाणा की पुण्यभूमि कुरुक्षेत्र में मंगलवार की शाम को कई कार्यक्रमों का हिस्सा बनूंगा। करीब 4 बजे भगवान श्रीकृष्ण के पवित्र शंख के सम्मान में नवनिर्मित 'पांचजन्य' के लोकार्पण के बाद महाभारत अनुभव केंद्र जाने का सौभाग्य प्राप्त होगा। लगभग 4:30 बजे श्रीगुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में सहभागी बनूंगा। यहां उनके सम्मान में विशेष सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी किया जाएगा। इसके बाद पवित्र ब्रह्म सरोवर में पूजा-अर्चना का भी सुअवसर मिलेगा। बता दें कि प्रधानमंत्री शाम लगभग 4 बजे भगवान कृष्ण के पवित्र शंख के सम्मान में नवनिर्मित 'पांचजन्य' का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद, वे महाभारत अनुभव केंद्र का दौरा करेंगे। यह एक गहन अनुभवात्मक केंद्र है, जहां महाभारत के महत्वपूर्ण प्रसंगों को प्रदर्शित किया गया है जो इसके स्थायी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को दर्शाते हैं। शाम लगभग 4:30 बजे प्रधानमंत्री सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेंगे।कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री पूज्य गुरु के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी करेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार एक वर्ष तक चलने वाला स्मरणोत्सव मना रही है।इसके बाद शाम लगभग 5:45 बजे, प्रधानमंत्री ब्रह्म सरोवर में दर्शन और पूजा करेंगे। यह सरोवर भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है और माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का दिव्य ज्ञान यहीं दिया था। प्रधानमंत्री का यह दौरा कुरुक्षेत्र में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान ही हो रहा है जो 15 नवंबर को शुरू हुआ था और 5 दिसंबर तक चलेगा।

जहरीली हवा की मार के बाद अब राख के गुबार का खतरा!

दिल्ली में सरकारी, प्राइवेट ऑफिस के 50% कर्मचारी करेंगे वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एन-सीआर के लोगों को जहरीली हवा के साथ ही एक नई परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इथियोपिया के हायली गुब्बी ज्वालामुखी से राख का एक बड़ा गुबार उत्तरी भारत की ओर बढ़ने लगा है। यह ज्वालामुखी लगभग 10,000 सालों में पहली बार फटा है। माना जा रहा है कि ज्वालामुखी विस्फोट के बाद राख का यह गुबार दिल्ली-एनसीआर में भी

पहुंचेगा। दूसरी तरफ, राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के बीच दिल्ली सरकार के सभी कार्यालय और निजी प्रतिष्ठान 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करेंगे। बाकी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे।वायु प्रदूषण बढ़ने के मद्देनजर चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रेप) के तीसरे चरण के अनुसार दिल्ली सरकार के सभी कार्यालय और निजी प्रतिष्ठान 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करेंगे और बाकी कर्मचारी घर से काम करेंगे। सोमवार को जारी एक आदेश से यह जानकारी मिली।

यह धुंधला, बादलों वाला आसमान दिखेगा और इसका असर कुछ घंटों तक रहने की उम्मीद है, क्योंकि यह आगे पूरब की ओर बढ़ रहा है। शहरों पर इसका असर मुख्य रूप से तापमान में मामूली बढ़ोतरी होगी। बादलों की तरह, न्यूनतम तापमान भी बढ़ेगा। यह साफ नहीं है कि इससे हवा की क्वालिटी पर असर पड़ेगा या नहीं, लेकिन कोई खास असर होने की उम्मीद नहीं है क्योंकि यह ऊंचे लेवल पर है।

यह निर्देश पर्यावरण विभाग द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा पांच के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी में संचालित सभी दिल्ली सरकार के कार्यालयों और निजी प्रतिष्ठानों को जारी किया गया। सभी प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष नियमित रूप से कार्यालय आएंगे,

कार्टून कॉर्नर

जीवन में विनय नहीं है तो समाज में सच्चा सम्मान प्राप्त करना संभव नहीं: साध्वी अणिमा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में आयोजित प्रवचन सभा में साध्वी कंचनकंवर के सानिध्य में साध्वी अणिमा श्री ने विनय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विनय धर्म का मूल तत्व है। मनुष्य जीवन को सार्थक बनाने के लिए विनम्रता को जीवन में धारण करना अत्यन्त आवश्यक है। महासती ने समझाया कि अहंकार मनुष्य को पतन की ओर ले जाने वाला सबसे बड़ा अवगुण है। व्यक्ति के पास धन, ज्ञान, बल, प्रतिष्ठा सब कुछ हो परन्तु यदि विनय नहीं है तो वह समाज में सच्चा सम्मान प्राप्त नहीं कर सकता। जीवन में मनुष्य का वास्तविक सौंदर्य उसके व्यवहार और विनम्रता में निहित है। विनय वह शक्ति है जो मन के अहंकार को मिटाकर जीवन में शान्ति और सद्भावना का संचार करती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि रावण के पास अपार धन, असाधारण विद्या और शक्ति थी, परन्तु अहंकार ने उसे विनाश की ओर धकेल दिया। ज्ञान और वैभव होते हुए भी वह इतिहास में सम्मानित नहीं, बल्कि पतन का प्रतीक बनकर रह गया। इसी प्रकार सिकंदर ने पूरी दुनिया जीत ली, परन्तु मृत्यु के समय उसके आदेश पर दोनों हाथ खाली बाहर रखे गए, ताकि संसार जान सके कि अपार सम्पत्ति और सत्ता भी मनुष्य के साथ नहीं जाती। जिस प्रकार फलदार वृक्ष सदैव झुकता है, उसी प्रकार महान व्यक्ति विनम्रता से ही पहचाना जाता है। साध्वी कंचन कंवर ने कहा कि विनय, आत्मा की उन्नति का मार्ग है। मोक्ष जाने का सरलतम मार्ग धर्म का मार्ग है। धर्म का आधार विनय है। जहां अहंकार है, वहां धर्म का वास नहीं रहता। जहां धर्म होगा, वहां अहंकार नहीं टिकेगा। जो अहंकार में लिप्त रहता है वह आत्मिक उन्नति के शिखर तक नहीं पहुंच सकता। यदि कुछ ग्रहण ही करना है तो विनय गुण को ग्रहण करो। वही मनुष्य के जीवन को महान बनाता है और मोक्षमार्ग का रथ आगे बढ़ाता है। इस लिए धर्म-मार्ग पर संयम, साधना और विनय के साथ चलने का प्रयास करें। सभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर प्रवचन का लाभ लिया। श्रीरामपुरम संघ के निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल खीवेंसरा, गणेशमल गुगलिया आदि उप-स्थित रहे। साध्वी मंडल का मंगलवार को श्रीरामपुरम की ओर विहार होगा। आभार ज्ञापन अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया और संचालन मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

खुशियों की थाली के तहत जरूरतमंदों की सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायूम बेंगलूरु शाखा द्वारा रविवार को राष्ट्रीय सेवा प्रकल्प आनंद सबके लिए के अंतर्गत मासिक सेवा कार्यक्रम अन्नदान खुशियों की थाली का आयोजन शनि माजामा मंदिर, मरप्पा कॉम्प्लेक्स, यशवंतपुर में किया गया। कार्यक्रम के दौरान 1300 से अधिक जरूरतमंदों को गरम, स्वच्छ और प्रेमपूर्वक भोजन परोसा गया। भोजन वितरण के साथ सभी सदस्यों ने आत्मीयता और सम्मान के साथ सेवा का संदेश समाज तक पहुंचाया। इस सेवा कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक पंकज जालान और सीए विनोद गर्ग रहे, जिनके सहयोग से यह सामाजिक पहल सफल हुई। कार्यक्रम के संयोजक रूपेश केडिया ने पूरे समर्पण और कुशल प्रबंधन के साथ सभी व्यवस्था को संभाला, जिसकी सराहना सभी सदस्यों ने की। इस सेवा कार्य की सफलता में उपस्थिति और सहयोग देने वाले प्रमुख सदस्यों में वरिष्ठ सदस्य पंकज जालान, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, अशु मित्तल, विनोद गर्ग, निखिल अग्रवाल, राकेश केडिया तथा अन्य कई सदस्य शामिल थे, जिन्होंने समय निकालकर इस पुण्य कार्य में सक्रिय योगदान दिया।

दीपावली स्नेह मिलन धूमधाम से मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। झुठां बिचर्डी गांव प्रवासी का चौथा वार्षिक स्नेह मिलन समारोह रविवार को सीरवी समाज हनुमंतनगर आईमाता वडेर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पारंपरिक राजस्थानी परिधानों में सज-धज कर आए प्रवासी झुंठा बिचर्डी परिवार के लोगों ने समारोह में चार-चांद लगा दिए। कार्यक्रम की शुरुआत आईमाता तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन, माता की स्तुति व पूजा अर्चना और मंगल आरती के साथ हुई। अध्यक्ष पुखराज हाम्बड ने दीप-ावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

आमसभा में समाज बंधुओं ने वार्षिक चढ़ावों की बोलियों में बढ-चढ़कर हिस्सा लिया। कोषाध्यक्ष नोतमल काग ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथि सुरेश सैणचा, सीरवी समाज हनुमंत नगर वडेर के अध्यक्ष मोतीलाल भायल, सुरेश परिहारिया व बोलियों के लाभार्थियों का माला साफा शॉल द्वारा सम्मान किया गया। सचिव उमेश काग ने समस्त प्रवासी ग्रामवासियों से गांव में विकास के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होनें सभी समाज बंधुओं से आग्रह किया कि बच्चों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी दें। समारोह में बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरी। इस कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर पहुंची महिलाओं एवं बालिकाओं ने ढोल-थाली की थाप पर पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति से समां बांध दिया। कक्षा 6वीं से डिग्री तक की कक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष भोलाराम काग, सहसचिव मंगलाराम सेपटा, सह कोषाध्यक्ष बाबुलाल काग, सूचना मंत्री लिखमाराम सेपटा सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। संचालन मोहन सीरवी, सुरेश हाम्बड ने किया जबकि सचिव उमेश काग ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जीवदया गौशाला में नई पानी की टंकी स्थापित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन नवयुवक मंडल अक्कीपेट की ओर से होसकोटे स्थित जीवदया गौशाला में नई पानी की टंकी स्थापित की गई। नई टंकी से गौशाला में रहने वाली गौ माता को स्वच्छ एवं पर्याप्त जल की उप-लब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। इस दौरान सभी सदस्यों ने मिलकर गौमाताओं को घास खिलाने की सेवा कार्य में भाग लिया। मंडल के अध्यक्ष कमलेश सालेचा ने इस प्रोजेक्ट में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस सेवा कार्य की सफलता प्रत्येक सदस्य के योगदान का परिणाम है। मंडल का उद्देश्य भविष्य में समाज तथा जीव दया से जुड़े ऐसे कई सेवा कार्य निरंतर रूप से करते रहना है। कार्यक्रम में अरविंद कानुगा, महावीर भंसाली, विकास भंसाली का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के पश्चात मंडल के सदस्यों ने जय जीरावला तीर्थ जाकर शांतिपूर्ण एवं श्रद्धाभाव से दर्शन एवं प्रार्थना की। इस अवसर पर धर्मेंद्र लुंकड़, निर्मल लुंकड, पंकज विनायकीया, राजेंद्र बाफना, हनुमान चोपड़ा, विकास पारख, हितेश काकलिया, वसंत सिंघवी, खुशवंत छाजेड, अशोक कानुंगा, विशाल पितलिया, किरण सालेचा आदि उपस्थित थे।

15 सूत्रीय योजना समिति के सदस्य मनोनीत किए जाने पर महेंद्र सिंघी का सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राज्य के मुख्य सचिव के नेतृत्व में गठित उच्चस्तरीय समिति में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी महेन्द्र सिंघी को सदस्य के रूप में मनोनीत किए जाने पर उनका भव्य सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में विधान परिषद सदस्य एफ.एच. जक्कप्पनवर, पूर्व मंत्री ए.एम. हिंड्सगिरी, उद्योगपति विजय कुमार शेट्टर उपस्थित रहे और उन्होंने सिंघी को शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक जक्कप्पनवर ने कहा कि महेन्द्र सिंघी का अनुभव, सामाजिक सरोकार तथा सेवा भावना राज्य में 15 सूत्री योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे अपने नए दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता से करेंगे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भुवनेश्वरी त्रिवेणी संगम ऑटो चालक संघ सिटी मार्केट बेंगलूरु द्वारा आयोजित 70वें कर्नाटका राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए संघ के अध्यक्ष लोकेश एवं अन्य।

दीक्षार्थी का सम्मान वास्तव में है दीक्षाधर्म का सम्मान: आचार्य अरिहंतसागरसूरीश्वरजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रजोहरण हाथ में आते ही मुमुक्षु भव्यकुमार का चेहरा उल्लास और भावविभोरता से दमक उठा। मानो वर्षों की अंतर्यात्रा पूर्ण हो गई हो। जैन दीक्षा का प्रमुख प्रतीक और अहिंसक जीवन का महत्वपूर्ण उपकरण रजोहरण जैसे ही आचार्यश्री ने मुमुक्षु को प्रदान किया, पूरे वातावरण में वैराग्य का रंग चरम पर पहुंचा और हजारों श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। 17 वर्षीय मुंबई निवासी मुमुक्षु भव्य शाह की दीक्षा के उपलक्ष्य में शंकरपुरम में आयोजित संसार परिहार उत्सव के अंतिम दिन, आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में कल्याण मित्र परिवार द्वारा भव्य दीक्षा समारोह संपन्न हुआ।

इस पावन घड़ी में मुमुक्षु भव्य शाह ने सांसारिक जीवन का त्याग कर जैन दीक्षा अंगीकार की और पूर्णतया अहिंसक जीवनशैली अपनाते हुए जेन-जी के लिए प्रेरणास्रोत बन गए। प्रात कालीन मंगल बेला में मुमुक्षु का मण्डप में प्रवेश हुआ।

लाभार्थी परिवार ने विजय तिलक कर मंगलकामना व्यक्त की। इसके बाद भगवान की आभूषण पूजा, गुरुपूजन और संघ-वर्धापन की दिव्य क्रियाएं सम्पन्न हुईं। मुमुक्षु द्वारा समवसरण में तीन प्रदक्षिणाएं देकर आराधना के बाद गुरुभगवंतों का मंडप में प्रवेश हुआ। संगीत की मधुर धुनों के बीच देववंदन, गुरुवंदन, वासनिक्षेप, नंदी सूत्र श्रवण, प्रव्रज्या आदि विधियां सम्पन्न हुईं। जैसे ही आचार्यश्री ने अपने करकमलों से रजोहरण प्रदान किया, दर्शकगण भी इस अद्वितीय क्षण को संयम के रंग में पूर्णतया रंगता हुआ अनुभव करने लगे। इसके पश्चात मुमुक्षु ने आभूषण त्याग कर अंतिम स्नान किया। वेश परिवर्तन के बाद वे एक नए अवतार नूतन दीक्षित के रूप में मंच पर पधारे। सभी ने अहोभाव से उनका स्वागत किया। संयम के उपकरण लाभार्थियों द्वारा आचार्यश्री को अर्पित किए गए। केशलुंचन उपरांत नामकरण विधि में नूतन दीक्षित का नाम मुनिश्री भावजित सागर रखा गया। मुंबई से पधारे केतन मेहता ने प्रत्येक विधि के रहस्यों से श्रद्धालुओं को अवगत कराया। अपने प्रासंगिक प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा दीक्षा महोत्सव के अंतर्गत होने वाली भव्यता, दीक्षार्थी का सम्मान वास्तव में देखा जाए तो त्याग, वैराग्य और संयम जैसे आत्मिक गुणों का सम्मान है, इन गुणों का सत्कार-सम्मान इन गुणों की प्राप्ति के कारण बनता है और ये ही गुण किसी भी जीव के अंतिम लक्ष्य यानि सुख प्राप्ति में कारण बनते हैं अत दीक्षा जैसे अनुष्ठान के आयोजन में खर्च होने वाले समय, शक्ति, संपत्ति अंतत स्वयं के ही आत्मिक विकास में निमित्त बनते हैं। दीक्षार्थी का सम्मान वास्तव में त्याग, वैराग्य और संयम जैसे आत्मिक गुणों का सम्मान है। यही गुण जीवन को अंतिम लक्ष्य परम सुख तक ले जाने का मार्ग बनते हैं। दीक्षा जैसे अनुष्ठानों में लगाया गया समय, शक्ति और संपत्ति अंततः आत्मिक विकास में ही फलीभूत होती है। उन्होंने नूतन दीक्षित को सदैव उत्साह और जागरूकता के साथ आराधना करने की प्रेरणा दी।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से दो नर्सिंग छात्रों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के बाहरी इलाके चिक्कबनवारा रेलवे स्टेशन के पास वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से केरल के दो नर्सिंग छात्रों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान स्टेरिन एल्जा शाजी, 19 और जस्टिन जोसेफ, 20 के तौर पर हुई है। दोनों बेंगलूरु के एक प्राइवेट इंस्टीट्यूट में बीएससी नर्सिंग के फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स थे, और पीजी में रह रहे थे। रेलवे पुलिस के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 2.35 बजे हुई जब बेलगावी जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस चिक्कबनवारा से गुजर रही थी। जांच में पता चला कि दोनों ट्रेन के नीचे आ गए थे। उनके शव पटरियों पर बुरी तरह कटे हुए मिले। पुलिस को अभी यह पता नहीं चला है कि यह दुर्घटना का मामला है या सुसाइड का। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के फुटेज की जांच कर रही है और वजह का पता लगाने के लिए मरने वाले के परिवार और दोस्तों से भी पूछताछ कर रही है। बेंगलूरु ग्रामीण रेलवे पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर लिया है।

जीवन असंख्य बंधनों से बंधा हुआ है: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री पार्श्वलब्धी तीर्थधाम बेंगलूरु में विराजित साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि जीवन असंख्य बंधनों से बंधा हुआ है। हमारा जीवन असंख्य बंधनों से बंधा हुआ है। हम यह भी भूल गये है कि, मुक्त अवस्था क्या होती है। हम जन्म से लेकर आज तक नये-नये बंधनों में अपने-आप को बांध रहे है। एक बार शान्ति से एक जगह बैठकर सोचना चाहिए कि, कौन से बंधन हमें किस तरह जकड़ के रखते हैं। एक बंधन को संभालने के लिए हमें क्या-क्या करना पड़ता है। पहले तो है स्वजनों का बंधन। जिस व्यक्ति को हम विशेष प्रेम करते हैं वह हमारा स्वजन बन जाता है। आगे चलकर वही प्रेम बंधन बन जाता है। हमारा आनन्द

स्वजन के उपर निर्भर हो जाता है। स्वजन के विचार, भावना मुख्य बन जाती है। हमारे विचार, हमारी भावनाएं गौण हो जाते हैं। हमें पता ही नहीं चलता कि हम हमारी जिंदगी जी रहे हैं या दूसरों की? हमारे प्रेम को स्वार्थ का ग्रहण लग जाता है। मन समन्दर से दलदल बन जाता है। आगे जाकर यही स्वार्थ हमारे प्रेम को खा जाता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि प्रेम प्रेम होता है। प्रेम आकाश की तरह निःसीम होता है। प्रेम को स्वजन-परिजन की परिभाषा से उपर उठकर उठाकर अनुभव करोगे तो भीतर आनंद का महासागर पाओगे। सुनील कुंकुलोल ने बताया कि साध्वीवृंद के पावन सानिध्य में नरेंद्र कुमार भंडारी, गौतमचंद कांठेड, कमलाबाई भंडारी, ललिता बाई कांठेड, आकाश भंडारी, सरोजा बाई डागा, सिमरन डागा ने सेवा का लाभ लिया।

राज्य कांग्रेस सरकार के किसान विरोधी कदमों की निंदा

27, 28 को विधानसभा क्षेत्रों, जिला मुख्यालयों में होगा विरोध प्रदर्शन: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य कांग्रेस सरकार के किसान विरोधी कदमों की निंदा करने के लिए 27 और 28 नवंबर को विधानसभा क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि 1 और 2 दिसंबर को जिला मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने सोमवार को शहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात की। साथ ही, उन्होंने 'कांग्रेस सरकार जिसने अनाज देना छोड़ दिया' टाइटल वाला एक पोस्टर जारी किया। कांग्रेस के किसान विरोधी कदम टाइटल वाली एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई। उन्होंने कहा कि वह 25 को गुलबर्गा और 26 तारीख को होसपेट का दौरा करेंगे। ढाई साल से सत्ता में काबिज कांग्रेस सरकार का कुप्रबंधन किसानों के लिए रोज का बुरा सपना बन गया है। पूरे राज्य में फसल खराब होने और समर्थन मूल्य न मिलने की वजह से किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अलमट्टी के पानी का सही तरीके से स्टोरेज न होने की वजह से उस इलाके के किसान दूसरी फसल लेने से वंचित रह गए हैं। उन्होंने इस बात पर एतराज जताया कि तुंगभद्रा गेट की मरम्मत का काम धीरे-धीरे किया गया। कर्नाटक का पानी आंध्र प्रदेश चला गया है। उन्होंने कहा कि इसकी वजह राज्य सरकार है। भारी बारिश से प्रभावित किसानों के लिए अभी तक मुआवजे का ऐलान नहीं हुआ है। मक्का खरीद सेंटर नहीं खोला गया है, दूसरी फसल के लिए पानी न देकर नाइंसाफी की गई है, और दूध का प्रोत्साहन किसानों के लिए एक समस्या बना हुआ है। इन सभी वजहों को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने ऐलान किया कि राज्य भाजपा रायता मोर्चा पूरे राज्य के सभी जिलों और तालुक सेंटरों में धरना, सत्याग्रह और विरोध प्रदर्शन करेगा। राज्य सरकार पिछले 6 महीने से कुर्सी के लिए लड़ाई जारी रखे हुए है। कुर्सी पर कौन बैठेगा, इस पर लड़ाई-झगड़ा चल रहा है। एक-एक करके उन्होंने सीएम की कुर्सी के 4 पैर छीन लिए हैं। सिद्धरामैया, शिवकुमार, परमेश्वर, जारकीहोली ने ये कुर्सी के पैर छीन लिए हैं। आर. अशोक ने मजाक उड़ाते हुए कहा कि आज कर्नाटक में मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं है। कोई कहता है कि मेरे पीछे 60 तो कई कहता है मेरे पीछे 70 विधायक हैं। विपक्षी नेताओं ने कहा है कि 60-70 करोड़ रुपये ट्रांसफर हुए हैं। हॉर्स ट्रेडिंग शुरू हो गई है। उन्होंने आलोचना की कि एक भी मंत्री किसानों की दुर्दशा पर जवाब नहीं दे रहा है। उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया कि मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस पार्टी के सिर्फ नाम के अध्यक्ष हैं। खड़गे की कुर्सी में कोई पावर नहीं है। एआईसीसी अध्यक्ष को हाईकमान होना चाहिए था। लेकिन वह पैरासाइट हैं। जब हमारी भाजपा सरकार पहले थी, जब येदियुरप्पा और बोम्मई मुख्यमंत्री थे, तो बाढ़ आने पर किसानों को विशेष अनुदान दी जाती थी। उन्होंने इस सरकार पर आरोप लगाया कि बाढ़ को 6 महीने हो गए हैं, फिर भी सरकार गिनती कर रही है। वे सभी दिल्ली टूर पर हैं। उन्होंने शिकायत की कि सिद्धरामैया के घर पर नाश्ता, डी.के. शिवकुमार के घर पर डिनर बस इतना ही हुआ।

अगले दो दिनों तक तटीय इलाकों में भारी बारिश की संभावना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मलक्का और साउथ अंडमान सागर के इलाकों में एक लो-प्रेशर एरिया बना है, जो बंगाल की खाड़ी और श्रीलंका तक फैला हुआ है, और पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह सिस्टम अगले 48 घंटों में एक चक्रवात में बदल सकता है। लो-प्रेशर के असर और चल रहे नॉर्थईस्ट मॉनसून की वजह से, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में पिछले दो दिनों से बहुत ज्यादा बारिश हो रही है। शनिवार रात को गरज के साथ भारी बारिश की खबर है। रविवार को भी तेज हवाएं, गरज और लगातार बारिश जारी रही। मेंगलूरु शहर में, रात करीब 8 बजे बिजली कड़कने के साथ भारी बारिश हुई, जिससे कुछ इलाकों में पानी भर गया और गाड़ियों की आवाजाही धीमी हो गई। बेल्टांगडी, गुरुवयनकेरे, उजीरे, धर्मस्थल, सवनलु, कदिरुद्यवार, बलंजा, मुंडाजे, कडाबा, सिरिबागिलु, बाजपे, कतील, मुल्की और कई दूसरी जगहों पर काफी बारिश हुई। रविवार रात को कई शुभ काम होने थे, लेकिन बारिश की वजह से दिक्कत हुई। उडुपी तालुक में, कई इलाकों में शनिवार देर रात गरज के साथ बारिश हुई। हालांकि रविवार को भी बादल और गरज बनी रही, लेकिन बारिश नहीं हुई। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में बारिश और हवाएं जारी रहने की उम्मीद है। नवंबर में आमतौर पर ओस पड़ने और ठंड का मौसम होने की उम्मीद होती है। इस मौसम में बारिश से खेती पर बुरा असर पड़ सकता है। एक किसान ने कहा कि सुपारी के पेड़ ठीक से फल नहीं दे सकते हैं और कच्चे मेवे गिरने लग सकते हैं। नई काटी गई सुपारी को सुखाया भी नहीं जा सकता, जिससे और मुश्किल हो रही है। किसानों ने कहा कि अभी हाइब्रिड धान की खेती हो रही है, और बेमौसम बारिश से बीमारियां हो सकती हैं। बारिश की वजह से चारे की उप-लब्धता भी कम हो सकती है, जिससे भूसे पर निर्भर किसानों के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

शिवकुमार का समर्थन करने वाले कांग्रेस के और विधायक दिल्ली पहुंचे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में सीएम बदलने के मुद्दे पर सत्ताधारी पार्टी के अंदर चल रही खींचतान के बीच, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों का एक और बैच कांग्रेस हाईकमान के नेताओं से मिलने के लिए नई दिल्ली पहुंचा है। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, कम से कम छह विधायक रविवार रात को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। उन्होंने कहा कि शिवकुमार को सीएम बनाने के लिए जल्द ही कुछ और विधायक भी दिल्ली आ सकते हैं। 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के पांच साल का आधा कार्यकाल पूरा होने के बाद, राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच, सत्ताधारी पार्टी के अंदर सत्ता की खींचतान तेज हो गई है। ऐसा कहा जा रहा है कि 2023 में सीएम सिद्धरामैया और शिवकुमार के बीच एक कथित सत्ता साझाकरण का समझौता हुआ है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में जो विधायक हैं, उनमें एच सी बालकृष्ण (मगडी), के एम उदय (मद्दूर), नयना मोटाम्मा (मुदिगेरे), इकबाल हुसैन (रामनगर), शरत बच्चेगौड़ (होसाकोटे), और शिवगंगा बसवराज (चन्नागिरी) शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि मल्लिकार्जुन खड़गे, जो बेंगलूरु में हैं, दिल्ली आने वाले हैं, और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विदेश दौरे से लौटने की संभावना है। पिछले हफ्ते, शिवकुमार को समर्थन करने वाले कुछ विधायक, जिनमें से लगभग दस थे, नई दिल्ली गए और खड़गे से मिले, क्योंकि कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने 2.5 साल पूरे कर लिए थे। हालांकि शिवकुमार ने तब कहा था कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि विधायक खड़गे से मिलने दिल्ली जा रहे हैं। शिवकुमार को सपोर्ट करने वाले विधायक के दिल्ली जाने के बाद, सीएम सिद्धरामैया ने शनिवार को बेंगलूरु में खड़गे के साथ एक घंटे से ज्यादा लंबी बैठक की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि सिद्धरामैया अपने कैबिनेट में फेरबदल पर जोर दे रहे हैं, लेकिन शिवकुमार चाहते हैं कि पार्टी पहले नेतृत्व में बदलाव पर फैसला करे। पार्टी के कई अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, अगर कांग्रेस हाईकमान कैबिनेट में फेरबदल को मंजूरी दे देता है, तो इसका मतलब होगा कि सिद्धरामैया पूरे पांच साल का टर्म पूरा करेंगे, जिससे शिवकुमार के इस अहम पद पर बैठने के अवसर खत्म हो जाएंगे।

अगर हाईकमान कहेगा तो मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो बार-बार कहते रहे हैं कि वे मुख्यमंत्री के तौर पर अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, ने पहली बार अपना बयान बदला है और यह कहकर उत्सुकता जगाई है कि अगर हाईकमान निर्देश देगा तो वे मुख्यमंत्री बने रहेंगे। सिद्धरामैया के बयान ने राज्य में लीडरशिप में बदलाव का संकेत दिया है। इसने उन चर्चाओं को और पक्का कर दिया है कि ढाई साल बाद नेतृत्व में बदलाव होगा। पूर्व सांसद डी.के. सुरेश के इस बयान पर कि सिद्धरामैया अपने वादे के मुताबिक काम करेंगे, सिद्धरामैया ने कहा हम हाईकमान की बात सुनेंगे। अगर हमारा हाईकमान फैसला करता है, तो हम उसका पालन करेंगे। अगर वे कहते हैं तो मैं बना रहूंगा। आखिरकार, जैसा हाईकमान कहेगा, मुझे और डी.के. शिवकुमार दोनों को इसे मानना होगा। क्या डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि एक ही सवाल दोबारा पूछना ठीक नहीं है, हालांकि उन्होंने कहा कि वे हाईकमान की बात सुनेंगे। वे 4-5 महीने पहले कैबिनेट में फेरबदल पर बात करने के लिए दिल्ली गए थे। उस समय हाईकमान ने कैबिनेट विस्तार का आदेश दिया था। अब अगर हाईकमान कहेगा तो कैबिनेट में फेरबदल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लीडरशिप में बदलाव के बारे में वरिष्ठों ने जैसा कहा है, वैसा ही वे करेंगे। सिद्धरामैया ने इस बात पर टिप्पणी करने से मना कर दिया है कि डी.के. शिवकुमार गुट के कुछ विधायक वरिष्ठ नेताओं से मिलने दिल्ली जा रहे हैं। अब तक सिद्धरामैया बार-बार कहते रहे हैं कि वे खुद 5 साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। लेकिन पिछले कुछ दिनों में हो रहे घटनाक्रम से सिद्धरामैया का विश्वास कम होता दिख रहा है। डी.के. शिवकुमार इस बात पर अड़े हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री बनना है और वे अपनी ही रणनीति पर चल रहे हैं। इससे सिद्धरामैया के लिए घुटन भरा माहौल बन गया है। भले ही दोनों आमने-सामने हों, लेकिन यह साफ है कि लीडरशिप के मुद्दे पर दोनों के बीच तीखी लड़ाई चल रही है। सिद्धरामैया अपनी शिकायतों और नाकामियों को किनारे रखकर नरम पड़ते दिख रहे हैं। वे एक लाइन के जवाब तक ही सीमित हैं कि वे हाईकमान के फैसलों के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि डी.के. शिवकुमार मीडिया से मिले, लेकिन उन्होंने बिना कोई बयान दिए हाथ हिलाया और आगे बढ़ गए। सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार ने चिक्कबल्लापुर जिले के शिडलाघट्टा में कई विकास कार्यों के शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रम में एक साथ हिस्सा लिया। लेकिन मंच पर सिद्धरामैया अलग ही इंसान दिखे। डी.के. शिवकुमार भी अपने हाव-भाव सख्त रखते दिखे। पहले दोनों नेता किसी भी कार्यक्रम में दोस्ताना तरीके से हिस्सा लेते थे।

खड़गे ने केंद्र पर राज्यों की उपलब्धियों को अपनी उपलब्धियों के तौर पर पेश करने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार के लिए राज्य सरकारों की उपलब्धियों के आगे अपनी पीठ थपथपाना कोई नई बात नहीं है। ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया है कि जलजीवन मिशन नाम के लिए तो केंद्र द्वारा स्पॉन्सर्ड प्रोजेक्ट है, लेकिन असल में यह कर्नाटक के लिए केंद्र द्वारा रिजेक्ट किया गया प्रोजेक्ट है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इस साल तक जेजेएम प्रोजेक्ट पर कुल 35,698.58 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसमें से राज्य सरकार ने 24,598.45 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने अब तक सिर्फ 11,786.63 करोड़ रुपये दिए हैं। इस साल तक केंद्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली रकम 13,004.63 करोड़ रुपये है। अगर कर्नाटक के प्रति केंद्र सरकार के सौतेले रवैये को देखें, तो उसने वित्तीय वर्ष 2024-25 में परियोजना के लिए कर्नाटक को 3,804.41 करोड़ रुपये दिए थे। लेकिन जारी की गई रकम सिर्फ 570.66 करोड़ रुपये थी। राज्य सरकार ने खुद इस परियोजना को लागू करने में दिलचस्पी ली है और पैसा खर्च किया है। लेकिन केंद्र सरकार का अन्याय जारी है। पहले भी मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से परियोजना की बकाया रकम जारी करने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने अब फिर से इसकी मांग की है। हालांकि कर्नाटक के प्रति केंद्र सरकार के ऐसे अन्याय, ला-परवाही और नफरत के कारण राज्य की आर्थिक तरक्की पर असर पड़ रहा है, लेकिन यह सच है कि राज्य के किसी भी भाजपा नेता ने कर्नाटक के पक्ष में आवाज नहीं उठाई और न्याय दिलाने की कोशिश नहीं की। यह भाजपा के राजनीतिक और नैतिक दिवालियापन का सबूत है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें सच में राज्य की चिंता है, तो उन्हें सरकार की बात मानकर अपना प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए।

समर्थकों द्वारा शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने की लगातार की जा रही प्रार्थना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेज राजनीतिक हलचल के बीच जहां कुछ जगहों पर डी.के. शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने की प्रार्थना की जा रही है, वहीं कुछ जगहों पर दुआएं और भविष्यवाणियां की जा रही हैं। मैसूरु में, जिले के वोक्कालिगाओं ने मैसूरु के गणपति मंदिर में 101 नारियल फोड़कर खास प्रार्थना की। शिवकुमार के बिना किसी रुकावट के मुख्यमंत्री बनने के लिए विघ्नविनायक से प्रार्थना की गई।

जहां गारंटी स्कीम कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने का कारण थीं, वहीं जेडीएस को जो 25 से 30 सीटें मिलनी थीं, वे कांग्रेस को मिल गईं क्योंकि डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। शिवकुमार, पार्टी के एक सिस्टम सिपाही के तौर पर, किसी भी मुश्किल के बावजूद पार्टी नहीं छोड़ी है। सिद्धरामैया एक बाहर से आए नेता हैं। डी.के. शिवकुमार की कड़ी मेहनत और लगन ही कांग्रेस के 136 सीटें जीतने का कारण है। हाईकमान के सामने हुई बातचीत के मुताबिक सिद्धरामैया को सत्ता छोड़ देनी चाहिए। डी.के. शिवकुमार, जिन्होंने पार्टी के लिए मेहनत की है को मौका मिलना चाहिए। नहीं तो, राज्य के लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे। अगर ऐसा नहीं हुआ तो जैसे बिहार में कांग्रेस को करारी हार मिली, वैसे ही कर्नाटक में भी कांग्रेस हारेगी। वहीं, डी.के. शिवकुमार की फोटो लिए समर्थकों ने नारे लगाए। सिद्धरामैया पहले ही 5 साल तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उन्हें इस दौरान सत्ता छोड़ देनी चाहिए थी। अब उन्हें कम से कम ढाई साल बाद सत्ता छोड़ देनी चाहिए। सबरीमाला मालाधारियों ने मैसूरु के अयप्पा मंदिर में डी.के. शिवकुमार के लिए प्रार्थना की। पूजा के दौरान, 20 से ज्यादा मालाधारियों ने डी.के. शिवकुमार की तस्वीर पकड़कर प्रार्थना की कि वह मुख्यमंत्री बनें। सदस्यों ने कहा सबरीमाला जाने से पहले, हम 48 दिन की पूजा के दौरान डी.के. शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के लिए प्रार्थना करेंगे। उन्होंने कहा कि वे सिद्धरामैया के सत्ता छोड़ने के लिए प्रार्थना करेंगे। भले ही सिद्धरामैया मैसूरु जिले से हैं, उन्हें अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री का पद दिया जाए। इससे पहले सोमवार सुबह, नागा साधु डी.के. शिवकुमार के घर पहुंचे और उन्हें मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया।

काशी से आए वेदगिरी नागा बाबा साधु डी.के. शिवकुमार के घर गए और उनके सिर पर हाथ रखकर और कंधे थपथपाकर उन्हें आशीर्वाद दिया।

डी.के. शिवकुमार ने अपनी जेब से नोटों की गड्डी निकाली और उन्हें कुछ पैसे दिए। इस मौके पर कुछ साधु डी.के. शिवकुमार से मिले और उन्हें आशीर्वाद दिया।

झूठे, भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए जीरो टॉलरेंस की घोषणा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु सिटी पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने चेतावनी दी है कि लोकल और विदेश से काम कर रहा एक मिला-जुला नेटवर्क हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दुश्मनी बढ़ाने और मुस्लिम कम्युनिटी में असुरक्षा की भावना पैदा करने के मकसद से अफवाहें फैला रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस हालात पर करीब से नजर रख रही है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। सोशल मीडिया पोस्ट पर जवाब देते हुए, जिसमें आरोप लगाया गया था कि पुलिस ने मूडबिद्री में एक ऑर्गनाइजेशन के प्रोग्राम पर छापा मारा और उसके किचन की जांच की, कमिश्नर ने कहा कि ये दावे गुमराह करने वाले हैं और गलत इरादे से फैलाए गए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित संगठन ने पहले ही अफवाहों को गलत साबित करते हुए एक सफाई जारी कर दी है। आयुक्त रेड्डी ने कहा पिछले दस दिनों से, कुछ लोग पुरानी घटनाओं या रोजाना की घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं, उन्हें बड़ी घटनाओं के तौर पर दिखा रहे हैं और जनता के बीच झूठी खबरें फैला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा उनका एकमात्र मकसद सांप्रदायिक नफरत भड़काना है। एक अचानक आए मोड़ पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि शरारती तत्वों को पता नहीं था कि सेक्युलर हिंदू और मुसलमान अपने ऑनलाइन ग्रुप्स में पुलिस को जानकारी दे रहे थे और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए दबाव डाल रहे थे। कड़ी चेतावनी देते हुए, कमिश्नर रेड्डी ने कहा कि पुलिस ऐसे मामलों की अच्छी तरह से जांच करेगी और सही कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी। उन्होंने चेतावनी दी, हम उन लोगों को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो मनगढ़ंत मैसेज के जरिए सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करते हैं।

आपदा प्रभावितों को अब 1 लाख की सहायता : हिमाचल कैबिनेट की बड़ी घोषणाएँ

शिमला, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आज यहां आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में आपदा प्रभावित परिवारों को घरेलू सामान के नुकसान की भरपाई के लिए मिलने वाली धनराशि 70,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये करने का निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल ने आग लगने की स्थिति में पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए सात लाख रुपये का विशेष सहायता पैकेज प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया है। प्रदेश में आपदा की स्थिति के दौरान हेलीकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए वायुसेना को 4.32 करोड़ रुपये स्वीकृति किए गए।मंत्रिमंडल ने राज्य में पंचायतों के पुनर्गठन का निर्णय लिया।मनरेगा के अंतर्गत 150 दिनों का रोजगार उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। व्यक्तिगत कार्यों के अंतर्गत रिटेनिंग वॉल निर्मित करने के लिए दो लाख रुपये तक की राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया।मंत्रिमंडल ने स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर रोगी-सेवा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग में 1000 रोगी मित्रों की नियुक्ति का निर्णय लिया है।मंत्रिमंडल ने पुलिस विभाग में कांस्टेबल के 800 पदों के सृजन एवं भरने को स्वीकृति प्रदान की है। सोलन जिला के कंडाघाट और सिरमौर जिला के राजगढ़ में उप-अग्निशमन केंद्र खोलने के साथ-साथ 46 पद सृजित कर इन्हें भरने तथा चार फायर टेंडर खरीदने को मंजूरी दी गई।जल शक्ति और लोक निर्माण विभाग में 150 कनिष्ठ अभियंता (सिविल) को जॉब ट्रेनी के रूप में भरने का निर्णय लिया गया है।बैठक में डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हमीरपुर में नौ सुपर स्पेशियलिटी विभागों के सृजन एवं 73 पदों (प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर और सीनियर रेजिडेंट) के सृजन और भरने को स्वीकृति दी गई।मंत्रिमंडल ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा, जिला कांगड़ा में सुपर स्पेशियलिटी विभाग के लिए 27 सीनियर रेजिडेंट के पदों को सृजित कर भरने का निर्णय लिया है।मंडी जिला के श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नेरचौक में नई पुलिस पोस्ट खोलने एवं आवश्यक पदों के सृजन और भरने की मंजूरी प्रदान की गई।बैठक में पुलिस विभाग में जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के पांच पदों का सृजन और भरने का निर्णय लिया गया।धर्मशाला स्थित क्षेत्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (नॉर्थ रेंज) में डिजिटल फॉरेंसिक सुविधा के लिए पांच पदों का सृजन और भरने को स्वीकृति दी गई।मंत्रिमंडल ने 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले सभी व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान करने का निर्णय लिया है। जिस दिव्यांगजन के अभिभावक यदि सरकारी, अर्ध-सरकारी, बोर्डों या निगमों के कर्मचारी या पेंशनर हों, उसके लिए पुरानी पात्रता शर्त को समाप्त कर दिया गया है।बैठक में राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट-अप योजना-2023 के तहत 1000 पेट्रोल और डीजल टैक्सियों को इलेक्ट्रिक टैक्सी में बदलने के लिए 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमंडल ने एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स का स्पेशल टास्क फोर्स में विलय कर गृह विभाग के अधीन एक एकीकृत स्पेशल टास्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य संचालन क्षमता में सुधार और नशे से जुड़े मामलों से निपटने के लिए एक प्रभावी एजेंसी तैयार करना है। इसके साथ ही प्रदेश में पंचायत स्तर पर एंटी-चिट्टा अभियान चलाने को भी मंजूरी प्रदान की गई।बैठक में सड़क सुरक्षा को और मजबूती देने के उद्देश्य से हाईवे पेट्रोलिंग के लिए दस इलेक्ट्रिक बाइकों की खरीदने का निर्णय लिया गया।कांगड़ा जिला में हरिपुर तहसील से हरिपुर और बिलासपुर कानूनगो वृत्तों को विभाजित कर बनखंडी में नया कानूनगो वृत्त बनाने का निर्णय लिया गया है।मंत्रिमंडल ने वन भूमि पर खनिज रियायतों के अनुदान के लिए वन विभाग को आशय पत्र जारी करने का अधिकार प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की।बैठक में 'मुख्यमंत्री लघु दुकानदार कल्याण योजना' को शहरी क्षेत्रों के छोटे दुकानदारों और 10 लाख रुपये से कम वार्षिक कारोबार वाले खुदरा विक्रेताओं तक विस्तार देने का निर्णय लिया गया है। योजना के अंतर्गत एनपीए (गैर निष्पादित परिसंपत्ति) घोषित हो चुके छोटे दुकानदारों को बैंक के माध्यम से एक लाख रुपये तक की एकमुश्त निपटान सहायता प्रदान की जाएगी जिसका वहन प्रदेश सरकार करेगी।मंत्रिमंडल ने हमीरपुर जिला के बमसन और हमीरपुर विकास खंडों के पुनर्गठन की भी मंजूरी प्रदान की है।राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर को समर्पित विज्ञान महाविद्यालय में परिवर्तित करने और एकीकृत बी.एड (बी.एससी.) कार्यक्रम आरम्भ करने के लिए एक यूनिट शुरू करने को स्वीकृति दी गई है। बैठक में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र), हमीरपुर और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, हमीरपुर (छात्रा) का विलय कर अगले शैक्षणिक सत्र से सह-शैक्षिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बनाने का निर्णय लिया गया।मंत्रिमंडल ने धर्मशाला, नादौन, चायलकोटी तथा जिला शिमला के टिक्कर स्थित राजकीय महाविद्यालयों में चार वर्षीय एकीकृत बी.एड कार्यक्रम शुरू करने की मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त, जिला शिमला में राजकीय महाविद्यालय सरस्वती नगर में दो वर्षीय बी.पी.एड कार्यक्रम शुरू करने और लोहराब स्थित फाइन आर्ट्स कॉलेज में नए विषय शुरू करने तथा कांगड़ा जिला के हरिपुर गुलेर स्थित महाविद्यालय को फाइन आर्ट्स महाविद्यालय में परिवर्तित करने का भी निर्णय लिया गया है।

बीसलपुर बांध की बाई मुख्य नहर की सफाई और मरम्मत कार्य समय पर नहीं हुई

टोडारायसिंह, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बीसलपुर बांध की बाई मुख्य नहर की सफाई और मरम्मत समय पर नहीं होने से आगामी माह दिसंबर में सिंचाई का पानी छोड़े जाने पर व्यवधान की संभावना है। बीसलपुर परियोजना विभाग ने अभी तक नहरों की पूर्ण सफाई नहीं करवाई है, जबकि सिंचाई सीजन अब दरवाजे पर है। बीसलपुर परियोजना क्षेत्र में प्रचलन रहा है कि सिंचाई का पानी छोडऩे से पहले नहरों की सफाई और मरम्मत कार्य पूरे किए जाते हैं, लेकिन इस बार न सफाई की न ही मरम्मत।

बाई नहर के कई हिस्सों में पूरी हुई है और न ही क्षतिग्रस्त स्थानों अवरोधक, मिट्टी के जमाय और विलायती बबूलों की भरमार है। किसानों ने सरसों सहित अन्य रबी फसलों की बुआई शुरू कर दी है। दिसंबर में खेतों को सिंचाई की आवश्यकता होगी, लेकिन मौजूदा हालात में समय पर सफाई कार्य पूरा होना मुश्किल नजर आ रहा है। कमांड एरिया में नहरों की लंबाई अधिक होने और कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त ढांचे के चलते अव्यवस्था बढ़ रही है। पिछली बार वर्ष 2024 में नहर में पानी छोड़ा गया था और इस बार बांध भरपूर होने से दिसंबर में पानी छोड़े जाने की पूर्ण संभावना है।किसान महापंचायत के प्रदेश मंत्री रतन खोखर ने कहा कि 'बाई मुख्य नहर की मरम्मत तत्काल पूरी करवाई जाए।

आगामी 8-10 दिन में किसानों को सिंचाई के पानी की आवश्यकता पड़ेगी। समय पर किसानों को सिंचाई का पानी मिलना चाहिए। अन्यथा किसानों को सडक़ों पर उतरने को मजबूर होना पड़ेगा। नहर कई जगह से टूटी व बबूलों से घिरी हुई है, जिससे किसानों में भारी आक्रोश है। बाद में लीपापोती होने की आशंका है।

बीसलपुर बांध परियोजना के एकसईएन मनीष बंसल ने बताया कि बाई नहर की सफाई और मरम्मत का कार्य श्रमिकों के माध्यम से शुरू करवा दिया गया है। हाल ही में हुई बारिश के कारण बुआई देर से हुई है, जिससे थोड़ी राहत मिली है। श्रमिकों की संख्या बढक़र कार्य में और तेजी लाई जाएगी।

पूर्ववर्ती ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड और नए डीपीएसयू के बीच टकराव, आयुध कारखानों के निगमीकरण का विरोध

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। यूनाइटेड फोरम ऑफ ऑर्डनेंस एम्प्लॉइज (यूएफओई) और पूर्ववर्ती ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड (ओएफबी) से बने सात नए रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) के बीच एक नया टकराव शुरू हो गया है। वजह, कर्मचारियों के समावेश का विवादास्पद मुद्दा, निगमीकरण के पांच साल बाद भी नहीं सुलझ नहीं सका है। भारत सरकार ने 2021 में 41 आयुध कारखानों का निगमीकरण किया था। इन कारखानों को सात डीपीएसयू में पुनर्गठित किया गया। एआईडीईएफ और बीपीएमएस सहित कर्मचारी संघों ने इस निर्णय का विरोध किया। कर्मचारियों ने दिवंगत मनोहर पर्रिकर सहित पूर्ववर्ती रक्षा मंत्रियों की इस प्रतिबद्धता का हवाला दिया कि आयुध कारखानों का निगमीकरण नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद निगमीकरण कर दिया गया।एआईडीईएफ के महासचिव सी. श्रीकुमार के मुताबिक, यह मामला मद्रास उच्च न्यायालय भी पहुच चुका है। न्यायालय ने निगमीकरण को एक नीतिगत निर्णय माना, लेकिन सरकार की लिखित प्रतिबद्धता-विशेषकर उसके हलफनामे के पैरा 55(क) और (ख)-पर जोर दिया कि कर्मचारी तब तक केंद्र सरकार के कर्मचारी बने रहेंगे, जब तक कि वे आमेलन का विकल्प न चुनें। रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी) ने सात नए डीपीएसयू के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों को निगमों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए आमेलन पैकेज के मसौदे पर हितधारकों के साथ परामर्श करने का निर्देश दिया।सचिव (रक्षा उत्पादन) ने 10 नवंबर को एक बैठक आयोजित की। सभी मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों से इस बैठक में भाग लेने का आग्रह किया गया। 'यूएफओई' ने 'डीपीएसयू' के साथ बैठकों को अस्वीकार कर दिया। 20 नवंबर को एक वर्चुअल बैठक में, यूएफओई ने सर्वसम्मति से नए डीपीएसयू के 'सीएमडी' द्वारा आयोजित किसी भी बैठक में शामिल न होने का संकल्प लिया।वजह, 41 कारखानों के 80 प्रतिशत से अधिक रक्षा असैन्य कर्मचारियों ने केंद्र सरकार के कर्मचारी बने रहने के लिए पहले ही अग्रिम विकल्प प्रस्तुत कर दिए हैं। 863 आईओएफएस अधिकारियों ने भी इसी तरह के अनुरोध प्रस्तुत किए हैं। यूएफओई इस बात पर जोर दे रहा है कि उच्च न्यायालय के समक्ष बतौर वादा, पेश की गई सेवा शर्तों को बरकरार रखा जाए। सीएमडी की पहली परामर्श बैठक 26 नवंबर को देहरादून में निर्धारित है। इसके बाद कानपुर, कोलकाता, चेन्नई, पुणे और जबलपुर में बैठकों के सत्र आयोजित होंगे। ये सत्र, 27 दिसंबर को समाप्त होंगे। यूएफओई ने 21 नवंबर को डीडीपी और सभी सात सीएमडी को अपना निर्णय बता दिया है। यूएफओई ने कहा है कि डीपीएसयू के नेतृत्व में अवशोषण पैकेजों पर होने वाली चर्चाओं में कोई भागीदारी नहीं होगी। वे अपनी सेवानिवृत्ति तक केंद्र सरकार के कर्मचारी बने रहने के तौर-तरीकों पर केवल डीडीपी के साथ बातचीत करने को तैयार हैं। सीजी सेवा का दर्जा, लाभ और सुरक्षा की गारंटी देने वाली एक औपचारिक अधिसूचना जारी करने की पुनः अपील, जो मद्रास उच्च न्यायालय में सरकार के हलफनामे के अनुरूप हो, की गई है। कर्मचारियों द्वारा अवशोषण में शामिल होने से इनकार करने के कारण, सरकार एक गंभीर गतिरोध का सामना कर रही है।डीपीएसयू को दिया गया आदेश अवशोषण पैकेज पर परामर्श करने का था, न कि केंद्र सरकार के प्रतिधारण पर बातचीत करने का। उच्च न्यायालय के समक्ष दर्ज प्रतिबद्धताओं के अनुसार, सरकार कर्मचारियों को डीपीएसयू में शामिल होने के लिए बाध्य नहीं कर सकती।सी. श्रीकुमार ने इस मुद्दे को 'प्रतिष्ठा की लड़ाई' के रूप में देखने के खिलाफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, सरकार अपने ही कर्मचारियों की सेवा शर्तों से समझौता नहीं कर सकती। ये कर्मचारी केंद्र सरकार के कर्मचारियों के रूप में आयुध कारखानों में शामिल हुए थे। वे अपनी सुरक्षित सरकारी नौकरियों से इस्तीफा देकर उन रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों में क्यों शामिल हों, जो ऑर्डर के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आगे तर्क दिया है कि आयुध कारखाने युद्ध भंडार के रूप में काम करते हैं, न कि लाभ-संचालित कंपनियों के रूप में।

उपमन्यु, वात्स्यायन और वत्स गौत्र ब्राहम्ण परिवार की कुल देवी का सालाना समारोह उल्लास से मनाया

ज्वालामुखी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। ज्वालामुखी, के पास चुकाठ से सटे कटोई में आज उपमन्यु , वात्स्यायन और वत्स गौत्र ब्राहम्ण परिवार का सालाना समारोह कुल देवी जठेरी माता मंदिर के प्रांगण में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। यहां बडी तादाद में उपमन्यु और वत्स वात्स्यायन गोत्र के ब्राह्मण परिवार एक साथ मिले। जिससे समारोह यादगारी बना।

यहां मंदिर में महर्षि उपमन्यु व महिषासुर मर्दिनी की मूर्तियां स्थापित की गई हैं। यहां आज के ही कुलदेवी की मूर्ती स्थापित की गई थी।

इसी उपलक्ष्य में यहां हर साल नवंबर माह के अंतिम रविवार को समारोह होता है। जिसमें उत्तरी भारत के कई शहरों से

ब्राहम्ण परिवार एक साथ इकठ्ठा होते हैं। इसी उपलक्ष्य में आज यहां हवन पूजन किया गया और भंडारे में सभी ने प्रसाद भी ग्रहण किया।

इसी तरह यहां हर साल मई माह के दूसरे रविवार को भी ममतामयी मातृशक्ति कुलदेवी के चरणों में यहां उपमन्यु , वात्स्यायन और वत्स गौत्र के ब्राहम्ण परिवार इकठ्ठा होते हैं।

उस दिन भी यहां हवन पूजन व विशाल भंडारे का आयोजन होता है। आयोजन समिति के संयोजक सुरेश शास्त्री ने बताया कि, यहां हर साल नवंबर व मई माह में आयोजन होता है।

जिसमें उत्तरी भारत के ब्राह्मण परिवार खासकर उपमन्यु और वत्स वात्स्यायन गोत्र के अपनी कुलदेवी का आर्शीवाद पाते हैं । यह मंदिर चुकाठ से सटे कटोई में चुकाठ सुधंगल सडक़ मार्ग पर ज्वालामुखी के पूर्व विधायक स्वर्गीय धनी राम चौधरी के घर के पास है। जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

पंचायत पुनर्गठन में नव गठित पंचायत नगला तुला को उच्चैन पंचायत समिति में जोड़ने का विरोध

रुदावल-भरतपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पंचायत परिसीमन एवं पुनर्गठन में रुदावल तहसील की ग्राम पंचायत डुमरिया के गांव नगला तुला को ग्राम पंचायत का दर्जा देने को लेकर जहां ग्रामीणों में खुशी का माहौल बना तो दूसरी ओर नगला तुला को उच्चैन पंचायत समिति में जोड़ने को लेकर सरकार के खिलाफ आक्रोश पैदा हो गया। ग्रामीणों ने सरकार से नगला तुला को रूपवास पंचायत समिति में ही शामिल रखने की मांग की है। सरकार की ओर से पंचायतों के पुनर्गठन में रुदावल तहसील की ग्राम पंचायत डुमरिया के गांव नगला तुला, ग्राम पंचायत दाहिना गांव के गांव गूजर बलाई एवं ग्राम पंचायत भवनपुरा के गांव जरीला को ग्राम पंचायत का दर्जा दिया गया है। सरकार की ओर से नवीन ग्राम पंचायतों का गठन किया गया है। सरकार की ओर से पंचायत समितियों के पुनर्गठन में रूदावल तहसील क्षेत्र में नवसृजित ग्राम पंचायत नगला तुला को रूपवास पंचायत समिति से हटाकर उच्चैन पंचायत समिति में जोडा गया है। उच्चैन पंचायत समिति में नगला तुला को जोडे जाने से ग्रामीणों में सरकार की ओर से किए गए परिसीमन को लेकर विरोध के स्वर मुखर हो रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि नगला तुला को उच्चैन में जोडना न्यायोचित नही है।रूपवास पंचायत समिति की नवसृजित ग्राम पंचायत नगला तुला को उच्चैन पंचायत समिति में जोडने से ग्रामीणों में विरोध शुरू हो गया है। ग्रामीणों ने पूर्व उप प्रधान सत्यप्रकाश के नेतृत्व में एसडीएम को ज्ञापन देकर ग्राम पंचायत नगला तुला को उच्चैन पंचायत समिति से हटाकर रूपवास पंचायत समिति में जोडने की मांग की है।

बस स्टेण्ड बनेंगा शहर के बीच, दत्तवास में पंचायत समिति की कोशिश जारी : विधायक वर्मा

निवाई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि निवाई विधानसभा क्षेत्र में हर गांव-गली के विकास के लिए सरकार पूरी तरह से कटिबद्ध है, आवश्यकता इस बात कि है की आमजन भी जागरूक होकर अपना पूरा योगदान दे। विधायक वर्मा शहर के वार्ड नंबर 30 में शहीद भगतसिंह पार्क में सामुदायिक भवन का लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि की हैसियत से सम्बोधित कर रहे थे। भगत सिंह कॉलोनी में भगत सिंह पार्क का नवीनीकरण, सामुदायिक भवन के इस कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए विधायक वर्मा ने कहा कि आज निवाई पालिका बोर्ड ने न केवल सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारा, बल्कि विकास के इतने आयाम खोल दिए कि हर गली, हर चौराहा पूरी तरह से विकसित होकर राजस्थान में अपनी अमिट छाप छोड़ रखी है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पालिकाध्यक्ष की कार्यशैली एवं उनके जज्बे को सलाम करते हुए कहा कि ऐसा व्यक्त्वि जो दिन-रात शहर के चहुंमुखी विकास के लिए समर्पित रहता है। उन्होंने शहर के विकास में विधायक मद की आवश्यकताओं को भी ग्रामीण क्षेत्र में लगाने की बात कहते हुए शहर के विकास के लिए पालिका मद से ही काम

करवाने की क्षमता रखता है। उन्होंने पालिकाध्यक्ष ईसरानी को शहर का विकास पुरूष बताते हुए कहा कि आम जनता भी उनकी कार्यशैली का लौहा मानती है और अगर जनता को मौका मिला तो फिर कई वर्षा तक ऐसे विकास पुरूष के नेतृत्व में ही जिम्मेदारी देने के लिए आतुर है। विधायक रामसहाय ने पिछले 5 सालो के पालिका क्षेत्र में हुए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया।

इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष दिलीप ईसरानी ने कहा कि शहर के विकास में सभी के सहयोग से विकास की कोई कमी नही आने दी एवं अब इस बोर्ड के अल्प समय के कार्यकाल के बावजूद जनता की मंशा के अनुरूप करोड़ों की लागत से सेन्ट्रल पार्क के निर्माण के साथ-साथ शहर के 80 फीट रोड पर दांडी यात्रा एवं कई वार्डो में सामुदायिक भवनों का भी निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसका शीघ्र ही कार्यक्रम का उद्घाटन किया जाएगा। वर्तमान समय में निवाई शहर में अनेकों को कार्यो का आयोजन किया जा रहा है। वार्ड पार्षद एवं भाजपा शहर मण्डल अध्यक्ष नितीन छाबडा ने कहा कि वार्ड के विकास में विधायक और चैयरमेन ने सदैव सहयोग किया है। जिसके लिए वह एवं उनके वार्डवासी सदैव आपके ऋणी है। उन्होंने इस सामुदायिक भवन की कुल लागत लगभग 60 लाख रुपए बताते हुए अपने इस कार्यकाल में करोडो रूपए के विकास कार्यो का उल्लेख किया। प्रमुख उद्योगपति एवं भाजपा नेता ओमप्रकाश गुप्ता ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में शहीद भगत सिंह की मूर्ति पर तिलक और माला पहनाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान वार्ड वासियों ने गर्म जोशी के साथ अतिथियों का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि निवाई विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्य प्रगति पर है। गांव गांव, शहर में विकास कार्य किया जा रहे हैं। नगर पालिका क्षेत्र में करोड़ों की लागत से विकास कार्य करवा कर आम जन को राहत देने का कार्य किया जा रहा है। आम जानकी हर समस्या का निराकरण किया जा रहा है। इस दौरान नगर पालिका कार्यक्रम में प्रमुख उद्योगपति ओम प्रकाश गुप्ता, पार्षद परसराम कुमावत, डॉ. राजकुमार करनानी, मदन लाल वर्मा, करण सिंह राजावत, गिरिराज चौधरी, दुर्गा शंकर सेन, मंगल राम मीणा, संजय वर्मा महावीर माधोर-ाजपुरा कजोड़ सेदरिया, प्रेमचंद गिंदौड़ी, धर्म चंद नेहरू, चेतन जैन, लक्ष्मण खटाना, सुनील झिलाई सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे। विधायक रामसहाय वर्मा ने समारोह में सारी अटकलो को विराम देते हुए कहा कि निवाई का बस स्टेण्ड वर्तमान बस स्टेण्ड के समीप ही शहर के मध्य ही बनवाया जायेगा। इसके लिए वह लगातार प्रयासरत है। उन्होने कहा कि अगर बाय-पास पर कोई स्टेण्ड बनाया जाता है तो बसे शहर के बीच यात्रियों को नही छोडेगी ऐसी स्थिति में शहर वासियों की सुविधार्थ एवं सुरक्षा को मध्य नजर रखते हुए शहर में ही बस स्टेण्ड बनाये जाने के लिए कोशिश की जा रही है।

जमीन के विवाद में पड़ोसी की हत्या, मां और बेटा गिरफ्तार

भरमौर (चंबा), 24 नवंबर (एजेंसियां)। भरमौर के घरेड़ गांव में तीन दिन पहले जमीन के विवाद को लेकर हुई मारपीट में घायल संजीव कुमार (31) पुत्र केवल चौहान ने टांडा में दम तोड़ दिया। हत्या के आरोपी लक्की कुमार पुत्र महासू और उसकी माता झुणको देवी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा नूरपुर से आई फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य भी जुटाए हैं।तीन दिन पहले संजीव कुमार की अपने पड़ोसियों के साथ जमीन के विवाद को लेकर लड़ाई हुई थी। आरोपियों ने उसे डंडों से पीटा। इससे वह गंभीर घायल हो गया। बेसुध हालत में उसे उपचार के लिए भरमौर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे चंबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां पर भी उसकी हालत में ज्यादा सुधार नहीं हुआ तो डॉक्टरों ने उसे टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि घायल ने टांडा मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया है। इसके बाद भरमौर से पुलिस टांडा गई। वहां पर परिजनों के बयान लेने के बाद पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद परिजन शव को लेकर अपने गांव की तरफ रवाना हुए। मृतक की भाभी अंजलि ने आरोपियों के खिलाफ तीन दिन पहले ही मारपीट की शिकायत पुलिस में दी थी। अब पुलिस ने घायल की मौत के बाद बीएनएस की धाराओं में बदलाव करते हुए आरोपियों के खिलाफ हत्या को लेकर प्राथमिकी दर्ज करते हुए उनकी गिरफ्तारी की है। पंचायत प्रधान मिलाप चौहान ने बताया कि पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। पंचायत की तरफ से भी पूरा सहयोग दिया जा रहा है।

हर माह हर विकास खण्ड की 2 ग्राम पंचायतों में हों ग्राम चौपालें : केशव

लखनऊ,24 नवंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की उपस्थिति में रामपुर शहर स्थित अम्बेडकर पार्क में एकता यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके राष्ट्र निर्माण के अमूल्य योगदान को नमन किया।लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एकता यात्रा कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन देश की एकता एवं अखंडता के लिए सदैव प्रेरक रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।उन्होंने एकता यात्रा के उद्देश्यों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सरदार पटेल ने 563 रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक सूत्र में पिरोया। उन्होंने कहा कि 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का प्रधानमंत्री द्वारा निर्णय लिया गया।उन्होंने वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने का जिक्र करते हुए कहा कि इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में देश को एकजुट कर आज़ादी की अलख जगाने का कार्य किया। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना बलिदान देने वाले अमर बलिदानियों को नमन किया।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात में विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कर सरदार पटेल की स्मृतियों को चिरस्थायी स्वरूप दिया गया है।

उन्होंने कहा कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा इसी दिशा में निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नया संसद भवन निर्मित कर भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर सदैव महिला सशक्तिकरण के अग्रदूत रहे हैं। आज प्रधानमंत्री

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ की बैठक

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को मजबूत एवं सम्मानजनक स्थान प्राप्त हुआ है। जनधन योजना के माध्यम से देश के गरीबों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है। आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की धनराशि सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित की जा रही है, जिससे लाभार्थियों को पारदर्शी और समयबद्ध लाभ मिल रहा है। भारत आज अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सक्षम एवं सजग है। देश दुश्मन की गोली का जवाब गोली से तथा बम का जवाब बम से देने की शक्ति रखता है। वर्तमान में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसमें पात्र नागरिक अपने नाम जोड़ने, संशोधन कराने एवं आवश्यक सुधार हेतु आवेदन कर सकते हैं। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को सदैव सशक्त बनाए रखना ही सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उप मुख्यमंत्री ने रामपुर शहर स्थित संत शिरोमणि रविदास सर्किट हाउस के सभागार में जनपद के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र और मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों को प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।

उन्होंने जनपद में ग्राम चौपाल के आयोजन के बारे में समीक्षा के दौरान कहा कि इस संबंध में रोस्टर तैयार होना चाहिए तथा प्रत्येक माह प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया जाए ताकि ग्राम चौपाल के दौरान स्थानीय लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को चिन्हित करके उनका गुणवत्तापूर्ण समाधान हो सके साथ ही योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों का भी चयन किया जा सके।शांति एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उन्होंने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए प्रभावी कदम उठाने के लिए निर्देशित किया।उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराया जाए साथ ही शांति व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई भी होनी चाहिए।इस अवसर पर कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसौदिया, शहर विधायक आकाश सक्सेना, मिलक विधायक राजबाला सिंह, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, डॉ. हरि सिंह ढिल्लो, कुंवर महाराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्याली राम लोधी, उपाध्यक्ष, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सूर्य प्रकाश पाल, सदस्य राज्य महिला आयोग सुनीता सैनी, चेयरमैन डीसीबी रामपुर मोहन लाल सैनी, जिला प्रभारी राजा वर्मा, जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

खादी महोत्सव में बिक्री 15 लाख के पार पोस्टर प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

लखनऊ,24 नवंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय खादी महोत्सव-2025 में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। रविवार के अवकाश के कारण भारी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचे, परिणामस्वरूप महोत्सव में लगभग 15.24 लाख रुपए की बिक्री हो चुकी है।प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये उद्यमियों द्वारा खादी पर आधारित पारम्परिक कला, शिल्प एवं वस्त्रों का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें स्वराज आश्रम कानपुर द्वारा निर्मित कुर्ता-पायजामा, सदरी आदि वस्त्रों के साथ-साथ मिट्टी के बर्तन एवं खिलौने विशेष आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। उद्यमियों ने बिक्री में निरंतर बढ़ोतरी पर प्रसन्नता व्यक्त की है।महोत्सव के अंतर्गत आज पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जूनियर वर्ग 8 से 15 वर्ष में पीहू ने प्रथम, श्रद्धा ने द्वितीय तथा अक्षत कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर वर्ग 16 से 22 वर्ष में सुमन कुमारी को प्रथम, मो खालिद को द्वितीय तथा अनन्या को तृतीय स्थान मिला। विजेताओं को वीके श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रबन्धक खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। शाम की सांस्कृतिक संध्या में गायिका कुसुम वर्मा ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुख्यमंत्री आवास के पास सुसाइड करने पहुंचे एक परिवार के 11 लोग

एससी एसटी के मुकदमे लिखे जाने से थे परेशान

लखनऊ,24 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास से चंद कदम दूर पीड़ित जगदीश यादव ने परिवार सहित सुसाइड करने का प्रयास किया । सुसाइड करने पहुंचे लोगों में 5 बच्चे समेत 11 लोग थे। पुलिस के मुताबिक पीड़ित के खिलाफ एससी-एसटी का मुकदमा लिखा गया है, उसी के चलते सुसाइड करने का प्रयास किया था। उन्हें सकुशल बचा लिया गया है।

मामले में जांच की जा रही है। उन्नाव के असीवान थाना क्षेत्र के रहने वाले शख्स ने रविवार को गोल्फ चौराहे के पास सुसाइड करने का प्रयास किया है। पीड़ित बोतल में पेट्रोल लेकर आया था। वो एससी-एसटी का मुकदमा दर्ज होने से परेशान था।शख्स के खिलाफ अबतक दो एससी-एसटी के मुकदमे लिखे गए हैं। इसमें एक मार्च महीने में और दूसरा शनिवार को लिखा गया है। सूरज ने 25 मार्च महीने में एससी-एसटी का मुकदमा लिखवाया था। उसी के चलते यह लोग यहां आए थे। जगदीश यादव, अन्नू यादव 5 बच्चों के साथ आए थे। कुल 11 लोग आए थे।

गुरु का ताल गुरुद्वारा का होगा समेकित पर्यटन विकास, 2 करोड़ मंजूर

सिख विरासत को सम्मान देना सरकार की प्राथमिकता : जयवीर

लखनऊ,24 नवंबर (एजेंसियां)। धार्मिक स्वतंत्रता के अमर प्रतीक गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष पर उत्तर प्रदेश ने सिख विरासत को सम्मान देते हुए आगरा स्थित गुरु का ताल गुरुद्वारा के समेकित पर्यटन विकास को नई गति दी है। इतिहास साक्षी है कि गुरु तेग बहादुर ने अपने आगरा प्रवास के दौरान यहां विश्राम किया था। इसी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को संरक्षित करते हुए राज्य सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास मद से 2 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत किए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'सिख धर्म के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर अदम्य साहस, मानवता के प्रतीक रहे हैं। उनका बलिदान हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है। गुरु तज बहादुर की वीरता और मूल्यों के कारण उन्हें 'भारत का कवच' और 'हिन्द दी चादर' जैसे उपनाम प्राप्त हुए, जो आज भी समाज को सत्य, करुणा और न्याय के मार्ग पर अग्रसर करते हैं।'पर्यटन के लिहाज से आगरा उत्तर प्रदेश का प्रमुख केंद्र रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, एनसीआर, लखनऊ और बुंदेलखंड क्षेत्र के करीब होने का फायदा भी पर्यटकों को मिलता है। विभिन्न रास्तों से आगरा तक पहुंचना सुलभ है। वर्ष 2024 में आगरा आने वाले पर्यटकों की संख्या करीब 1.78 करोड़ रही थी, जो वर्ष 2025 के जनवरी से जून तक 77,09,078 रही। प्रतिवर्ष देश ही नहीं दुनियाभर से बड़ी संख्या में पर्यटकों का आगरा आगमन होता है, जिससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, बल्कि रोजगार के भी रास्ते खुले हैं।'उत्तर प्रदेश का आगरा जिला पर्यटन मानचित्र पर चमकता ध्रुव तारा है। समृद्ध प्राचीन विरासत, विविध आध्यात्मिक स्थलों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित पर्यटन आकर्षणों की बदौलत यह जनपद देश-विदेश के यात्रियों के लिए एक अद्वितीय गंतव्य बन गया है। ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी जैसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के साथ, प्रदेश का पर्यटन विभाग सर्वधर्म समभाव की भावना पर चलते हुए उत्तर प्रदेश की बहुआयामी आस्था-परंपराओं को सुरक्षा, सम्मान और नए विकास अवसरों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

हर मतदाता को चार दिसंबर तक बीएलओ को देना है गणना प्रपत्र

यूपी में 3 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का हो चुका है संग्रह एवं डिजिटाइजेशन : रिणवा

लखनऊ,24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में उत्तर प्रदेश के प्रत्येक मतदाता को स्वयं से संबंधित गणना प्रपत्र को सही से भरकर हस्ताक्षर करने के बाद 4 दिसंबर तक मतदेय स्थल के बीएलओ को उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश में हुए पिछले विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के बाद वर्ष 2003 में तैयार मतदाता सूची में अपना या अपने संबंधी का विवरण खोजने के लिए वेब पोर्टल https://voters.eci.gov.in पर जाएं, सर्च योर नेम इन लास्ट एसआईआर पर क्लिक करें, सर्च बाई इलेक्टर डिटेलस टैब पर जाएं। ऐसा कर अपने या अपने संबंधी की डिटेल्स आसानी से खोज सकते हैं। 2002-2004 की अवधि में मतदाता भारत के किसी अन्य राज्य में रहा हो तो उस राज्य में उस अवधि में संपन्न एसआईआर के बाद तैयार मतदाता सूची भी उपर्युक्त वेब पोर्टल पर उपलब्ध है एवं उसे वहाँ से देखा जा सकता है। गणना प्रपत्र को उपर्युक्त वेब पोर्टल पर ही ऑनलाइन भी भरने की सुविधा उपलब्ध है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता उपरोक्त पोर्टल पर जाकर अपना एपिक नंबर दर्ज कर अपने बीएलओ का नाम व फ़ोन नंबर पता कर सकते हैं। पोर्टल के माध्यम से बुक ए कॉल बि योर बीएलओ सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने पर आपके क्षेत्र के बीएलओ को यह

नोटिफिकेशन जाता है कि आप उससे बात करना चाहते हैं एवं आपका नाम व मोबाइल नंबर बीएलओ एप पर प्रदर्शित होता है।बीएलओ से अपेक्षा की गई है कि मतदाता द्वारा बात करने की इच्छा जताने पर 48 घंटे के भीतर मतदाता को बीएलओ द्वारा वापस कॉल की जाएगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए टेलीफ़ोन की हेल्पलाइन भी उपलब्ध है।जनपद के एसटीडी कोड के साथ 1950 डायल करने पर घंटी उस जनपद के जनपद सम्पर्क केंद्र पर जाती है । मतदाताओं द्वारा फोन करने पर ज़िला संपर्क केंद्र पर बैठे कर्मचारियों द्वारा मतदाताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया जाता है एवं उनकी शिकायत दर्ज की जाती है। जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं नगर आयुक्तों को नगरीय इलाकों में अधिक से अधिक हेल्प डेस्क संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। कॉन्टैक्ट सेंटर एवं हेल्प डेस्क पर एसआईआर प्रक्रिया से पूर्णतया भिज्ञ एवं प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती केनिर्देश दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया उत्तर प्रदेश में अभी तक 3 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का संग्रह एवं डिजिटाइजेशन का कार्य बीएलओ द्वारा किया जा चुका है। मतदाताओं से एसआईआर प्रक्रिया में पूर्ण उत्साह के साथ भाग लेने एवं अपने बीएलओ का सहयोग करने की अपील भी की। नगरीय क्षेत्रों में प्राय बीएलओ स्थानीय कर्मचारी नहीं होता है अतः नगरीय क्षेत्रों में बीए-लओ का काम ग्रामीण क्षेत्रों के मुक़ाबले कठिन होता है। ऐसी स्थिति में रेज़ीडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों को भी अपने क्षेत्र के बीएलओ के साथ सहयोग करना चाहिए और एसआईआर प्रक्रिया में पूर्ण सक्रियता के साथ भाग लेना चाहिए।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि उनको यह सुनिश्चित कराना है कि उनके जनपद के गावों के मजरों में और नगरीय क्षेत्रों में मोहल्लों, कॉलोनियों और बस्तियों में रहने वाले प्रत्येक मतदाता को गणना पत्र अवश्य उपलब्ध करा दिया जाए। विभिन्न स्रोतों से जिला निर्वाचन अधिकारी यह फीडबैक लें की उनके ज़िले का कोई भौगोलिक क्षेत्र बीएलओ के भ्रमण से छूट न गया हो। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारियों से अपने ज़िले में एसआईआर प्रक्रिया को कार्ययोजना बनाकर समय से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

एक करोड़ लखपति दीदी के लक्ष्य पर हो काम : केशव

लखनऊ,24 नवंबर (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि यूपी में एक करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य लेकर काम किया जाए। जो स्वयं सहायता समूह खाद्य प्रसंस्कृत सामग्री बना रहे हैं, उनकी जिलावर सूची बनाकर उन्हें खाद्य प्रसंस्करण विभाग से जोड़ा जाए और नियमानुसार सब्सिडी दिलाई जाए।डिप्टी सीएम केशव मौर्य अपने कैंप कार्यालय में ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा, आठ हजार स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रधानमंत्री सूक्ष्म साद्य उद्योग उन्नयन योजना से जोड़ा जाए।नए समूहों के गठन का काम युद्ध स्तर पर करवाया जाए और निष्क्रिय सम्मूहों को सक्रिय किया जाए। रिन समूहों को रियॉल्विंग फंड नहीं दिया गया है, उन्हें तत्काल दिलाया जाए।उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिला मिशन प्रबंधकों और ब्लॉक मिशन प्रबंधकों को कार्यशाला की जाए। लक्ष्य हासिल न करने वालों का मानदेय रोका जाए। बैठक में विभागीय प्रमुख सचिव सौरभबाबू, आयुक्त जीएस प्रियदशों और विभागीय अफसर मौजूद थे।

यूपी देश का पहला राज्य जहां 6 वर्षों से विद्युत दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं

गरीब किसान मजदूर व्यापारी और मध्यम वर्ग के लिए बड़ी राहत

जनता का हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : शर्मा

लखनऊ,24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिजली दरों में किसी भी प्रकार की बढ़ोतरी न किए जाने पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। यह निर्णय प्रदेश सरकार की जनकेन्द्रित नीतियों और उपभोक्ता हितों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार ऐसे निर्णय ले रही है, जो जनता की आर्थिक क्षमता को सुदृढ़ बनाते हैं। पिछले कई वर्षों में सरकार ने विद्युत क्षेत्र में बड़े सुधार किए हैं, जिसका सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा है।उत्तर प्रदेश ने एक उपलब्धि हासिल करते हुए लगातार छठे वर्ष भी बिजली दरों में कोई वृद्धि न करने की परंपरा कायम रखी है। यह उपलब्धि प्रदेश को देश का पहला ऐसा राज्य बनाती है, जिसने इतनी लंबी अवधि तक अपने उपभोक्ताओं को स्थिर और किफायती बिजली दरों का लाभ प्रदान किया है।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस निर्णय से प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं को सीधा लाभ होगा। उन्होंने बताया कि बिजली दरों को स्थिर रखने के पीछे सरकार का उद्देश्य जनता को अनावश्यक आर्थिक बोझ से बचाना है, ताकि आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त भार न पड़े।उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने घोषणा की है कि घरेलू, व्यावसायिक, औद्योगिक, कृषि एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं सहित सभी श्रेणियों कंज्यूमर कैटेगरी के लिए बिजली के टैरिफ लगातार छठवें वर्ष भी यथावत रखे गए हैं। इसका अर्थ है कि किसी भी वर्ग के बिजली उपभोक्ता पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। निर्णय से न केवल घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि व्यापारियों, उद्योगों और किसानों को भी लाभ होगा, जिससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और रोजगार को भी मजबूती मिलेगी। बिजली दरों में स्थिरता उद्योगों को अपनी लागत नियंत्रित करने में मदद

करती है, जिससे प्रदेश में निवेश का माहौल भी बेहतर होता है।वर्तमान समय में जब देश के कई राज्यों में बिजली दरें बढ़ाई जा रही हैं, ऐसे समय में उत्तर प्रदेश सरकार का यह निर्णय आम जनता के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। बिजली बिल में बढ़ोतरी न होने से गरीब परिवारों का घरेलू बजट सुरक्षित रहेगा, किसानों के लिए सिंचाई लागत नहीं बढ़ेगी और मजदूरों तथा रोजमर्रा कमाई करने वाले परिवारों को भी आर्थिक स्थिरता मिलेगी।छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए यह निर्णय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। बढ़ती जीवन-यापन लागत के बीच बिजली दरों को स्थिर रखना प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और जनता के प्रति समर्पण को दर्शाता है। दरों में स्थिरता बनाए रखने के साथ सरकार निरंतर विद्युत व्यवस्था को सुधारने के लिए दिनरात कार्य कर रही है। प्रदेश भर में विद्युत अवसंरचना इन्फ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने, पुराने तारों व ट्रांसफॉर्मरों को बदलने, भूमिगत केबलिंग जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। पूर्वांचल से लेकर पश्चिमी यूपी तक उपभोक्ताओं को निर्बाध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए प्रदेश सरकार ने कई नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति में निरंतर सुधार हो रहा है और शहरी क्षेत्रों में ओवरलोडिंग पर प्रभावी नियंत्रण किया जा रहा है। जनता के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय से स्पष्ट है कि सरकार उपभोक्ता सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

ग्रामीण विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध

सिधावली-बटेश्वर में राजकीय महाविद्यालय की नींव, आगरा के बाह विधानसभा क्षेत्र को मिली उच्च शिक्षा की बड़ी सौगात

1435.42 लाख रुपये की लागत से बनेगा बहुमंजिला शिक्षण परिसर : योगेंद्र

लखनऊ/आगरा,24 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के प्रसार एवं सुदृढ़ीकरण की दिशा में आगरा के बाह विधानसभा क्षेत्र को महत्वपूर्ण उपलब्धि प्रदान करते हुए सिधावली-बटेश्वर में राजकीय महाविद्यालय की स्थापना का शुभारंभ किया गया। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं विधायक रानी पक्षालिका सिंह ने वैदिक परंपरा के अनुरूप भूमि पूजन कर महाविद्यालय की नींव रखी। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा प्रणाली नए आयाम स्थापित कर रही है। राज्य में शिक्षा का स्तर सुधर रहा है। प्रत्येक युवा को नकलमुक्त, रोजगारपरक, सुलभ, गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। योगी सरकार ने उच्च शिक्षा को गाँव-गाँव तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मभूमि के निकट यह महाविद्यालय युवाओं के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा। ग्रामीण प्रतिभाओं को अब उत्कृष्ट शिक्षा उनके ही क्षेत्र में उपलब्ध होगी।इस बहुमंजिला राजकीय महाविद्यालय के निर्माण पर 1435.42 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। इसके स्थापित होने से बाह एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों विद्यार्थियों को अब उच्च शिक्षा हेतु दूर आगरा या अन्य जनपदों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

पार्टी

रॉकिंग हाउस पार्टी के लिए ऐसे करें तैयारी

पब या क्लब में जाने के बजाय हाउस पार्टी ज्यादा मजेदार होती है। इसमें बस आप होते हैं और आपका गैंग, आप जैसा दिल चाहे म्यूजिक सुन सकते हैं और चाहे जितनी तेज आवाज में। जहां हाउस पार्टी बेहद रिफ्रेशिंग होती है वहीं इसकी प्लानिंग ऐसी होनी चाहिए कि हर कोई बढ़िया टाइम स्पेंड करे। यहां हैं रॉकिंग हाउस पार्टी के लिए कुछ टिप्स...

अलग-अलग मूड के हिसाब से तय करें प्लेलिस्ट

पार्टी को सक्सेसफुल बनाने के लिए म्यूजिक सबसे इंपॉर्टेंट फैक्टर होता है। अगर लोगों को म्यूजिक पसंद आता है तो तुरंत उनका मूड बन जाताहै। इसलिए यह ध्यान रखें कि आपकी प्लेलिस्ट में पर्याप्त गाने हों वो भी अलग-अलग कैटेगरी के। इससे आपको पार्टी के मूड के हिसाब से प्लेलिस्ट चेंज करने में आसानी रहेगी। स्पीकर्स अच्छे रखें ताकि बढ़िया इफेक्ट मिल सके।

लिमिटेड लोगों को ही बुलाएं

आप जिनको बुलाना चाहते हैं उनकी गेस्ट लिस्ट बनाएं और यह लिस्ट अपने घर के स्पेस को ध्यान में रखते हुए बनाएं। किसी को ऐसी पार्टी पसंद नहीं आती जहां खड़े होने, बैठने या डांस करने की जगह न हो। इसलिए समझदार बनें और कुछ ही लोगों को पार्टी में बुलाएं। कई बार लोग अपने साथ किसी को ले आते हैं तो आप इस चीज के लिए भी तैयार रहें।

पहले से करें मेन्यू डिसाइड

जहां हममें से ज्यादातर लोग ऐसा करते हैं, यह जरूर ध्यान रखें कि कहीं आपके गेस्ट्स को किसी चीज से एलर्जी तो नहीं। कई लोग ग्लूटेन, मीट, डेयरी वगैरह नहीं खाते। जंक फूड की जगह हेल्थी फूड प्रिफर करें।

एक पार्टी कॉकटेल रखें

भले ही आप अपनी पार्टी के लिए कुकिंग न करें लेकिन घर पर एक फन कॉकटेल जरूर बनाएं। देखें कि सबसे पसंद किया जाने वाला ऐल्कॉहॉल कौन सा है, इसे कॉकटेल के बेस की तरह यूज करें। पार्टी के पहले एक-दो बार यह ड्रिंक ट्राई करके ले लें। अगर लोगों को यह पसंद आता है तो वे यह पार्टी जरूर याद रखेंगे।

कुछ फन गेम्स की तैयारी करें

यह सबसे जरूरी है कि हर कोई आपकी पार्टी को एंजॉय करे। अगर गेम्स के लिए कुछ प्रॉप्स की जरूरत पड़े तो पहले से ही प्लान कर लें। साथ ही गेम के विनर को छोटा गिफ्ट भी दें। इससे डल पार्टी में जान आ जाएगी। आप ट्रुथ ऐंड डेयर, हाउजी या ड्रिंकिंग गेम जैसे नेवर हैव आई एवर जैसे गेम्स रख सकती हैं।

घर पर कैसे करे हेयर स्पा

आजकल हर महिला अपने बालों को सुन्दर बनाना चाहती है। इसलिए बालों की सुंदरता को बनाये रखने के लिए कई तरीके अपनाती हैं। बालों को सुन्दर बनाने के लिए सिर्फ शैम्पू और कंडीशनर काफी नहीं है। बालों को सुन्दर बनाने के लिए उनके टेक्सचर और शाइनिंग के लिए हमें कुछ ज्यादा करना पड़ेगा। हेयर स्पा इसका सबसे अच्छा तरीका है, पर हेयर स्पा का खर्च हर किसी के लिए उपुक्त नहीं हैं। हम आपको बताएंगे के आप घर पर ही हेयर स्पा कैसे कर सकते हैं।

तेल की मालिश

तेल की मालिश करने से हमारे बालों की रुसी खत्म होती है। और बाल रूखे नहीं होते। तेल की मालिश करने से बालों को नमी मिलती है जो बालों को रुखा होने से रोकती है। पर तेल की मालिश के साथ ये भी जरूरी है के मालिश के लिए कौनसा तेल इस्तेमाल किया जाये। बादाम और नारियल का तेल बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। तेल की मालिश करते वक्त ये ध्यान रखे की तेल बालों में एक-एक जड़ में अच्छे से लगे और इसी तरह बालों की 15 से 20 मिनट तक मालिश करें।

हेयर स्पा करने के लाभ

1. हेयर स्पा करने से बालों की रुसी खत्म होती है।
2. हेयर स्पा करने से बालों का झ?ना कम होता है।
3. हेयर स्पा करने से बाल सुन्दर होते हैं और उनमे शाइनिंग आती है।
4. हेयर स्पा करने से बालों को पूरा सम्पूर्ण पोषण मिलता है।

बालों को भाप

बालों को भाप देने से बालों की सुंदरता बढ़ती है। बालों को भाप देने के लिए एक बड़े बर्तन में पानी को गर्म करें गर्म पानी में तौलिये को भिगो लें और गर्म पानी से भीगे तौलिये को अपने सिर पर रखें। बालों को भाप देने से बालों की जड़ों के छिद्र खुल जाते हैं और तेल एक-एक जड़ में अच्छे से जाता है। इसके अलावा अगर आपके पास भाप देने की मशीन है तो आप उसका भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बालों को करें शैम्पू

वैसे तो ये सब तरीको में से सबसे आसान तरीका है। पर इससे बालों में शाइनिंग आती है। अब आप अपने बालों को शैम्पू से धो लें। पर बालों के लिए माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करें।

कंडीशनर करें

बालों को शैम्पू करने के बाद बालों को हल्के-हल्के हाथों से पोंछ लें। और फिर बालों में कंडीशनर लगाएं। बालों में 3 से 4 मिनट कंडीशनर लगाने के बाद इसे धो लें।

हेयर मास्क

हेयर स्पा का आखरी स्टेप है हेयर मास्क। वैसे तो आप हेयर मास्क बहार से भी खरीद सकते हैं। पर अगर आप चाहें तो घर में बने हुए नेचुरल हेयर मास्क का भी उपयोग कर सकते है जैसे अंडे का हेयर मास्क या नारियल और गुलाब का हेयर मास्क ।

स्वास्थ्य

महिलाओं को हर उम्र में स्वस्थ रहना है तो लें आयरन और विटमिन

महिलाओं में जरूरत से ज्यादा होने वाले हार्मोनल बदलाव से उनके शरीर में अक्सर पोषक तत्त्वों की कमी हो जाती है जिन्हें दूर करना जरूरी होता है। ऐसा न होने पर महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा असर पड़ने लगता है। ऐसे में अगर महिलाएं हर उम्र में स्वस्थ रहना चाहती हैं तो उन्हें इन चीजों का सेवन करना चाहिए...

आयरन की कमी न हो

महिलाओं के शरीर में खून की कमी का प्रमुख कारण आयरन की कमी है। आयरन दिमाग और मांसपेशियों तक ऑक्सिजन पहुंचाता है। 19-50 साल की महिलाओं में इस तत्त्व का अभाव ज्यादा होता है। खासकर बढ़ती उम्र और प्रेग्नेंसी के दौरान इस तत्व की खपत मांसपेशियों, हड्डियों व अहम कोशिकाओं द्वारा बढ़ जाती है। ऐसे में इसकी कमी से थकान, सिरदर्द, त्वचा की रंगत में बदलाव, भूख बढ़ना या घटना, हाथ-पैरों में दर्द, सांस लेने में दिक्कत होने लगती है।

विटमिन डी की कमी

ज्यादातर महिलाओं को दूध पीना पसंद नहीं होता। साथ ही वे घर से बाहर निकलते समय हाथों में दस्ताने व मुंह पर स्कार्फ बांध लेती हैं ऐसे में उन्हें विटमिन-डी नहीं मिलता। कैल्शियम को अब्जॉर्ब करने में विटमिन-डी अहम है। इसकी कमी से इम्यूनिटी घटने लगती है।

विटमिन-बी2 की कमी

आयरन की कमी से राइबोफ्लेविन (विटमिन-बी2) तत्व की कमी होना सामान्य है। यह ऐसा ऐंटि-ऑक्सिडेंट है जो पाचनतंत्र व त्वचा को सेहतमंद रखता है। युवावस्था व इससे ज्यादा उम्र वाली महिलाओं को रोज 1 मिलीग्राम राइबोफ्लेविन की जरूरत पड़ती है। इसकी कमी से आंखों में जलन व आसपास खुजली होती है। चेहरे, होंठ, मुंह के आसपास त्वचा फटने लगती है।

ओमेगा-थ्री फैटी ऐसिड

सेहतमंद हृदय से लेकर दिमाग के सही काम और स्वस्थ आंखों के लिए ओमेगा-3 फैटी ऐसिड जरूरी होता है। इसकी कमी से जोड़ों में दर्द, कलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ना, तनाव, अस्थमा, कमजोर याद्दाश्त जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

तन मन को रखना तरोताजा तो बदल दीजिए अपना डाइट चार्ट

मस्तिष्क में मौजूद सेरोटोनिन, डोपामाइन जैसे तत्वों का हमारे मूड से गहरा संबंध होता है और जिस डाइट से इन्हें बनने में मदद मिलती है, उनका सेवन हमारे मूड को तरोताजा रखता है.

आजकल किसी के मूड के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता. कोई भी एक पल में गुस्सा तो कभी भावुक हो जाता है और अक्सर तनाव की स्थिति बनती है, अगर आपका मूड भी कुछ ऐसा ही है तो आपको अपने डाइट पर ध्यान देने की जरूरत हैं. कई शोधों में यह बात अब प्रमाणित हो चुकी है कि विटामिन्स बी, मिनिरल्स आदि से भरपूर कुछ ऐसी डाइट हैं, जिनके सेवन से आपका मूड बेहतर होता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं.

अखरोटः अखरोट में ओमेगा 3 फैटी एसिड और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसके सेवन से न सिर्फ तनाव दूर होता और आप अच्छा महसूस करते हैं, बल्कि नकारात्मकता दूर होती है और नींद भी अच्छी आती है.

शकरकंदः शकरकंद में कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में होता है जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे मूड अच्छा रहता है और नींद अच्छी आती है.

दहीः दही कैल्शियम का प्रमुख स्रोत है जिसके सेवन से मूड तरोताजा हो जाता है. खासतौर पर महिलाओं के लिए इसका सेवन और भी फायदेमंद है, क्योंकि यह मासिक धर्म के दौरान उनके व्यवहार में आने वाली झुंझलाहट को कम करता है. यह मासिक धर्म के दौरान उनके शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव और एस्ट्रोजेन- प्रोगेस्टेरोन के संतुलन को बनाए रखता है.

केलाः केला जितना खाने में सुपाच्य है, उतना ही मूड को तरोताजा करने के लिए जरूरी है. इसमें काबोर्हाइड्रेट्स के अलावा पोटैशियम, विटामिन बी 6 और मैग्नीशियम अच्छी मात्रा में होता है. रोज सुबह नाश्ते में केला खाने से दिन भर मूड अच्छा रहता है.

दुपट्टे को स्टाइल में कैरी कर बदलें लुक

भारतीय वेशभूषा में एक चीज आपको सबसे अलग दिखेगी, वह हैं दुपट्टा। दुपट्टा कभी माँ का आँचल बनता हैं तो कभी प्रेमिका के प्यार का प्रतीक। दुपट्टा को लहंगे और साड़ी के अलावा जींस के साथ भी वियर किया जाने लगा हैं। आपको बता दें कि आप दुपट्टे को अलग-अलग तरह से इस्तेमाल कर भी अपना लुक बदल सकती हैं। कई बार तो यह भी देखा गया कि पूरा ड्रेस चाहे वह सलवार कमीज हो लहंगा वह बिलकुल सिंपल एंड प्लेन हैं मगर दुपट्टा अच्छा खासा वर्क करा हुआ हैं। आप चाहे तो दुपट्टे को कंधे पर एक तरफ कैरी कर सकती हैं।

इस तरह से आप सिर्फ अपने ड्रेस को ही नहीं बल्कि अपने फीगर को भी फ्लॉन्ट कर सकती हैं। दुपट्टे को चाहे तो आप दोनों शोल्डर्स पर कैरी कर सकती हैं। इसे प्लीट्स बना कर या फ्री स्टाइल में पहना जा सकता हैं। दुपट्टे का आधा हिस्सा आगे रख कर पीछे वाला हिस्सा अपने कम्फर्ट के हिसाव से लहंगे के साथ पिन अप भी किया जा सकता हैं। यदि आपका ड्रेस बहुत हैवी हैं तो दुपट्टे को गले में कैरी करे। दुपट्टे को चाहे तो कलाइयों पर भी कैरी किया जा सकता हैं। डीप नेक चोली के साथ ऑफ शोल्डर स्टाइल में दुपट्टा पेयर करे। दुपट्टे को डीप यू शेप देते हुए शोल्डर्स पर पिन अप करते हुए पीछे से फ्री छोड दें। इस स्टाइल को शिफॉन के साथ कैरी ना करे। इस स्टाइल में दुपट्टे को तभी कैरी करे जब उनका वर्क हैवी या कुछ डिफरेंट हो।

रेसिपी

चीज़वाले बैंगन

सामग्री

200 मिली ऑलिव ऑयल, 2 बड़े बैंगन गोल स्लाइसेज में कटे, स्वादानुसार नमक, 200 ग्राम आटा, 400 मिली टोमैटो सॉस, 300 ग्राम मोजारेला चीज, 8 स्पून पारमेजन चीज, 8 स्पून ब्रेडाक्रम्स, बारीक़, 2 स्पून पार्स्ले बारीक कटा, **टोमैटो सॉस के लिए:** 1 किलो टमाटर, 1 स्पून नमक, ड़ कप तुलसी पत्ते, बारीक़ कटे, 1 स्पून काली मिर्च, ताजी पिसी हुई, 2 स्पून ऑलिव ऑयल, 2 स्पून लहसुन

विधि

टोमैटो सॉस बनाने के लिए: टमाटरों को थोड़ी देर उबलते पानी में डाल दें (ब्लांच करें)। अब इनके छिलके उतारकर छोटे टुकड़ों में काट लें और मिक्सर में ब्लेंड कर चिकना मिश्रण तैयार कर लें। धीमी आंच पर इसे तब तक पकाएं, जब तक कि यह गाढ़ा न हो जाए। नमक, तुलसी के पत्ते और काली मिर्च डाल दें। दूसरे पैन में ऑलिव ऑयल गर्म करें और इसमें लहसुन को सुनहरा होने तक भून लें। इसे टोमैटो सॉस के ऊपर डालें और फिर अच्छी तरह मिलाएं। **बैंगन पकाने के लिए** : एक पैन में ऑलिव ऑयल गर्म करें। बैंगन के टुकड़ों में नमक और आटा बुरक कर इसे पैन में सुनहरा होने तक भून लें। फिर पलट कर दूसरी तरफ़ भी भूनें। अतिरिक्त ऑलिव ऑयल निथार लें। पहले से तेल लगाकर रखे हुए गहरे बेकिंग पैन में टोमैटो सॉस, मोजारेला चीज व पारमेजन चीज की पर्त बिछाकर बैंगन की एक स्लाइस रखें। फिर सॉस व चीज की पर्त लगाकर दूसरी स्लाइस रखें और यही प्रक्रिया दोहराते जाएं। पार्स्ले व ब्रेडक्रम्स को मिलाकर बैंगन के सबसे ऊपरी हिस्से की पर्त बनाएं. गर्म ग्रिल में इसे तब तक बेक करें, जब तक कि इसकी ऊपरी पर्त सुनहरी न दिखने लगे और चीज़ के बुलबुले न बनने लगें। चीज़वाले बैंगन तैयार हैं।

देसी फ्राइड राइस

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 1 1/2 टेबलस्पून लहसुन का पेस्ट, 2 अंडे, 50ग्राम गाजर, कटा हुआ, 50 ग्राम पत्ता गोभी, कटी हुई, 50ग्राम फ्रेंच बीन्स, कटी हुई, 500 ग्राम पका हुआ चावल, 1 1/2 टेबलस्पून नमक, 30 मिली वेजेटेबल स्टॉक, 3 से 4 बर्ड चिली?, 1 टेबलस्पून काली मिर्च पाउडर, स्प्रिंग अनियन, सजाने के लिए

विधि

पैन में तेल गर्म करें. लहसुन पेस्ट, अंडे, गाजर और पत्ता गोभी को भूनें। इसमें फ्रेंच बीन्स डालें। अंडे के पकने और सब्जियों के नर्म होने तक चलाते रहें। चावल डालें और अच्छी तरह मिलाएं। नमक, वेजेटेबल स्टॉक, चिलीज और काली मिर्च डालें। स्प्रिंग अनियन से सजाएं।

संपादकीय

'इंडिया' अस्तित्व में या नहीं?

बिहार में करारी पराजय के बाद विपक्ष एक बार फिर विभाजित होता लग रहा है। 'इंडिया' ब्लॉक अथवा महागठबंधन कभी अस्तित्व में थे अथवा नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि उनके घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते रहे हैं। बिहार इसका ताजातरीन उदाहरण है। अब दो विरोधाभासी बयान सामने आए हैं। एक तो 'इंडिया' गठबंधन को लेकर है कि अब उसकी कोई जरूरत नहीं है, लिहाजा कांग्रेस ने राजद और सपा से अलग होने की घोषणा की है। जिन सूत्रों से यह खबर सार्वजनिक हुई, उनका दावा है कि यह खुद गांधी परिवार का निर्णय है। लेकिन कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस निर्णय का खंडन किया है। अलबत्ता यह घोषणा जरूर की गई है कि पश्चिम बंगाल, असम के चुनाव में कांग्रेस 'एकला' ही लड़ेगी। केरल में न तो 'इंडिया' था और न ही गठबंधन संभव है, क्योंकि वहां कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है और 10 साल से सत्ता के बाहर है। वाममोर्चा सरकार में है। तमिलनाडु में भी चुनाव 2026 के अप्रैल-मई में होने हैं। अभी तक द्रमुक सरकार के सहारे कांग्रेस सत्ता में भागीदार है। नए समीकरणों की फिलहाल कोई घोषणा नहीं है। कांग्रेस बीते 58 साल से तमिलनाडु में अपना मुख्यमंत्री निर्वाचित नहीं करा पाई है। बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस आधी-अधूरी ही 'इंडिया' गठबंधन में है। वह इस गठबंधन के घटक होने का दावा तो करती रही है, लेकिन कांग्रेस सरीखे प्रमुख घटक दल के साथ गठबंधन नहीं करती। दोनों संसदीय और विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ते हैं। इस बार भी गठबंधन के कोई आसार नहीं हैं, क्योंकि अब कांग्रेस 'एकला' ही अपनी राजनीतिक लड़ाई लडऩे के मूड में है या उसकी राजनीतिक बाध्यता है। सवाल है कि जब ऐसी स्थिति है, तो बिहार की पराजय के बाद ममता बनर्जी के चंपुओं ने यह शोर मचाना क्यों शुरू किया कि ममता को 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व सौंपना चाहिए। एक और आवाज उप्र से गूंजने लगी है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को 'इंडिया' ब्लॉक का प्रमुख चुनना चाहिए। उप्र में 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। लोकसभा में भाजपा के 240 और कांग्रेस के 99 सांसदों के बाद सपा 37 सांसदों वाली तीसरी बड़ी पार्टी है। उप्र में 1989 और बंगाल में 1977 के बाद कांग्रेस सत्ता में नहीं है, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन का आकलन किया जाए, तो कांग्रेस के बिना विपक्षी गठबंधन के अस्तित्व की कल्पना ही नहीं की जा सकती। कांग्रेस बनाम सपा, तृणमूल, द्रमुक के दरमियान, निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के आधार पर, फासले बेहद व्यापक हैं। यदि 'इंडिया' के अस्तित्व को बरकरार रखना है, तो कांग्रेस के नेतृत्व को नकारना असंभव है। फिर वह नेतृत्व मल्लिकार्जुन खडग़े का हो अथवा राहुल गांधी का हो! दरअसल कांग्रेस ही 'इंडिया' गठबंधन की बुनियाद है। उसकी अपनी तीन राज्य सरकारें हैं और 650 से अधिक विधायक हैं। लोकसभा में कांग्रेस के 99 सांसदों के योगदान से ही विपक्षी गठबंधन के सांसदों की संख्या 234 तक पहुंच पाई है, नतीजतन राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं। भारत में विपक्षी गठबंधन का कोई भी प्रयोग सफल नहीं रहा है। वह टूटने के लिए बनता रहा है। चूंकि गठबंधन बना है, लिहाजा टूटना उसकी नियति है। गठबंधन का सफलतम प्रयोग जनता पार्टी का रहा। समूचे विपक्षी दलों के आपसी विलय के बाद 'जनता पार्टी' का स्वरूप सामने आया था, लेकिन वह भी पौने तीन साल के बाद टूट गया। गठबंधन के कारण वीपी सिंह, देवेगौड़ा, इंदर कुमार गुजराल आदि 'अल्पकालिक प्रधानमंत्री' जरूर बने, लेकिन उनकी सरकारें एक साल भी नहीं चल सकीं। देवेगौड़ा और गुजराल सरकारों को तो कांग्रेस बाहर से समर्थन दे रही थी। केंद्र के स्तर पर यूपीए गठबंधन इसलिए लगातार 10 साल सत्ता में रहा, क्योंकि कांग्रेस ही गठबंधन की बुनियाद थी। वामपंथी दलों और अन्य पार्टियों ने उसके साथ गठबंधन किया था। यही प्रयोग अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में किया गया, जब अन्य दलों ने भाजपा के साथ गठबंधन बनाया और उसे एनडीए नाम दिया गया। वह गठबंधन आज भी कई राज्यों और केंद्र सरकार में है। बहरहाल आज 'इंडिया' ब्लॉक या कोई और गठबंधन जिंदा रखना है, तो कांग्रेस को खुले मन से और हर चुनाव के स्तर पर स्वीकार करना होगा। कांग्रेस के बिना विपक्ष का मोर्चा बनाना संभव भी नहीं है। आखिर कांग्रेस सबसे पुरानी पार्टी के साथ-साथ राष्ट्रीय पार्टी भी है। चुनाव में भले ही उसे हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन अब भी वह राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर पहचान बनाए हुए है।

> 'इंडिया' ब्लॉक अथवा महागठबंधन कभी अस्तित्व में थे अथवा नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि उनके घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते रहे हैं। बिहार इसका ताजातरीन उदाहरण है। अब दो विरोधाभासी बयान सामने आए हैं। एक तो 'इंडिया' गठबंधन को लेकर है कि अब उसकी कोई जरूरत नहीं है, लिहाजा कांग्रेस ने राजद और सपा से अलग होने की घोषणा की है। जिन सूत्रों से यह खबर सार्वजनिक हुई, उनका दावा है कि यह खुद गांधी परिवार का निर्णय है। लेकिन कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस निर्णय का खंडन किया है। अलबत्ता यह घोषणा जरूर की गई है कि पश्चिम बंगाल, असम के चुनाव में कांग्रेस 'एकला' ही लड़ेगी। केरल में न तो 'इंडिया' था और न ही गठबंधन संभव है, क्योंकि वहां कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है और 10 साल से सत्ता के बाहर है। वाममोर्चा सरकार में है। तमिलनाडु में भी चुनाव 2026 के अप्रैल-मई में होने हैं। अभी तक द्रमुक सरकार के सहारे कांग्रेस सत्ता में भागीदार है। नए समीकरणों की फिलहाल कोई घोषणा नहीं है। कांग्रेस बीते 58 साल से तमिलनाडु में अपना मुख्यमंत्री निर्वाचित नहीं करा पाई है। बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस आधी-अधूरी ही 'इंडिया' गठबंधन में है। वह इस गठबंधन के घटक होने का दावा तो करती रही है, लेकिन कांग्रेस सरीखे प्रमुख घटक दल के साथ गठबंधन नहीं करती। दोनों संसदीय और विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ते हैं। इस बार भी गठबंधन के कोई आसार नहीं हैं, क्योंकि अब कांग्रेस 'एकला' ही अपनी राजनीतिक लड़ाई लडऩे के मूड में है या उसकी राजनीतिक बाध्यता है।

बिहार चुनाव में भीषण पराजय के बाद कांग्रेस की यही हालत हो गई

कांग्रेस की बिहार हार की खीझ चुनाव आयोग पर

योगेंद्र योगी

> चुनावी जीत के लिए भ्रष्टाचार और जंगलराज से समझौता करने वाली कांग्रेस हार की खीझ चुनाव आयोग पर निकाल रही है। यह पहला मौका नहीं है कि जब कांग्रेस ने अपनी गिरेंबां में झांकने के बजाए चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर अपनी हार का ठीकरा फोड़ने का प्रयास किया है। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कांग्रेस की इस हरकत के लिए देश के प्रबुद्ध जनों ने फटकारा है। देश के 272 प्रतिष्ठित नागरिकों ने एक पत्र लिखकर राहुल गांधी की आलोचना की है। यह पत्र लिखने वालों में 16 जज, 123 रिटायर नौकरशाह (जिनमें 14 राजदूत शामिल हैं) और 133 रिटायर सशस्त्र बल अधिकारी शामिल हैं। सभी ने एक खुला पत्र लिखकर विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी द्वारा भारत के चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने के प्रयासों की निंदा की है।

खिसयानी बिल्ली खंभा नौचे। बिहार चुनाव में भीषण पराजय के बाद कांग्रेस की यही हालत हो गई है। चुनावी जीत के लिए भ्रष्टाचार और जंगलराज से समझौता करने वाली कांग्रेस हार की खीझ चुनाव आयोग पर निकाल रही है। यह पहला मौका नहीं है कि जब कांग्रेस ने अपनी गिरेंबां में झांकने के बजाए चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर अपनी हार का ठीकरा फोड़ने का प्रयास किया है। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कांग्रेस की इस हरकत के लिए देश के प्रबुद्ध जनों ने फटकारा है। देश के 272 प्रतिष्ठित नागरिकों ने एक पत्र लिखकर राहुल गांधी की आलोचना की है। यह पत्र लिखने वालों में 16 जज, 123 रिटायर नौकरशाह (जिनमें 14 राजदूत शामिल हैं) और 133 रिटायर सशस्त्र बल अधिकारी शामिल हैं। सभी ने एक खुला पत्र लिखकर विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी द्वारा भारत के चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने के प्रयासों की निंदा की है। इस पत्र में लिखा है कि हम, नागरिक समाज के वरिष्ठ नागरिक इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं कि भारत के लोकतंत्र पर बल प्रयोग से नहीं, बल्कि इसकी आधारभूत संस्थाओं के विरुद्ध जहरीली बयानबाजी की बढ़ती लहर से हमला हो रहा है। कुछ राजनीतिक नेता, वास्तविक नीतिगत विकल्प प्रस्तुत करने के बजाय, अपनी नाटकीय राजनीतिक रणनीति के तहत भड़काऊ लेकिन निराधार आरोपों का सहारा ले रहे हैं। पत्र में आगे कहा गया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने बार-बार चुनाव आयोग पर हमला करते हुए कहा है कि उनके पास इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है और उन्होंने दावा किया कि उनके पास 100 प्रतिशत सबूत हैं। अविश्वसनीय रूप से असभ्य बयानबाजी करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें जो मिला है वह एक परमाणु बम है और जब यह फटेगा, तो चुनाव आयोग के पास छिपने की कोई जगह नहीं होगी। राहुल गांधी ने यह भी धमकी दी है कि चुनाव आयोग में ऊपर से नीचे तक जो भी इस काम में शामिल है, वह उन्हें नहीं बख्शेंगे। उनके अनुसार, चुनाव आयोग देशद्रोह कर रहा है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने (राहुल गांधी) सार्वजनिक रूप से धमकी दी है कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त/चुनाव आयुक्त रिटायर हुए, तो वह उन्हें परेशान करेंगे। फिर भी, इतने तीखे आरोपों के बावजूद उन्होंने निराधार आरोप लगाने और लोक सेवकों को उनके कर्तव्य पालन के दौरान धमकाने की अपनी जवाबदेही से बचने के लिए निर्धारित शपथ पत्र के साथ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की है। कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों के कई वरिष्ठ नेता और वामपंथी एसआईआर के खिलाफ इसी तरह की तीखी बयानबाजी में शामिल हो गए हैं, यहां तक कि यह भी घोषित कर दिया है कि आयोग 'भाजपा की बी-टीम' की तरह काम करके पूरी तरह से बेशर्मी पर उतर आया है। गौरतलब है कि

चुनाव आयोग ने विभिन्न राजनीतिक दलों को आमंत्रित करके उनके साथ बैठक करने की कई बार कवायद की है ताकि उनकी समस्याओं और संदेहों का निदान कर सके। आयोग ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को भी आमंत्रित किया लेकिन वे आयोग के दफ्तर नहीं गए। चुनाव आयोग ने जनता दल (सेक्युलर) के प्रतिनिधियों से मिलकर उनकी बातें सुनीं और सुझाव लिए। आयोग ने अब तक पांच राष्ट्रीय पार्टियों और 16 राज्य पार्टियों के साथ बैठकें की हैं। कांग्रेस एक मात्र राष्ट्रीय पार्टी है जिसने अभी तक चुनाव आयोग के साथ बैठक नहीं की है। राहुल गांधी ने पहले कर्नाटक में वोटरों के पंजीकरण में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था और बिहार में 'वोट चोरी' का दावा करते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाली। आयोग ने पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कई सुधार किए हैं, जैसे ईवीएम माइक्रो-कंट्रोलर की जांच और डब्ल्यूपीएटी पर्ची की गिनती अनिवार्य करना। आयोग ने 334 निष्क्रिय पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को हटा दिया है और 476 अन्य के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। आयोग ने टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए 3 लाख डुप्लिकेट वोटर कार्ड नंबर भी रद्द किए हैं। आयोग ने अब तक पांच राष्ट्रीय पार्टियों और 16 राज्य पार्टियों के साथ मीटिंग की है। इन मीटिंग में आयोग सबसे सुझाव लेता है कि चुनाव को और कैसे अच्छा बनाया जा सकता है। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अभी तक आयोग के साथ कोई मीटिंग नहीं की है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस को 15 मई को मीटिंग के लिए बुलाया था, लेकिन कांग्रेस ने उस दिन मीटिंग करने से मना कर दिया। कांग्रेस ने अभी तक आयोग को कोई नई तारीख नहीं बताई है कि वे कब मीटिंग कर सकते हैं। राहुल गांधी ने एक अखबार में लिख गए लेख में कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वोटर लिस्ट में गलत नाम जोड़े गए और सवाल उठाया था कि शाम 5 बजे के बाद वोटिंग अचानक बढ़ गई। इसके बाद चुनाव आयोग ने 12 जून को राहुल गांधी को चिट्ठी लिखकर कहा कि वे आएं और अपनी चिंताओं के बारे में सीधे बात करें। लेकिन राहुल गांधी ने आयोग की चिट्ठी का कोई जवाब नहीं दिया। मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। विपक्षी दलों के नेताओं और कुछ गैर सरकारी संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कुछ निर्देशों के साथ इस पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग (ईसीआई) से आग्रह किया कि वह आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बिहार में किए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए आधार, राशन कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी कार्ड) को स्वीकार्य दस्तावेजों के रूप में अनुमति देने पर विचार करे। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। पीठ ने एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने संबंधी कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया, लेकिन चुनाव आयोग से कहा कि यदि वह मतदाताओं द्वारा अपनी पहचान साबित करने के लिए दिए जाने वाले दस्तावेजों की सूची में आधार, राशन कार्ड और ईपीआईसी को शामिल नहीं करने का निर्णय लेता है, तो वह इस पर स्पष्टीकरण दे। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, ₹दस्तावेजों का अध्ययन करने के बाद, चुनाव आयोग ने बताया है कि मतदाताओं के सत्यापन के लिए दस्तावेजों की सूची में 11 दस्तावेज शामिल हैं और यह संपूर्ण नहीं है। इसलिए, हमारी राय में, यह न्याय के हित में होगा यदि आधार कार्ड, ईपीआईसी कार्ड और राशन कार्ड को भी इसमें शामिल किया जाए। यह चुनाव आयोग पर निर्भर है कि वह दस्तावेज लेना चाहता है या नहीं। यदि वह दस्तावेज नहीं लेता है, तो उसे इसके लिए कारण बताना होगा और इससे याचिकाकर्ताओं को संतुष्ट होना होगा। विपक्षी दलों का सबसे बड़ा आरोप यह है कि एसआईआर को जानबूझकर टारगेट वर्गों (मुस्लिम, दलित, आदिवासी) के नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए एक "साजिश" के रूप में डिज़ाइन किया गया है। विपक्ष इसे "वोट चोरी" बता रहा है। एसआईआर के विरोध की असली वजह बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान हैं। ये कांग्रेस और विपक्षी दलों के वोट बैंक हैं, हालांकि बिहार में मुस्लिम मतदाताओं ने कांग्रेस के बजाए असुदृदीन औवसी की पार्टी पर ज्यादा भरोसा किया। कांग्रेस और विपक्षी दलों को न चुनाव आयोग पर भरोसा है और न ही सुप्रीम कोर्ट पर, यदि ऐसा होता तो आयोग की कार्रवाई में हिस्सा लेने से पीछे नहीं हटते। यह निश्चित है कि हार का दोष चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर मढ़ने से कांग्रेस भ्रष्टाचार, राजनीति का अपराधीकरण, जातिवाद और मुस्लिम तुष्टिकरण जैसे चुनावी हार के कारणों से मुंह नहीं मोड़ सकती। कांग्रेस के लिए अब देश के मतदाताओं को इन मुद्दों पर बरगलाना आसान नहीं है। कांग्रेस के लिए बेहतर है कि पुरानी गलतियों से सबक सीखे और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचे, तभी कांग्रेस मतदाताओं में खोया हुआ विश्ववास फिर से हासिल कर पाएगी।

देश | दुनिया से

प्रदेश सरकार व चुनाव आयोग आमने-सामने

देवभूमि हिमाचल में पिछले कुछ दिनों से चुनाव आयोग और प्रदेश सरकार के बीच जारी खींचतान अब किसी से छुपी हुई हलचल नहीं, बल्कि खुली आंखों से दिखने वाली टकराहट बन चुकी है। जहां एक ओर चुनाव आयोग संविधान सम्मत समय सीमा के भीतर पंचायत चुनाव करवाने के अपने रुख पर अडिग है, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार हरसंभव दलील पेश कर चुनावों को कुछ समय के लिए टालने की कोशिश में है। सरकार का तर्क है कि इस वर्ष आई भीषण प्राकृतिक आपदा ने प्रदेश को अंदर तक झकझोर दिया है। कई क्षेत्रों में सडक़ें अभी तक बहाल नहीं हो पाई हैं, वहीं अनेक पंचायतों की भौगोलिक संरचना तक बदल चुकी है। इसी आधार पर हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में पंचायतों के पुनर्गठन और पुनर्सीमांकन हेतु सहमति जताई गई, लेकिन चुनाव आयोग ने सरकार की इन दलीलों को दरकिनार कर आदर्श आचार संहिता की धारा 2.1 का हवाला देते हुए पंचायत क्षेत्र की सीमाओं में किसी भी तरह के बदलाव या छेड़छाड़ पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। यही वजह है कि सरकार आयोग के रुख से नाखुश दिखाई दे रही है और कानूनी सलाह लेने की प्रक्रिया में जुट गई है। स्थिति इसलिए भी रोचक हो गई है क्योंकि एक ओर राज्य सरकार के पास डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के तहत अस्थायी रूप से कई कार्य करने की विशेष शक्तियां हैं, जबकि दूसरी ओर चुनाव आयोग पर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 120 के अनुसार पंचायतों का चुनाव उनके कार्यकाल समाप्त होने से तीन महीने पहले करवाने का संवैधानिक दबाव है। इस तरह प्रशासनिक दलीलों और संवैधानिक प्रावधानों के बीच फंसा यह मामला अब केवल चुनाव की तारीख का नहीं, बल्कि दो संवैधानिक संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र और दृष्टिकोण की टकराहट का प्रतीक बन चुका है। लेकिन इस रस्साकशी के बीच प्रशासनिक अधिकारी तो मानो 'दो पाटों के बीच पिस' रहे हैं- ऊपर से आयोग का दबाव और नीचे से सरकार का। चुनाव आयोग ने बीते दिनों एक बैठक बुलाई जिसमें वित्त सचिव, राजस्व सचिव, गृह सचिव, शहरी विकास सचिव और पंचायती राज सचिव आदि को हाजिर होना था। किंतु प्रदेश के इतिहास में पहली बार चुनाव आयोग की मीटिंग में एक भी अधिकारी ने अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करवाई। आयोग ने बेल्ट पेपर प्रिंट करवा दिए हैं और डीसी अथवा जिला निर्वाचन अधिकारियों को चुनाव सामग्री उठाने के निर्देश दिए हैं। किंतु 12 जिलों के निर्वाचन अधिकारियों में से एक भी अभी तक आदेशों की पालना करते नजर नहीं आ रहे हैं। और तो और निर्वाचन आयोग और प्रांत सरकार के बीच पनपे तनाव के कारण मतदाता सूचियों की प्रिंटिंग का कार्य भी बीच में ही रुक गया है। रोस्टर जारी होने से पहले इन्हें पंचायतों में भेजा जाता है। हालांकि मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग द्वारा प्रिंटिंग के टेंडर किए जा चुके हैं, किंतु उपायुक्त मतदाता सूची का डेटा देने में क्या करें और क्या न करें, की स्थिति में हैं। इसी असमंजस के बीच कुछ उपायुक्तों ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया है। यूं तो सरकार के तर्क भी औपचारिक तौर पर ठीक प्रतीत होते हैं किंतु साथ ही एक और प्रश्न मन में उठता है कि प्रदेश की स्थिति यदि इतनी ही गंभीर है कि आपदा के घाव अभी तक नहीं भरे हैं, बहुत से लोग अभी भी छत विहीन हैं तथा पुनर्वास कार्य अभी तक संपन्न नहीं हुआ है। बहुतेरे मार्ग क्षतिग्रस्त हैं और चुनावों की तिथियां घोषित नहीं की जा सकतीं। तो सरकार अपने तीन साल पूरे होने का जश्न मनाने हेतु योजना कैसे आरंभ कर सकती है? यह कैसा जश्न होगा भला जब प्रजा पर दुःखों के पहाड़ आ गिरे हैं और सरकार खुशियां मनाने का ऐलान कर रही है। मैं यह प्रश्न पाठकों पर छोड़ रहा हूं कि जब प्रदेश अभी भी आपदा से उबरने की कोशिश में है, तब जश्न मनाने का निर्णय क्या उचित है? क्या सरकार को जश्न भी प्रदेश की स्थिति बेहतर होने के पश्चात ही नहीं मनाना चाहिए। फिलहाल सरकार चुनाव आयोग को आदर्श आचार संहिता के क्लॉज को और निर्वाचन आयोग सरकार को आपदा प्रबंधन अधिनियम वापस लेने का आग्रह कर रहा है। इसी कशमकश के बीच सरकार ने पंचायती राज विभाग के सचिव राजेश शर्मा को हटाकर सी पालरासु को दायित्व सौंपा है। पालरासु ने कार्यभार संभालते ही राज्य निर्वाचन आयुक्त अनिल खाची से शिष्टाचार भेंट की है। ऐसी खबर है कि पालरासु ने उनको आश्वासन दिया है कि जल्द ही निर्वाचन अधिकारी चुनाव सामग्री उठाने शुरू कर देंगे, हालांकि इस बात की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। यह बात सच है कि सरकार के सहयोग के बिना चुनाव करवाना असंभव है। यदि पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव समय पर नहीं होते हैं तो शक्तियां पंचायत सचिव और बीडीओ अथवा अन्य अधिकारियों को दी जा सकती हैं। और विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा होना लोकतंत्र के लिए बहुत अच्छी बात नहीं है। दिसंबर के महीने में शीतकालीन स्कूलों में व मार्च में ग्रीष्मकालीन स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की परीक्षाएं शुरू हो जाती हैं। इसके अलावा दिसंबर-जनवरी में प्रदेश में भारी बर्फबारी के आसार रहते हैं। जैसा कि सर्वविदित है कि चुनाव में अधिकतर अध्यापकों या फिर अन्य सरकारी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की ही ड्यूटी लगती है। ऐसे में चुनावों का तय सीमा पर न होना विचारणीय मुद्दा है। मामला हिमाचल उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। अब सबकी निगाहें माननीय हाई कोर्ट पर टिकी हैं, जहां से प्रदेशहित में अंतिम और निर्णायक दिशा मिल सकती है। इस संबंध में कोई बेहतर फैसला होना चाहिए।

> सरकार का तर्क है कि इस वर्ष आई भीषण प्राकृतिक आपदा ने प्रदेश को अंदर तक झकझोर दिया है। कई क्षेत्रों में सडक़ें अभी तक बहाल नहीं हो पाई हैं, वहीं अनेक पंचायतों की भौगोलिक संरचना तक बदल चुकी है। इसी आधार पर हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में पंचायतों के पुनर्गठन और पुनर्सीमांकन हेतु सहमति जताई गई, लेकिन चुनाव आयोग ने सरकार की इन दलीलों को दरकिनार कर आदर्श आचार संहिता की धारा 2.1 का हवाला देते हुए पंचायत क्षेत्र की सीमाओं में किसी भी तरह के बदलाव या छेड़छाड़ पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। यही वजह है कि सरकार आयोग के रुख से नाखुश दिखाई दे रही है और कानूनी सलाह लेने की प्रक्रिया में जुट गई है। स्थिति इसलिए भी रोचक हो गई है क्योंकि एक ओर राज्य सरकार के पास डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के तहत अस्थायी रूप से कई कार्य करने की विशेष शक्तियां हैं, जबकि दूसरी ओर चुनाव आयोग पर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 120 के अनुसार पंचायतों का चुनाव उनके कार्यकाल समाप्त होने से तीन महीने पहले करवाने का संवैधानिक दबाव है।

कुछ | अलग

डंडे से डरता सीधा बांस

अचानक सीधे बांस ने कटने से मना कर दिया। वहां देश की आर्थिकी सज धज के खड़ी थी। दर्शकों में देश के उपभोक्ता खड़े थे। सभी को इंतजार था कि सदा की तरह कोई सीधा सा बांस कटेगा, टुकड़े-टुकड़े कटेगा। कोई आदेश देगा, कोई पारित करेगा। कोई आदेश का पालन और कोई लालन-पालन से बाजार खड़ा करेगा, लेकिन बांस अडियल हो गया। किसी ने कहा बांस वामपंथी है सीधा कटने के बजाय विरोध करना जानता है। किसी ने कहा जरूर इसने भारतीय इतिहास पढ़ा होगा, इसलिए जानता है कि हम सीधों को कैसे और कहां तक काटते रहे हैं। बांस के मूड पर अब देश का भविष्य है। आर्थिकी इसे काटना चाहती है और समाज बंटेंगे तो कटेंगे के नारे सुनाकर इसे कटने से मना कर रहा है। सरकार सोच रही है, 'सीधे बांसों को यह कौनसी हवा लग गई। अब अगर ये नहीं कटेंगे, तो टेढ़ी अंगुली करनी ही पड़ेगी।'

आप का | नजरिया

विवादों में चिंतपूर्णी महोत्सव

किसी भी धार्मिक नाम से होने वाले समारोह साधारण नहीं हो सकते और जहां सार्वजनिक उद्देश्य इनसे जुड़ जाएं, वहां शुचिता के संदर्भ सर्वोपरि हो जाते हैं। अंब में माता चिंतपूर्णी महोत्सव पर फूल बरसाने वाले भक्त अब इसके तौर तरीकों से आजिज हैं और इसी परिप्रेक्ष्य में शिकायतें हो रही हैं। आरोप है कि सभा-समारोह के मुख्य आकर्षण में पधारे एक पंजाबी गायक ने ही सारी भावना और उद्देश्य पर खलल डाल दिया। माता चिंतपूर्णी समारोह में जल रही आस्था की ज्योति तक पहुंचे कलाकार ने न केवल आचरण व मर्यादा लांघी, बल्कि धार्मिक आयोजन के खिलाफ शराब और हथियारों के पक्ष में गाने उछाल दिए। विवादों में आए माता चिंतपूर्णी महोत्सव ने न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत किया, बल्कि सारे आयोजन की पवित्रता को नापाक कर दिया। हम इसे किसी एक धर्म की बपौती न भी मानें, लेकिन ऐसे समारोहों की छवि को समाज, राष्ट्र और सांस्कृतिक पर्यटन के आईने से देखें जरूर। अगर माता चिंतपूर्णी समारोह की शुरुआत को आगे तक ले जाना है, तो इसके साथ हिमाचल की सांस्कृतिक-धार्मिक मर्यादा नत्थी होनी चाहिए। आखिर ऐसे समारोहों की प्रबंधन कमेटी में होते कौन हैं, जो कलाकारों के नाम पर सस्ती लोकप्रियता से दर्ज हुए गीत-संगीत को हामी भर देते हैं। होना तो यह चाहिए कि प्रमुख मंदिरों को हिमाचल के सांस्कृतिक केंद्रों की तरह भी विकसित किया जाए। अभी हाल ही में बगलामुखी प्रबंधन की ओर से परिसर में श£काच्चारण तथा मंगलवार को हनुमान चालीसा का सार्वजनिक पाठ शुरू करके, दक्षिण भारतीय मंदिरों की तर्ज पर गरिमामय वातावरण उत्पन्न किया है। चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, बालासुंदरी, दियोटसिद्ध, कांगड़ा व चामुंडा मंदिरों में धार्मिक पर्यटन की ज्वाला भी जल रही है। ऐसे में अंब में माता चिंतपूर्णी महोत्सव पर उठे विवाद ने आंखें खोल दी हैं। मंदिर परिसरों या मंदिर महोत्सवों के प्रारूप में पवित्रता के मानदंड विज्ञापित होने चाहिएं। हर मंदिर परिसर में आरती की शैली, मंत्रोच्चारण की विधि तथा हिमाचल की संस्कृति का प्रसार सबसे अहम है। ऐसे में प्रदेश के बड़े मंदिरों के परिसर में सांस्कृतिक-कला केंद्रों के रूप में आधुनिक ऑडिटोरियम तथा कला-गीत-संगीत एवं नृत्य स्कूलों की स्थापना करनी चाहिए। मंदिर परिसर के ऑडिटोरियम में अगर हर दिन हिमाचली संस्कृति से जुड़ा कार्यक्रम चले, तो प्रदेश के कलाकारों को नियमित रोजगार मिल सकता है। प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर के संगीत समारोहों की एक वार्षिक श्रृंखला हिमाचल के धार्मिक परिसरों में चल सकती है। दरअसल धार्मिक पर्यटन को जिस दृष्टि व नीतियों की जरूरत है, उसे हम स्थानीय प्रशासन के हवाले कर देते हैं। यह गलत व अस्थायी परंपरा है, जहां मंदिर की आय-व्यय को एक सुविधा या विशेषाधिकार के रूप में देखा जा रहा है। तीर्थाटन के लिए हिमाचल को एक मजबूत डेस्टिनेशन बनाने के लिए मंदिरों का विस्तार व पूजा शैली की विशिष्टता में नए प्रयास करने पड़ेंगे। मंदिर के नाम नर मनोरंजन का अर्थ यह नहीं कि इसे प्रशासनिक व्यवस्था में राजनीतिक आवभगत बना दिया जाए। यह अनुशासन अंब में आयोजित माता चिंतपूर्णी महोत्सव के लिए ही नहीं, बल्कि तमाम ऐसे समारोहों की बढ़ती फूहड़ता से बचाना होगा। देश के विभिन्न भागों में भारतीय संस्कृति व गीत-संगीत के कई राष्ट्रीय संस्थान हैं, जिनके कलाकारों को बुलाकर हम अपनी गायन परंपराओं का उत्थान व भारतीय दर्शन में हिमाचल का स्थान सुनिश्चित कर सकते हैं।

> विवादों में आए माता चिंतपूर्णी महोत्सव ने न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत किया, बल्कि सारे आयोजन की पवित्रता को नापाक कर दिया। हम इसे किसी एक धर्म की बपौती न भी मानें, लेकिन ऐसे समारोहों की छवि को समाज, राष्ट्र और सांस्कृतिक पर्यटन के आईने से देखें जरूर। अगर माता चिंतपूर्णी समारोह की शुरुआत को आगे तक ले जाना है, तो इसके साथ हिमाचल की सांस्कृतिक-धार्मिक मर्यादा नत्थी होनी चाहिए। आखिर ऐसे समारोहों की प्रबंधन कमेटी में होते कौन हैं, जो कलाकारों के नाम पर सस्ती लोकप्रियता से दर्ज हुए गीत-संगीत को हामी भर देते हैं। होना तो यह चाहिए कि प्रमुख मंदिरों को हिमाचल के सांस्कृतिक केंद्रों की तरह भी विकसित किया जाए। अभी हाल ही में बगलामुखी प्रबंधन की ओर से परिसर में श£काच्चारण तथा मंगलवार को हनुमान चालीसा का सार्वजनिक पाठ शुरू करके, दक्षिण भारतीय मंदिरों की तर्ज पर गरिमामय वातावरण उत्पन्न किया है। चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, बालासुंदरी, दियोटसिद्ध, कांगड़ा व चामुंडा मंदिरों में धार्मिक पर्यटन की ज्वाला भी जल रही है। ऐसे में अंब में माता चिंतपूर्णी महोत्सव पर उठे विवाद ने आंखें खोल दी हैं। मंदिर परिसरों या मंदिर महोत्सवों के प्रारूप में पवित्रता के मानदंड विज्ञापित होने चाहिएं। हर मंदिर परिसर में आरती की शैली, मंत्रोच्चारण की विधि तथा हिमाचल की संस्कृति का प्रसार सबसे अहम है। ऐसे में प्रदेश के बड़े मंदिरों के परिसर में सांस्कृतिक-कला केंद्रों के रूप में आधुनिक ऑडिटोरियम तथा कला-गीत-संगीत एवं नृत्य स्कूलों की स्थापना करनी चाहिए। मंदिर परिसर के ऑडिटोरियम में अगर हर दिन हिमाचली संस्कृति से जुड़ा कार्यक्रम चले, तो प्रदेश के कलाकारों को नियमित रोजगार मिल सकता है। प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर के संगीत समारोहों की एक वार्षिक श्रृंखला हिमाचल के धार्मिक परिसरों में चल सकती है।

दृष्टि | कोण

युवाओं में बढ़ता एकांत कितना खतरनाक?

वर्तमान दौर में तेज गति से आधुनिक होते देश में युवा वर्ग सबसे अधिक ऊर्जावान, रचनात्मक और सपनों से भरा माना जाता है परन्तु इसी युवा पीढ़ी के भीतर एक गहरा और बढ़ता हुआ संकट जन्म ले रहा है, वो है एकांत, अकेलापन और भावनात्मक टूटन। यह स्थिति केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि एक मौन मानसिक महामारी का रूप ले चुकी है। प्रश्न यह है कि विकास, तकनीकी उन्नति और आधुनिक जीवनशैली की चमक के बीच युवा आखिर क्यों अकेले होते जा रहे हैं? स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और वर्चुअल दुनिया ने युवाओं को दुनिया से जोड़ने का दावा किया, पर वास्तव में इसने उन्हें अपने ही भीतर बंद कर दिया है। दिन-रात ऑनलाइन रहने के बावजूद वे सच्चे संवाद, गहरे रिश्ते और विश्वासपूर्ण जुड़ाव से दूर होते जा रहे हैं। डिजिटल दुनिया ने बातचीत को शब्दों से इमोजी में बदल दिया, और दोस्ती को "फॉलोअर्स" में। करियर, नौकरी, पढ़ाई और भविष्य बनाने की दौड़ ने युवाओं पर भारी मानसिक दबाव डाल दिया है। हर युवा यह महसूस करने लगता है कि वह इस दौड़ में अकेला है और जीतना ही जीवन का एकमात्र उद्देश्य है। असफलता की स्थिति में खुद को अकेला और असहाय मान लेना ऐसा अकेलापन समाज के उन दबावों से निकलता है जो युवाओं को इंसान नहीं, परफॉर्मर बना देते हैं। परिवार पहले भावनात्मक सुरक्षा का मजबूत आधार था लेकिन आधुनिक जीवनशैली ने इस दीवार को कमजोर कर दिया है। व्यस्त माता-पिता, बढ़ते नौकरी के घंटे, ऑनलाइन मनोरंजन, और अलग-अलग कमरों में बंद जीवन ने युवाओं को परिवार से दूरी की ओर धकेल दिया है। जिस उम्र में उन्हें सबसे अधिक मार्गदर्शन की जरूरत होती है, उसी उम्र में संवाद सबसे कम हो गया है। सोशल मीडिया पर सफलता के चमकदार चेहरे दिखते हैं जिसमें नई नौकरी, विदेश यात्रा, लक्जरी जीवन, रिश्ते, स्टेटस आदि शामिल है। युवा लगातार यह भूल जाता है कि यह वास्तविकता नहीं, बल्कि एक अच्छी तरह सजाया हुआ प्रदर्शन है। युवाओं में यह भाव जागृत हो गया है कि जीवन में जो कुछ है वो

पर्याप्त नहीं है। मेरी जिंदगी दूसरों से पीछे है इसी भावना के कारण युवा एकांत में रहने का आदी हो गया है। प्रेम, भावनाएं और असफल रिश्ते युवाओं के रिश्ते अब पहले जैसे गहरे और स्थिर नहीं रह गए। ब्रेकअप, धोखा, कन्फ्यूजन और अवास्तविक अपेक्षाएं युवाओं को भावनात्मक रूप से कमजोर बना देती हैं। रिश्तों में असफलता के बाद वे खुद को कमरे में बंद कर लेते हैं और सोचते हैं कि कोई उन्हें समझ नहीं पाएगा। यही अहसास अकेलेपन को और गहरा कर देता है। विशेषकर महानगरों में रहने वाला युवा अपने आसपास हजारों लोगों को देखता है परन्तु वास्तव में वो किसी से जुड़ नहीं पाता है। उसे साथी के रूप में मिलता है अकेला कमरा, मोबाइल स्क्रीन, नौकरीया पढ़ाई का दबाव और अनकहा तनाव यह सब मिलकर युवाओं में एकांत में रहने को स्थायी बना देता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि तेज आर्थिक और तकनीकी विकास ने युवाओं को संसाधन तो दिए, लेकिन सकारात्मक रिश्ते, मानसिक सहारा और भावनात्मक सुरक्षा छीन ली। हमने तरक्की के रास्ते तो बनाए, पर दिलों तक जाने वाली पगडंडियों को खो दिया। विकास तब तक अधूरा है जब तक वह इंसान के मन को भी सशक्त न बना पाए। अगर हम इस समस्या के समाधान पर चर्चा करें तो जरूरी है कि परिवार में प्रतिदिन कुछ समय संवाद का रहना चाहिए जिसमें न फोन, न कोई व्यवधान केवल दिल की बात। इसी प्रकार युवाओं को 'रियल लाइफ कनेक्शन' बनाना भी जिसके अन्तर्गत दोस्त, समूह गतिविधियां व स्क्रीन से बाहर निकलकर जीने का तरीका भी सीखाना चाहिए।

यूक्रेन में युद्ध रोकने को जिनेवा में बातचीत सार्थक रही : मार्को रुबियो

जिनेवा, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को स्विट्जरलैंड के जिनेवा में अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच यूक्रेन में युद्ध रोकने के मकसद से हुई बातचीत को सार्थक और महत्वपूर्ण बताया। रुबियो ने पहले दौर की वार्ता के बाद कहा कि यह अब तक की सबसे अच्छी कोशिश है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 28 सूत्री शांति प्रस्ताव पर कुछ बदलाव किए गए हैं। यह यूक्रेन और रूस दोनों को मंजूर हों। व्हाइट हाउस ने रविवार को कहा कि यूक्रेन का मानना है कि शांति प्रस्ताव में किए गए बदलाव उनके राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करते हैं। यूक्रेन के व्लादिमीर जेलेंस्की ने भी उम्मीद जताई कि बातचीत अच्छे नतीजों की तरफ बढ़ी है। टेलीग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संबोधन में जेलेंस्की ने कहा कि बहुत कुछ बदल रहा है। हम युद्ध खत्म करने के लिए जरूरी कदमों पर ईमानदारी से काम कर रहे हैं। जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ़ एंड्री यरमक ने जिनेवा वार्ता को सफल बताते हुए ट्रंप की कोशिशों के लिए उनका आभार जताया है।

व्हाइट हाउस और जेलेंस्की के संयुक्त बयान में भी जिनेवा बातचीत को बहुत फायदेमंद बताया गया है। बयान में अमेरिका और ट्रंप का लगातार कोशिशों के लिए शुक्रिया भी जताया। इस बीच ट्रंप ने कीव को प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए गुरुवार तक का समय दिया है। रुबियो ने जिनेवा में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल और कई दूसरे अधिकारियों के साथ यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि उन्हें शक है कि ट्रंप की डेडलाइन तक कोई समझौता हो पाएगा। इस बीच एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए रूसी प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अलग मीटिंग जल्द होगी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यह प्रस्ताव शांति समझौते का आधार बन सकता है।

इजराइल में 9 टॉप अफसर सेना से बर्खास्त

तेल अवीव। इजराइल में 9 टॉप सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इजराइल डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जामिर ने कहा कि ये अधिकारी हमास के हमले को रोकने में नाकाम रहे थे। 7 अक्टूबर 2023 को हुए इस हमले में 1200 से ज्यादा इजराइली लोगों की मौत हुई थी। इजराइल में हमास हमले को लेकर हुई सुरक्षा चूक और उसकी निष्पक्ष जांच को लेकर रविवार को प्रदर्शन हुए। इसमें कम से कम 5 लाख लोग शामिल हुए। इसके बाद से सरकार पर इन अधिकारियों को बर्खास्त करने का दबाव बढ़ गया था। आईडीएफ चीफ जामिर ने रविवार को इन अफसरों को मीटिंग के लिए बुलाया और उनकी बर्खास्तगी का फैसला सुनाया। इस दौरान कई अफसरों को फटकार भी लगाई गई।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप का नया दांवः वेनेजुएला में हो सकता है तख्ता पलट, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए कृतसंकल्प दिख रहे हैं। उन्होंने हाल ही में एक व्यापक 28-सूत्री शांति योजना प्रस्तुत की है, जो यूक्रेन को पूर्वी क्षेत्रों जैसे डोनबास और क्रीमिया का कुछ हिस्सा छोड़ने, अपनी सेना का आकार सीमित करने और कभी भी नाटो में शामिल न होने का वादा करने के लिए बाध्य करती है। योजना में रूस-नाटो सुरक्षा संवाद, संयुक्त अमेरिका-रूस कार्य समूह और यूरोप के साथ गैर-आक्रामकता संधि जैसे प्रावधान शामिल हैं। इसका कार्यान्वयन एक शांति परिषद द्वारा निगरानी में होगा, जिसकी अध्यक्षता ट्रंप स्वयं करेंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे अंतिम समझौते की नींव बताया है, जबकि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने इसे कठिन क्षण करार देते हुए वैकल्पिक सुझाव देने का वादा किया है। ट्रंप का यह कदम वैश्विक कूटनीति में नया मोड़ ला सकता है, लेकिन आलोचकों का मानना है कि यह रूसी हितों को अधिक लाभ पहुंचाता है। हालांकि, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ट्रंप एक युद्ध समाप्त कर दूसरे को जन्म दे रहे हैं। वेनेजुएला को लेकर अमेरिकी प्रशासन की गतिविधियां अचानक तेज हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप प्रशासन आने वाले दिनों में वेनेजुएला से जुड़े ऑपरेशनों का नया चरण शुरू करने की तैयारी में है। व्हाइट हाउस ने अभी अंतिम फैसला सार्वजनिक नहीं किया है, लेकिन चार अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि प्रारंभिक कदम गुप्त अभियान हो सकते हैं, जिनका सीधा लक्ष्य राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार होगा।

सीआईए के पूर्व ऑपरेशंस चीफ का खुलासा, पाक वैज्ञानिक कादिर ने अन्य देशों को परमाणु तकनीक, सीक्रेट बेचे थे

वाशिंगटन। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व ऑपरेशंस चीफ जेम्स लॉलर ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर खुलासा किया है। उनके मुताबिक पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कादिर खान अन्य देशों को परमाणु तकनीक और सीक्रेट बेच रहे थे। इस बात की जानकारी मिलने पर तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने कादिर खान को गालियां तक दी थीं। बाद में मुशर्रफ ने लंबे समय तक कादिर खान को उनके ही घर में नजरबंद कर दिया था। बता दें जेम्स लॉलर को अंतराष्ट्रीय परमाणु तस्करी का खेल उजागर करने के लिए जाना जाता है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि सीआईए के डायरेक्टर जॉर्ज टेनेट ने निजी तौर पर परवेज मुशर्रफ को कादिर खान की हरकतों की जानकारी दी थी। साथ ही उन्होंने पुख्ता सबूत भी पेश किए थे। इसमें बताया गया था कि खान परमाणु तकनीक से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां लीबिया जैसे देशों को बेच रहे हैं। बता दें अब्दुल कादिर खान का नाम कई विवादों से जुड़ा रहा। इसमें परमाणु तकनीक के प्रसार और अवैध नेटवर्क के संचालन के आरोप शामिल हैं। लॉलर के मुताबिक टेनेट ने मुशर्रफ को बताया था कि कादिर खान पाकिस्तान को धोखा दे रहे हैं। यह सुनते ही मुशर्रफ भड़क गए। उन्होंने कादिर खान को गाली देते कहा कि मैं उसे मार डालूंगा।

खालिदा जिया की तबीयत खराब, देश से ठीक होने की दुआ करने की अपील की- निजी चिकित्सक प्रो. जाहिद

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की चेयरपर्सन और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया को रविवार रात राजधानी के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके दिल और फेफड़ों में संक्रमण हो गया है। वो अभी एवरकेयर में चिकित्सकों की कड़ी निगरानी में हैं। खालिदा के निजी चिकित्सक प्रोफेसर जाहिद हुसैन ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ने देश से उनके ठीक होने की दुआ करने की अपील की है। द डेली स्टार और ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, उनके इलाज की देखरेख कर रहे मेडिकल बोर्ड के सदस्य प्रोफेसर डॉ. एफएम सिद्दीकी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पिछले कुछ महीनों से बार-बार बीमार पड़ रही थीं। रविवार को एक साथ कई तरह की समस्या सामने आई। उन्होंने रात को एवरकेयर के सामने पत्रकारों से कहा, 'उन्हें सीने में संक्रमण हो गया है।' डॉ. सिद्दीकी ने कहा कि खालिदा को पहले से ही लंबे समय से दिल की समस्या थी। उन्होंने कहा कि बेगम खालिदा को स्थायी रूप से पेसमेकर लगा है।

इजराइल का बेरूत में हिज्बुल्लाह के गढ़ पर हमला

आतंकी समूह की सैन्य शाखा का प्रमुख हेथम समेत चार लोग ढेर

बेरूत (लेबनान), 24 नवंबर (एजेंसियां)।

इजराइल की सेना ने बुधवार को बेरूत के दक्षिणी हारेट हरेक इलाके में आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह के गढ़ पर हवाई हमला कर बड़ी कामयाबी हासिल की। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसके हमले में हिज्बुल्लाह के पांच आतंकवादी मारे गए। इनमें दुर्दांत हेथम अली तबताबाई भी शामिल है। आतंकवादी समूह की सैन्य शाखा के प्रमुख तबताबाई व चार अन्य के इजराइल के हमले में मारे जाने की पुष्टि हिज्बुल्लाह प्रवक्ता ने की है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल की सेना ने जुलाई के बाद पहली बार बेरूत में पहला हवाई हमला कर आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह के छक्के छुड़ा दिए। तबताबाई को ईरान-समर्थित आतंकी समूह के वरिष्ठता क्रम में महासचिव नईम कासिम के बाद दूसरे नंबर पर माना जाता था। हिज्बुल्लाह ने एक बयान में तबताबाई को महान जिहादी कमांडर बताया। तबताबाई के अलावा मारे गए चार आतंकवादियों में इब्राहिम अली हुसैन, रिफ़ात अहमद हुसैन, मुस्तफ़ा असद बरौ और कासिम हुसैन बरजावी शामिल हैं।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमले में 28 लोग घायल भी हुए हैं। आईडीएफ ने कहा कि तबताबाई 1980 के दशक में हिज्बुल्लाह की सैन्य शाखा में शामिल हुआ था और उसने कई बड़े पद संभाले। वह एलीट राडवान फोर्स का कमांडर और सीरिया में हिज्बुल्लाह के ऑपरेशन का हेड रह चुका था। 2024 के आखिर में समूह के ज्यादातर प्रमुख कमांडरों के मारे जाने के बाद इसी ने इजराइल के खिलाफ मोर्चा संभाला। यह हमला लेबनान में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम समझौते के 27 नवंबर, 2024 को लागू होने के लगभग ठीक एक साल बाद हुआ।

इजराइल ने कहा कि लेबनान सरकार आतंकी समूह के उल्लंघन को रोकने में नाकाम रही। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इजराइल युद्धविराम समझौते के प्रति प्रतिबद्ध है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि तबताबाई के हाथ इजराइलियों और अमेरिकियों के खून से रंगे हैं। इजराइल हिज्बुल्लाह को दोबारा मजबूत नहीं होने देगा।

लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने विश्व समुदाय से देश पर इजराइली हमलों को रोकने के लिए मजबूती से दखल देने की अपील की है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने चैनल 12 को बताया कि वॉशिंगटन इस हमले से खुश है। हज्बुल्लाह के अनुसार, तबताबाई का जन्म 1968 में बेरूत में हुआ था। उसकी मां दक्षिणी लेबनानी और पिता ईरानी थे। वह दक्षिणी लेबनान में पला-बढ़ा और युवावस्था में कदम रखते ही समूह में शामिल हो गया था।

पेशावर में पाकिस्तान के फेडरल कांस्टेबुलरी मुख्यालय पर आत्मघाती हमला, तीन जवानों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी और सबसे बड़े शहर पेशावर में आज सुबह लगभग 8:10 बजे फेडरल कांस्टेबुलरी मुख्यालय के गेट पर एक आत्माघाती बम विस्फोट में तीन जवानों की जान चली गई और पांच घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा

पुलिस के मुताबिक, यह हमला पेशावर के उत्तर-पश्चिम के सद्दार इलाके में हुआ। सुरक्षा अधिकारियों ने कहा है कि तीन आत्मघाती आतंकियों में से एक ने गेट पर धमाका किया, जबकि दो कंपाउंड में घुसने में कामयाब रहे, लेकिन गोली लगने से मारे गए। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि तीनों हमलावरों को ढेर कर दिया गया है। लेडी रीडिंग अस्पताल के प्रवक्ता मोहम्मद आसिम के मुताबिक, मृतकों और घायलों में फेडरल कांस्टेबुलरी के लोग और आम लोग दोनों शामिल हैं। घायलों की हालत स्थिर है। प्रवक्ता आसिम ने कहा कि धमाके में घायल नौ लोगों को उनके यहां लाया गया है।घायलों में तीन जवान और आम नागरिक शामिल हैं। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पेशावर शहर के पुलिस अधिकारी डॉ. मियां सईद अहमद ने कहा, 'शुरू में तीन आतंकवादियों ने मुख्यालय पर हमला करने की कोशिश की। एक हमलावर ने गेट पर खुद को उड़ा लिया, जबकि दो अन्य ने अंदर घुसने की कोशिश की। उन्हें मार गिराया गया। फिलहाल किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। फेडरल कांस्टेबुलरी का नाम पहले सिविलियन पैरामिलिट्री फोर्स था। सरकार ने जुलाई में इसका नाम बदला था। फेडरल कांस्टेबुलरी का मुख्यालय भीड़भाड़ वाले इलाके में है। यह मिलिट्री कैंटोनमेंट के पास है। यहां बैरक, अस्पताल और अधिकारियों के रहने के आवास हैं। यह हमला तब हुआ जब यहां आज मेन कंपाउंड में एक मीटिंग होनी थी। हाल के वर्षों में पेशावर में किसी बल पर दूसरा बड़ा आतंकी हमला है। 2023 में पेशावर पुलिस लाइन्स में एक मस्जिद पर हुए आत्मघाती हमले में 84 लोग मारे गए थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए बल की समय पर की गई कार्रवाई के लिए तारीफ की।

कनाडा से फिर लापता हो गया पीआईए का क्रू मेंबर एयरलाइंस सवालों के घेरे में

लाहौर, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस एक बार फिर सवालों के घेरे में है। एयरलाइन का एक फ्लाइट अटेंडेंट कनाडा में रहस्यमयी ढंग से लापता हो गया, जिसके बाद प्रबंधन ने जांच शुरू कर दी है। यह घटना तब सामने आई जब क्रू मेंबर टोरंटो से लाहौर लौटने वाली उड़ान पीके-798 पर रिपोर्ट ही नहीं किया। पीआईए के प्रवक्ता अब्दुल्लाह हफीज खान ने बताया कि जब संबंधित क्रू मेंबर से संपर्क किया गया तो उसने बीमारी का हवाला देकर ड्यूटी पर आने से मना कर दिया, लेकिन एयरलाइन को शक है कि यह मामला सिर्फ 'बीमार होने' का नहीं है।

प्रवक्ता के मुताबिक अगर यह जानबूझकर की गई गुमशुदगी निकली तो फ्लाइट अटेंडेंट के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बता दें यह पहला मामला नहीं है जब पीआईए के कर्मचारी कनाडा में लेओवर के दौरान गायब हुए हों। पिछले कुछ सालों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिससे एयरलाइन की इंटरनल सिक्योरिटी पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। अक्टूबर 2023 में इस्लामाबाद बेस्ड एक केबिन क्रू मेंबर टोरंटो पहुंचने के बाद अदृश्य हो गया था।

बता दें मार्च 2024 में 47 साल के पीआईए स्टीवर्ड कनाडा में गायब हो गया। फरवरी 2024 में

ऐसे मामले नहीं रुके तो लागू किए जा सकते हैं नए सुरक्षा नियम

पीके-782 से टोरंटो पहुंचे एक अन्य क्रू मेंबर ने वापसी की उड़ान पीके-784 पर रिपोर्ट ही नहीं किया। इसके बाद वह हमेशा के लिए लापता हो गया। इन सभी मामलों में समानता सिर्फ एक है...गायब होने वाले कर्मचारी कनाडा में ही गायब होते हैं, और एयरलाइन उन्हें कभी ढूंढ नहीं पाती।

एविएशन विशेषज्ञों का मानना है कि इन गायब लोगों के पीछे कनाडा के आसान इमिग्रेशन नियम और आसाइलम प्रक्रिया हो सकती है। कई पाकिस्तानी नागरिक कनाडा में पॉलिटिकल या ह्यूमैनिटेरियन आसाइलम के लिए आवेदन करते हैं और पीआईए क्रू के लगातार गायब होने से इसी दिशा में शक गहरा रहा है। यही वजह है कि पीआईए अब हर ऐसे मामले को संभावित इरादतन फरार मानकर जांच कर रही है। एयरलाइन ने संकेत दिया है कि यदि ऐसे मामले नहीं रुके तो क्रू के कनाडा लेओवर को लेकर नए सुरक्षा नियम लागू किए जा सकते हैं। फिलहाल लापता फ्लाइट अटेंडेंट की खोज और उसके बीमार होने के बहाने की सच्चाई जानने की कोशिश की जा रही है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू और प्रतिनिधिमंडल भूटान पहुंचा, भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष लाएंगे

भूटान । भूटान के थिम्पू में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी 25 नवंबर को समाप्त हो रही है। इन अवशेषों को वापस लाने के लिए केंद्रीयमंत्री किरेन रिजिजू के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल आज भूटान पहुंचा। रिजिजू ने यह जानकारी आज सुबह एक्स पोस्ट पर यह जानकारी सचित्र साझा की। उन्होंने एक्स पर लिखा ' मैं आज भूटान रवाना हो रहा हूं। मैं भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की वापसी के लिए साथ जा रहे प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूंगा। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को नई दिल्ली के नेशनल म्यूजियम में से भेजा गया था। उन्हें भूटान में प्रदर्शनी में रखा गया। यह प्रदर्शनी 25 नवंबर को समाप्त हो रही है। इसके बाद अवशेषों को स्वदेश लाया जाएगा। ' रिजिजू ने कहा कि भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की वापसी के लिए भूटान रवाना हो रहा हूं। यह भारत-भूटान की साझा विरासत और गहरे सांस्कृतिक रिश्तों का प्रतीक है।

अमेरिका समेत दुनिया बेखबर, ताइवान पर कब्जा करने चीन ने बनाया सीक्रेट प्लान

सैटेलाइट से खुला राज, सैन्य अभ्यास में नागरिक जहाजों का कर रहा इस्तेमाल

बीजिंग, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

एक रिपोर्ट ने पूरी दुनिया के सैन्य एक्सपर्ट्स को डरा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक एक विस्तृत जांच में पता चला कि चीन अपने व्यापारी जहाजों और आम नागरिक नौकाओं को इस तरह इस्तेमाल कर रहा है कि जरूरत पड़ने पर ये ताइवान पर संभावित समुद्री हमले में सेना की पहली लहर का हिस्सा बन सकें। इस साल हुए बड़े सैन्य अभ्यास में इन नागरिक जहाजों की भूमिका को जहाज ट्रैकिंग डेटा और सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए चिन्हित किया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ये अभ्यास सिर्फ दिखावा नहीं, बल्कि चीन की उन ठोस योजनाओं का हिस्सा हैं जिनसे वह ताइवान को वह अपने सामने जल्दी झुका सके। अगस्त 2025 में चीन के तट के पास एक अभ्यास देखा गया जिसमें 12 नागरिक जहाज पहले अपनी-अपनी घरेलू जगहों पर थे, लेकिन एक तय योजना के तहत धीरे-धीरे दक्षिण की ओर बढ़ गए। इनमें छह रोल-ऑन, रोल-ऑफ फेरी थीं, जिनमें गाड़ियां सीधे जहाज पर एक रैंप के जरिए चढ़ और उतर सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक छह कार्गो जहाज थे जिन्हें एशिया में आम तौर पर भारी सामान ढोने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। रात होने के बाद ये जहाज ग्वांगडोंग प्रांत के एक बीच के पास पहुंचे, जहां चीन की सेना के ठिकाने मौजूद हैं। इसके बाद सैटेलाइट तस्वीरों में साफ दिखा कि ये जहाज अपने रैंप खोलकर सैन्य वाहनों को सीधे रेत पर उतार रहे थे। ताइवान और अमेरिका के दस से ज्यादा नौसैनिक विशेषज्ञों ने इन तस्वीरों को देखने के बाद माना कि चीन अब नागरिक जहाजों को सैन्य इस्तेमाल के लिए पूरी तरह शामिल करने की रणनीति पर काम कर रहा है। इन जहाजों का फायदा यह है कि ये सस्ते हैं, बड़ी संख्या में मौजूद हैं और इनका ढांचा ऐसा है कि ये पोर्ट की जरूरत के बिना सीधे समुद्र तट पर भारी सामान उतार सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो इन हजारों नागरिक जहाजों की मदद से वह समुद्र तट पर उतरने वाली अपनी सेना की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। कई विशेषज्ञों ने कहा कि अगर चीन ताइवान पर उतरा, तो यह ऑपरेशन द्वितीय विश्व युद्ध की नॉर्मंडी लैंडिंग से भी बड़ा और कठिन हो सकता है। अगस्त के इस अभ्यास में सिर्फ कार्गो जहाज ही नहीं, बल्कि छोटे वाहनों की लंबी लाइन और एक अस्थायी पियर्स सिस्टम भी देखा गया, जिसे पहले तकनीकी कारणों से असफल बताया गया था।

इससे संकेत मिलता है कि चीन लगातार अपनी तकनीक में सुधार कर रहा है और किसी भी संभावित कार्रवाई के समय ताइवान पर कई दिशाओं से उतरने की क्षमता तैयार कर चुका है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर चीन कई जगहों पर एक साथ उतरने की कोशिश करता है, तो ताइवान की रक्षा और मुश्किल हो जाएगी। इन अभ्यासों के सिर्फ 11 दिन बाद बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भव्य सैन्य परेड निकाली। भले ही उन्होंने ताइवान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी पार्टी बार-बार कह चुकी है कि ताइवान चीन का हिस्सा है और उसे अलग होने नहीं दिया जाएगा. ताइवान सरकार इसे सख्ती से खारिज करती है और कहती है कि ताइवान के भविष्य का फैसला उसके लोग करेंगे। उधर, ताइवान के रक्षा मंत्री ने कहा कि उनका देश चीन के इस तरह के अभ्यासों पर लगातार निगरानी रख रहा है।

शंघाई हवाई अड्डे पर अरुणाचल की महिला को चीनी आव्रजन कर्मियों ने किया प्रताड़ित

शंघाई, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

चीनी सरकार के आव्रजन अधिकारियों ने शंघाई के पुडोंग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अरुणाचल प्रदेश में जन्मी एक भारतीय महिला को गत सप्ताह उनके भारतीय पासपोर्ट को अमान्य बताते हुए उन्हें घंटों तक रोके रखा और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

मामला यह है कि ब्रिटेन में रह रहीं पेमा वांगजॉम थोंगडोक 21 नवंबर को लंदन से जापान यात्रा पर थीं और उनकी तीन घंटे का स्टॉपओवर शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर था। उन्होंने आरोप लगाया कि आव्रजन कांउटर पर अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट को 'अमान्य' करार दिया क्योंकि उसमें जन्मस्थान के तौर पर अरुणाचल प्रदेश लिखा था।

पेमा ने एक टीवी चैनल को बताया कि चीनी आव्रजन अधिकारियों ने कहा, 'अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है।' उन्होंने कहा, 'आव्रजन के बाद, मैंने अपना पासपोर्ट जमा किया और सुरक्षा जांच में इंतजार कर रही थी। तभी एक अधिकारी आया और मेरा नाम लेकर इंडिया, इंडिया चिल्लाने लगा और मुझे अलग कर आव्रजन डेस्क पर ले गया। वहां कहा गया, अरुणाचल, अमान्य पासपोर्ट।

जब मैंने पूछा कि भारतीय पासपोर्ट मान्य क्यों नहीं है, अधिकारी ने बस यही जवाब दिया, अरुणाचल चीन का हिस्सा है। आपका पासपोर्ट अमान्य है।' पेमा के मुताबिक, वह इस जवाब से भ्रमित हो गईं, क्योंकि पिछले साल वह शंघाई से बिना किसी समस्या के यात्रा कर चुकी थीं और लंदन स्थित चीनी दूतावास से भी पुष्टि मिली थी कि भारतीयों के लिए कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई आव्रजन कर्मियों और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस स्टाफ ने उनका मज़ाक उड़ाया और यहां तक कह दिया कि 'चीनी पासपोर्ट के लिए आवेदन करें।'

पेमा ने कहा कि उनका यह संक्षिप्त ट्रांजिट 18 घंटे की मशक्कत में बदल गया, जिसमें उन्हें स्पष्ट जानकारी, भोजन और हवाई अड्डे की सुविधाएं नहीं मिल पाईं। प्रेमा ने कहा कि उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया और उन्हें वैध वीजा होने पर भी जापान जाने वाली अगली फ्लाइट में बैठने नहीं दिया गया। ट्रांजिट क्षेत्र में सीमित सुविधाएं होने के कारण, वह दूसरी फ्लाइट में टिकट बुक करने, भोजन खरीदने या टर्मिनल बदलने में सक्षम नहीं थीं।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने केवल चाइना ईस्टर्न की नई टिकट खरीदने का दबाव बनाया और संकेत दिया कि ऐसा करने के बाद ही पासपोर्ट लौटाएंगे, जिससे फ्लाइट और होटल की बुकिंग छूटने से उनका आर्थिक नुकसान हुआ।

आखिरकार, उन्होंने ब्रिटेन स्थित एक दोस्त के माध्यम से शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास से संपर्क किया। भारतीय अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर उनकी देर रात की फ्लाइट से चीन से विदाई सुनिश्चित की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वरिष्ठ अधिकारियों को भेजे पत्र में पेमा ने इस व्यवहार को 'भारत की संप्रभुता और अरुणाचल प्रदेश के नागरिकों का सीधा अपमान' बताया।

उन्होंने भारत सरकार से इस मुद्दे को चीन सरकार के समक्ष उठाने, दोषी आव्रजन एवं एयरलाइन कर्मियों के खिलाफ जवाबदेही, अनुशासनात्मक कार्रवाई तथा मुआवजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया है कि भविष्य में अरुणाचल प्रदेश के भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय यात्रा में ऐसी बाधाओं का सामना न करना पड़े।

ग्रामीण प्रतिभा का गौरवशाली सम्मान, सांसद की आतिथ्य में खेल महोत्सव का भव्य समापन

रायगढ, 24 नवंबर (एजेंसियां) ।

धरमजयगढ़ के ऐतिहासिक दशहरा मैदान में आज सोमवार को विकासखंड स्तरीय सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य समापन उत्साह, उमंग और खेल भावना के अद्भुत संगम के साथ संपन्न हुआ। ग्रामीण अंचलों की उभरती प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच देने वाले इस महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद राधेश्याम राठिया शामिल हुए।

वहीं मुख्य अथिति ने विजयी खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने प्रेरक उद्बोधन में सांसद राठिया ने कहा कि 'खेल न केवल शरीर को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि जीवन के उतार-चढ़ाव का सामना करने का साहस और अनुशासन भी प्रदान करते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि सांसद खेल महोत्सव ग्रामीण अंचलों में छिपे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रकाश में लाने का सशक्त माध्यम बन चुका है।

उल्लेखनीय है कि सांसद राठिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया मिशन और उसके तहत आयोजित सांसद खेल महोत्सव की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे युवाओं में खेल संस्कृति को नई दिशा मिली है। साथ ही उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं में अवसर प्रदान कर रही है, जिससे कई युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं। महोत्सव के दौरान खो-खो, कुश्ती, वॉलीबॉल, शतरंज, भारोत्तोलन, फुगड़ी, कबड्डी, गेड़ी दौड़, रस्सा-कस्सी, रस्सीकूद और तैराकी सहित विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। विजेता खिलाड़ी अब जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। वहीं कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य रजनी राठिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष लीनव राठिया, नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल सरकार, जनपद उपाध्यक्ष शिशु शशि, जनपद सदस्य सभापति विनय शर्मा, नगर पंचायत उपाध्यक्ष जगरनाथ यादव, जिला भाजपा के उपाध्यक्ष गोकुल नारायण यादव, जिला कार्यसमिति सदस्य महेश चैनानी, मण्डल अध्यक्ष भरत लाल साहू, महामंत्री भोगेश्वर बेहरा, जगदीश सरकार, पार्षद विजय यादव, टार्जन भारती सहित भाजपा पदाधिकारीगण और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। धरमजयगढ़ ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी एसआर सिदार, जनपद अधिकारी मदन साहू, मुख्य नगर पंचायत अधिकारी भरत लाल साहू एवं नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री ने विश्वकप विजेता दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला टी20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह जीत टीम वर्क और दृढ़ संकल्प को दिखाती है। इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे टूर्नामेंट में अजेय रहीं। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है। टीम को भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं। उसकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। भारतीय टीम ने श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में हुए फाइनल में नेपाल की टीम को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट जीता। इस मैच में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 114 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम ने जीत का ये लक्ष्य 12 ओवर में ही तीन विकेट खोकर 117 रन बनाकर हासिल कर लिया। प्रधानमंत्री ने हाल ही में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय मुक्केबाजों की भी भी प्रशंसा की थी। मोदी ने लिखा था, 'हमारे खिलाड़ियों ने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में रिकॉर्ड प्रदर्शन करके नौ स्वर्ण सहित 20 पदक जीते हैं। यह हमारे मुक्केबाजों के दृढ़ संकल्प के कारण संभाव हुआ है। इसके लिए ये खिलाड़ी बधाई के पात्र हैं।'

सऊदी प्रो लीग 2025-26: अल नास्र ने अल खलीज को 4-1 से हराया

नई दिल्ली। रियाद के अल अव्वल पार्क में खेले गए सऊदी प्रो लीग मुकाबले में अल नास्र ने अल खलीज को 4-1 से मात दी। मैच का सबसे बड़ा आकर्षण 40 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो का अद्भुत बाइसिकल किक गोल रहा, जो उन्होंने मैच के अंतिम सेकंड में नवाफ़ बौशाल के क्रॉस पर किया। यह रोनाल्डो का इस सीजन लीग में 10वां गोल है। अल नास्र ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। शुरुआती कुछ गोल ऑफसाइड के कारण रद्द होने के बाद टीम को 39वें मिनट में बढ़त मिली जब जोआओ फेलिक्स ने एंजेलो के लेफ्ट-विंग क्रॉस पर शानदार फिनिश किया। तीन मिनट बाद फेलिक्स ने एक बार फिर कमाल दिखाते हुए विपक्षी आधे में गेंद छीनकर वेस्ली को पास दिया, जिसने टॉप राइट कॉर्नर में जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही अल खलीज ने वापसी की कोशिश की और 47वें मिनट में हवसावी ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल दागकर अंतर 2-1 कर दिया। इसके बाद मेहमान टीम ने लगातार दबाव बनाया, लेकिन अल नास्र के गोलकीपर नवाफ अल-अक़ीदी ने बेहतरीन बचाव करते हुए टीम की बढ़त बरकरार रखी। 77वें मिनट में सादियो माने ने बॉक्स के अंदर से शानदार कर्लिंग शॉट मारकर अल नास्र के लिए तीसरा गोल किया, जिससे टीम को राहत मिली। स्टॉपेज टाइम की शुरुआत में अल खलीज के खिलाड़ी दिमित्रीओस कूर्बेलिस को अली अल हसन पर खतरनाक टैकल के लिए सीधे रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं।

सुल्तान अजलान शाह कप 2025: मोहम्मद रहील के गोल से भारत की विजयी शुरुआत, कोरिया 1-0 से पराजित

इपोह (मलेशिया)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलान शाह कप 2025 की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। रविवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने कोरिया को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल मोहम्मद रहील ने पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में (15') दागा, जो अंत तक निर्णायक साबित हुआ। भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज़ में की और शुरुआती मिनटों में गेंद पर शानदार नियंत्रण बनाए रखा। इसी दबाव का नतीजा था कि सुखजीत सिंह ने गोलपोस्ट को हिला दिया, हालांकि गेंद जाल में नहीं जा सकी। जल्द ही टीमवर्क से बनाई गई एक बेहतरीन मूव को रहील ने गोल में तब्दील कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में कोरिया ने बराबरी की कोशिशें तेज़ कीं और काउंटर अटैक से कुछ मौके भी बनाए, पर गोलकीपर मोहित की शानदार सेव ने भारत की बढ़त बरकरार रखी। वहीं तीसरे क्वार्टर में भारत ने दूसरा गोल खोजने की कोशिश की, लेकिन पेनल्टी कॉर्नर का लाभ नहीं उठा सके।

डेविस कप 2025 : इटली ने स्पेन को हराकर रचा इतिहास, लगातार तीसरी बार जीता खिताब

बोलोनिया,24 नवंबर (एजेंसियां) ।

इटली ने रविवार को स्पेन को 2-0 से हराकर शानदार अंदाज़ में लगातार तीसरा डेविस कप खिताब अपने नाम किया। बोलोनिया में खेले गए फाइनल में इटली के लिए माटेयो बेरेटिनी और फ्लावियो कोबोली ने अपने-अपने सिंगल्स मैच जीते और टीम को चैंपियन बना दिया। जोशीले घरेलू दर्शकों के समर्थन से उत्साहित बेरेटिनी ने पहले मुकाबले में पाब्लो कारेनो बुस्टा को 6-3, 6-4 से मात दी। इसके बाद कोबोली ने शानदार वापसी करते हुए जाउमे मुन्नार को 1-6, 7-6(5), 7-5 से हराकर टीम के लिए जीत पक्की कर दी।

यह जीत इटली का कुल चौथा डेविस कप खिताब है। इससे पहले टीम 1976, 2023 और 2024 में चैंपियन बनी थी। साथ ही, यह पहला मौका है जब 1971 के बाद किसी देश ने लगातार तीन डेविस कप खिताब जीते हों। दोनों टीमों के स्टार खिलाड़ी इस फाइनल में नहीं खेले-स्पेन के कार्लोस अल्कराज तथा इटली के यानिक सिनर और लोरेंजो मुसेट्टी बाहर रहे। बावजूद इसके बेरेटिनी और कोबोली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की उम्मीदों को पूरा किया।

टीम के कप्तान फिलिपो वोलांड्री ने भावुक होकर कहा, 'यह लगातार तीसरा खिताब है। मैं रो रहा हूं। पहले दो खिताबों पर नहीं रोया था। यह अविश्वसनीय है। हमारी टीम बहुत बड़ी है-सिनर, मुसेट्टी, अर्नाल्दी जैसे खिलाड़ी भी इसका हिस्सा हैं।'

पहले सेट में शुरुआती कुछ गेम कड़े रहे, लेकिन बेरेटिनी ने 5-3 की बढ़त लेते हुए सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी उन्होंने निर्णायक समय पर ब्रेक हासिल कर मैच 6-4 से जीत लिया। 29 वर्षीय बेरेटिनी ने मैच में 13 ऐस और 21 विनर लगाए। वह डेविस कप में लगातार अपनी

11वीं सिंगल्स जीत दर्ज कर गए। बेरेटिनी ने कहा, 'हम एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं। यह एक बड़ा परिवार है। और अब चलो फ्लावियो, इसे खत्म करो!' दूसरे मुकाबले में मुन्नार ने 5-0 की बढ़त लेकर पहला सेट 6-1 से जीत लिया। लेकिन 23 वर्षीय कोबोली ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट में कड़ा संघर्ष करते हुए सातवें सेट प्वाइंट पर सेट अपने नाम किया।

निर्णायक सेट में भी मुकाबला कांटे का रहा। कोबोली ने 6-5 पर ब्रेक हासिल कर मैच जीत लिया और पूरे स्टेडियम में जश्न का माहौल फैल गया। कोबोली ने जीत के बाद कहा, 'इस एहसास को बयां करना मुश्किल है। मैं इस रात को जीने का सपना देखता था। मुझे नहीं पता कि मैंने कैसे जीत लिया। आज मैं बस दिल से खेला और विश्व चैंपियन बन गया।' इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी टीम को बधाई देते हुए लिखा, 'दृढ़ता, प्रतिभा और जुनून-इटली फिर डेविस कप का चैंपियन!'

भारत ने चीनी ताइपे को 35-28 से हराकर लगातार दूसरा महिला कबड्डी वर्ल्ड कप जीता

ढाका। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ढाका में शानदार प्रदर्शन करते हुए सोमवार को महिला कबड्डी वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में भारत ने चीनी ताइपे को 35-28 से मात देकर लगातार दूसरा वर्ल्ड कप जीत लिया। इस जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कबड्डी में भारत की बादशाहत कायम है। हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच मनप्रीत सिंह ने टीम की सराहना करते हुए कहा, 'महिला टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया है, जिस पर पूरा देश गर्व कर सकता है। उनका आत्मविश्वास और टीमवर्क अद्भुत रहा। एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी होने के नाते मैं जानता हूं कि इस स्तर तक पहुंचना कितना कठिन है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को ढेरों बधाइयाँ।' भारत ने पूरे टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन किया। टीम ने अपने सभी ग्रुप मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उसने ईरान को 33-21 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी ओर, चीनी ताइपे ने भी ग्रुप चरण में बेहतरीन खेल दिखाया और सेमीफाइनल में मेज़बान बांग्लादेश को 25-18 से मात दी। पुनेरी पलटन के मुख्य कोच अजय ठाकुर ने कहा, 'ढाका में महिला टीम द्वारा लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतना भारत के लिए गर्व का क्षण है। फाइनल तक उनका दबदबा और फिर खिताब जीतना यह दर्शाता है कि पिछले कुछ वर्षों में महिला कबड्डी ने कितनी तरक्की की है। बांग्लादेश जैसे देश में वर्ल्ड कप का आयोजन यह भी दिखाता है कि कबड्डी का वैश्विक प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। उम्मीद है कि आने वाले सालों में यह गति और तेज होगी।' इस बार टूर्नामेंट में कुल 11 देशों ने हिस्सा लिया, जो महिला कबड्डी के तेजी से बढ़ते वैश्विक विस्तार का प्रमाण है।

टोक्यो समर डेफ्लिंपिक्स में भारत की प्रांजली प्रशांत धूमल ने 25 मीटर पिस्टल में जीता स्वर्ण

टोक्यो, 24 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारत की प्रांजली प्रशांत धूमल ने जापान की राजधानी टोक्यो में 25वें समर डेफ्लिंपिक्स में सोमवार को महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। यह उनका दूसरा स्वर्ण और इस संस्करण का तीसरा पदक है।

फाइनल में प्रांजली ने 34 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। यूक्रेन की हलीना मोसीना (32 अंक, रजत) दूसरे स्थान पर रहीं। कोरिया की जीवॉन जिऑन ने 30 अंकों के साथ कांस्य जीता। उन्होंने भारत की अनुया प्रसाद को शूट-ऑफ में मात दी। अनुया चौथे स्थान पर रहीं। इससे पहले प्रांजली अभिनव देशवाल के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। अभिनव ने पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी स्वर्ण जीता।

फाइनल में प्रांजली ने शुरुआत से ही बढ़त बनाई। पहले सीरीज में उन्होंने पांच में से चार शॉट्स में निशाना साधा और नौवीं सीरीज तक बढ़त बनाए रखी। इस दौरान वह मोसीना के साथ 30-30 अंकों पर बराबरी पर रहीं। दसवीं और अंतिम सीरीज में प्रांजली ने चार सटीक शॉट लगाए। मोसीना केवल दो ही शॉट लगा सकीं। इसी के साथ भारतीय निशानेबाज ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। क्वालिफिकेशन में भी भारतीय निशानेबाजों का दबदबा रहा। प्रांजली ने शीर्ष दो स्थानों में जगह बनाते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और विश्व डेफ क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड तथा डेफ्लिंपिक्स रिकॉर्ड तोड़ते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने 573-14× का स्कोर बनाया, जो उनके अपने ही पिछले वर्ष हैनोवर में हुए वर्ल्ड डेफ शूटिंग चैंपियनशिप में बनाए गए विश्व रिकॉर्ड से बेहतर है। अनुया प्रसाद 569-15× के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। भारतीय निशानेबाज अब तक डेफ्लिंपिक्स में कुल 16 पदक जीत चुके हैं। इनमें सात स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य शामिल हैं। शूटिंग स्पर्धाओं का समापन कल होगा। कल पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के पदक तय किए जाएंगे।

विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम सैंटियागो, चिली रवाना

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम, कप्तान ज्योति सिंह के नेतृत्व में, एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 में भाग लेने के लिए सैंटियागो, चिली रवाना हो गई। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 1 से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। 20 सदस्यीय भारतीय टीम, जिसमें दो विकल्प खिलाड़ी भी शामिल हैं, रविवार रात केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुई। भारत को पूल 'सी' में जर्मनी, आयरलैंड और नामीबिया के साथ रखा गया है। टीम अपना अभियान 1 दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ शुरू करेगी, जिसके बाद 3 दिसंबर को जर्मनी से और 5 दिसंबर को आयरलैंड से मुकाबला होगा। प्रत्येक पूल की शीर्ष टीमें 7 से 13 दिसंबर तक खेले जाने वाले नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी। अन्य पूलों में मुकाबले इस प्रकार हैं: पूल 'ए': नीदरलैंड, जापान, चिली और मलेशिया पूल 'बी': अर्जेंटीना, बेल्जियम, जिम्बाब्वे और वेल्स पूल 'डी': इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, चीन और ऑस्ट्रिया पूल 'ई': ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, कनाडा और स्कॉटलैंड पूल 'एफ': संयुक्त राज्य अमेरिका, कोरिया, न्यूजीलैंड और उरुग्वे।

वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए न्यूज़ीलैंड की टीम घोषित, केन विलियमसन की वापसी

वेलिंगटन, 24 नवंबर (एजेंसियां) ।

न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए अपनी 14 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में सबसे बड़ा नाम है केन विलियमसन की वापसी, जो जुलाई में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर थे और पिछले वर्ष दिसंबर के बाद पहली बार टेस्ट टीम का हिस्सा बन रहे हैं। विलियमसन तैयारी के तहत प्लंकेट शील्ड के दूसरे राउंड में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए भी खेलेंगे।

तेज़ गेंदबाज़ जैकब डफी, ज़ैक फॉल्क्स और ब्लेयर टिकनर को भी पहले टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया है। डफी और फॉल्क्स ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें फॉल्क्स ने 9/75 के शानदार आंकड़े दर्ज किए-जो किसी भी न्यूज़ीलैंडर के लिए टेस्ट डेब्यू पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। टिकनर मार्च 2023 के बाद पहली बार टेस्ट सेटअप में लौट रहे हैं।

ऑलराउंडर डैरिल मिशेल भी टीम में शामिल हैं, जो वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पहले ओडीआई में लगी ग्रोइन चोट से उबर चुके हैं। दूसरी ओर, काइल जेमीसन और ग्लेन फिलिप्स अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं और नियंत्रित रेड-बॉल रिटर्न-टु-प्ले योजना के तहत अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। मैट फिशर, विल ओ 'रूर्के और बेन सियर्स भी क्रमश: पिंडली, पीठ और हैमस्ट्रिंग चोटों से उबर रहे हैं।

न्यूज़ीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने विलियमसन की वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, 'केन की क्षमता अपने आप में काबिल-ए-तारीफ है। मैदान पर उनकी स्किल्स और नेतृत्व टेस्ट टीम के लिए बेहद अहम हैं।'

न्यूज़ीलैंड की टीम (पहला टेस्ट)

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, ज़ैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, डैरिल मिशेल, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर, केन विलियमसन, विल यंग।

गुवाहाटी टेस्ट: यानसन की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे दिन मजबूत बढ़त बनाई

गुवाहाटी, 24 नवंबर (एजेंसियां) ।

मार्को यानसन के करियर-सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ने गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका को भारत पर मज़बूत पकड़ दिला दी। पहले बल्ले से तेज़तर्रार अर्धशतक और फिर गेंद से 6/48 की घातक स्पेल डालते हुए यानसन ने भारत की पारी को 201 पर समेट दिया। टीम इंडिया ने 27 रन के भीतर 6 विकेट गंवाए और बुरी तरह लड़खड़ा गई। दिन का खेल समाप्त होने तक दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए 26 रन बना लिए और कुल 314 रनों की भारी बढ़त हासिल कर ली।

दक्षिण अफ्रीका की कुल बढ़त: 314 रन

पहला सत्र: अच्छी शुरुआत के बाद गिरावट

6/0 से आगे खेलते हुए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने संभलकर शुरुआत की। दोनों ने पहले घंटे में आधी सदी की साझेदारी की। जायसवाल ने लगातार चौके जमाए जबकि राहुल ने स्थिरता दिखाई। लेकिन 65 रन की साझेदारी के बाद राहुल महाराज की गेंद पर स्लिप में कैच दे बैठे। जायसवाल ने पचासा पूरा किया मगर जल्द ही हार्मर की गेंद पर 58 रन बनाकर आउट हो गए। साई सुदर्शन भी शानदार कैच के चलते पवेलियन लौटे। ऋषभ पंत ने एक छक्का जड़ा, लेकिन जल्द ही जुरेल और पंत दोनों आउट हो गए। लंच तक भारत की स्थिति 102/4 से बिगड़कर 122/7 हो गई।

दूसरा सत्र: वॉशिंगटन-कुलदीप की जुझारू साझेदारी

122/7 के बाद वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने मोर्चा संभाला। दोनों ने धैर्य के साथ टिककर बल्लेबाज़ी की और 200 से ज़्यादा गेंदों तक साझेदारी निभाई-दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आठवें विकेट के लिए भारत की सबसे लंबी टिकाऊ स्टैंड में से एक।

वॉशिंगटन ने 48 रन बनाए, जबकि कुलदीप ने 134 गेंदों में 19 रन की जुझारू पारी खेली।

तीसरा सत्र: यानसन का 'सिक्सर'

दूसरी नई गेंद के साथ यानसन फिर अटैक पर लौटे और पहले कुलदीप को स्लिप में कैच करवा अपना पांचवां विकेट लिया। इसके बाद उन्होंने जसप्रीत बुमराह को शॉर्ट बॉल पर आउट कर छह विकेट पूरे किए। भारत की पारी 201 पर समाप्त हो गई।

दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी

बावुमा ने फॉलो-ऑन नहीं लिया और दक्षिण अफ्रीका ने दोबारा बल्लेबाज़ी शुरू की। रिकलटन और मार्कराम ने सधी हुई शुरुआत की और स्कोर 26/0 तक पहुंचाया। खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी समाप्त कर दिया गया।

संक्षिप्त स्कोर: दक्षिण अफ्रीका: 489 × 26/0 (रयान रिकलटन 13*, एडन मार्कराम 12*)

भारत: 201 (यशस्वी 58, वॉशिंगटन सुंदर 48; मार्को यानसन 6/48, साइमन हार्मर 3/64).

देश के कुछ शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े तो कुछ में कम हुए

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। देश की पेट्रोलियम कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी किए। इससे कई शहरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव देखा गया। उत्तर भारत के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल महंगे हुए, जबकि दक्षिण और कुछ पूर्वी शहरों में कीमतें कम हुईं।

गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत 8 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए प्रति लीटर

दिल्ली के नजदीकी गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत 8 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल 7 पैसे महंगा होकर 88.10 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है।

जयपुर में पेट्रोल 68 पैसे बढ़कर 105.40 रुपए प्रति लीटर और डीजल 61 पैसे बढ़कर 90.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। लखनऊ में पेट्रोल और डीजल क्रमश: 5 और 6 पैसे महंगे हुए। पटना में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 27 पैसे बढ़ा। प्रयागराज में पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 1 रुपए महंगा हो गया।

भुवनेश्वर में पेट्रोल और डीजल के दाम 18-18 पैसे घटकर क्रमश: 100.93 और 92.51 रुपए प्रति लीटर पर आ गए। तिरुवनंतपुरम में पेट्रोल 18 पैसे और डीजल 30 पैसे सस्ता हुआ। आगरा में पेट्रोल और डीजल क्रमश: 5-5 पैसे सस्ते हुए, वहीं अंबेडकरनगर में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 26 पैसे घटकर बिक रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम और स्थानीय कर संरचना के आधार पर यह बदलाव हुआ है। उत्तर भारत में महंगाई का दबाव और तेल की मांग बढ़ने के कारण कीमतें बढ़ीं, जबकि दक्षिण भारत में कर घटाव और बाजार में आपूर्ति बढ़ने के कारण रेट घटे।

न्यूज ब्रीफ

अफगानिस्तान से भारत का व्यापार तेजी से बढ़ा, 34 अरब रुपये के सूखे मेवे और मसाले खरीदे गए

नई दिल्ली। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच व्यापार लगभग बंद होने के बाद भारत के साथ अफगानिस्तान का व्यापार लगातार बढ़ रहा है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सात महीनों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 525 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा अफगानिस्तान के निर्यात का रहा, जो लगभग 379 मिलियन डॉलर (34 अरब रुपये) तक पहुंचा। अफगानिस्तान के उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता अखुंदजादा अब्दुल सलाम जवद के अनुसार, भारत को भेजे जाने वाले प्रमुख निर्यात में सूखे अंजीर, केसर, हींग और इसके बीज, किशमिश, जीरा, पिस्ता और बादाम शामिल हैं। ये उत्पाद भारत में घरेलू और प्रीमियम खाद्य बाजार में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होते हैं। अफगानिस्तान की ये निर्यात वस्तुएं भारतीय त्योहारों और विशेष अवसरों के लिए भी काफी मांग में रहती हैं। भारत ने आधिकारिक रूप से दोनों देशों के बीच कार्गो फ्लाइट्स बहाल कर दी हैं। यह कदम अफगान कारोबारियों के लिए राहत भरा माना जा रहा है क्योंकि वाघा बॉर्डर रूट के अनुपलब्ध होने से व्यापार प्रभावित हो रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि एयर-कार्गो उच्च मूल्य वाले उत्पादों जैसे सूखे मेवे के लिए सबसे लाभकारी विकल्प है, हालांकि इसकी लागत सुलभ होनी चाहिए।

इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पैसालो में बढ़ाया स्वामित्व, खरीदे 54 लाख शेयर

नई दिल्ली । पैसालो डिजिटल लिमिटेड के प्रवर्तक समूह का हिस्सा इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पिछले सप्ताह खुला बाजार लेनदेन के जरिए लगभग 54 लाख शेयर खरीदे। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इकाई ने 13 नवंबर को 43.94 लाख, 18 नवंबर को 8.37 लाख और 19 नवंबर को 1.4 लाख शेयर खरीदे। इस खरीदारी के बाद इक्विलिब्रेटेड की हिस्सेदारी 19.94 फीसदी से बढ़कर 20.53 फीसदी हो गई। यह प्रवर्तक समूह के स्वामित्व में वृद्धि का संकेत है। पैसालो डिजिटल के वर्तमान में 1.14 लाख से अधिक शेयरधारक हैं। इस खरीदारी का समय कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति के बीच हुआ, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।

बिटकॉइन में तेज गिरावट के कारण क्रिप्टो मार्केट हिला

मुंबई। अक्टूबर में बिटकॉइन ने 1,26,000 डॉलर का सार्वजनिक उच्च स्तर बनाया था, लेकिन यह 80,000 डालर तक गिर गया। यह गिरावट लगभग 36 फीसदी की है। बिटकॉइन ने थोड़ी रिकवरी दिखाई और रविवार शाम 6.15 बजे 86,583.24 पर कारोबार कर रहा था, जो 2.25 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। हालांकि, 2025 में बिटकॉइन ने -7.36 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है और पिछले 1 महीने में 20.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बाजार का मनोबल लालच से डर में बदल चुका है और लिक्विडिटी तेजी से बाहर जा रही है। अक्टूबर के हाई से गिरावट यह दर्शाती है कि बाजार की दिशा अब पलट चुकी है और टेक्निकल इंडिकेटर अभी भी कमजोर हैं।

इस हफ्ते चार बड़ी कंपनियों के आईपीओ शेयरों का लॉक-इन खत्म

नई दिल्ली। इस हफ्ते एनटीपीसी ग्रीन इनर्जी, बोराना वेब्जि गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस और मंगल इलेक्ट्रिकल के आईपीओ शेयरों की लॉक-इन अवधि समाप्त हो रही है। कुल 57,124.63 करोड़ रुपए के शेयर अब बाजार में उपलब्ध होंगे। लॉक-इन अवधि खत्म होने के बाद प्रमोटर और शुरुआती निवेशक अपने शेयर बेच सकते हैं, जिससे बाजार में शेयरों की आपूर्ति बढ़ती है और शुरुआती दिनों में कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

भारत और कनाडा एफटीए बातचीत फिर शुरू करने पर सहमत : गोयल

भारत और कनाडा आपसी व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए एफटीए वार्ता को करेंगे तेज

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इसका मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है।

गोयल ने कहा कि इस तरह के समझौते दोनों देशों के निवेशकों और कारोबारियों के बीच विश्वास को मजबूत करते हैं। गोयल ने बताया कि भारत और कनाडा स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिद्वंद्विता नहीं करते। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की ताकतें व्यापार और निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर सकती हैं। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत पर आरोपों के कारण वार्ता रोक दी गई थी। भारत ने इन आरोपों को खारिज किया। मार्च 2022 में दोनों देशों ने अंतरिम प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) के लिए वार्ता शुरू की थी। गोयल ने कहा कि दोनों देश उच्च महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता करके 2030 तक व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखते हैं। जून 2024 में जी-7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई समकक्ष की बातचीत से दोनों देशों के संबंधों में नई ऊर्जा आई है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग ने नई दिल्ली में इंडो-कैनेडियन वाणिज्य चैंबर के सालाना नेशनल कन्वेंशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कहा कि भारत को आवश्यक खनिज, खनिज प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, न्यूक्लियर ऊर्जा और आपूर्ति-चेन डाइवर्सिफिकेशन में कनाडा के साथ सहयोग की काफी गुंजाइश दिखती है। उन्होंने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम यांत्रिकी, मशीन लर्निंग और नेक्स्ट-जेनरेशन डेटा सेंटर जैसी नई टेक्नोलॉजी में मजबूत मदद देता है, जिसे दुनिया के सबसे बड़े इंडेक्स एसटीईएम प्रयोगशालाओं का सपोर्ट मिलता है। उन्होंने कहा कि कनाडा और भारत नैचुरल साथी हैं, जिन्हें एक-दूसरे को पूरा करने वाली ताकतें दोनों देशों में निवेशकों और निवेशकों के लिए बड़े मौके मिलते हैं। गोयल ने बताया कि एफटीए या व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) में कई रणनीतिक तत्व होते हैं और यह दोनों देशों के बीच विश्वास का प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों को विश्वास मिलेगा। उन्होंने कहा कि इंडो-कैनेडियन बिज़नेस चैंबर के सालाना नेशनल कन्वेंशन को संबोधित करते हुए एक-दूसरे की ताकत का फ़ायदा उठाया। यह कैसे दोनों तरफ़ के बिजनेस और इन्वेस्टर्स के लिए एक फोर्स मल्टीप्लायर का काम कर सकती है, इस बारे में बात की। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के पास लौटने के लिए शानदार मौकों और स्किल और टैलेंटेड लोगों के पूल के साथ स्ट्रेटेजिक फायदे हैं।

राइट्स पहली बार चालू डीजल लोकोमोटिव दक्षिण अफ्रीका को निर्यात करेगी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय की सार्वजनिक कंपनी राइट्स लिमिटेड (आरआईटीईएस) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पहली बार चालू डीजल लोकोमोटिव निर्यात करने की मंजूरी पाई है। कंपनी ने दक्षिण अफ्रीका से 18 ऐसे लोकोमोटिव का ऑर्डर हासिल किया है, जिन्हें वहां की केप गेज प्रणाली (1,067 मिमी) के अनुरूप तकनीकी रूप से संशोधित किया जा रहा है। भारत में ये लोकोमोटिव ब्रॉड गेज (1,676 मिमी) पर चलने के लिए बनाए गए थे, लेकिन आवश्यक बदलाव के बाद वे पूरी तरह उपयुक्त होंगे। राइट्स के एक अधिकारी ने बताया कि क्योंकि भारतीय रेल अब लगभग पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुकी है, इसलिए 15 साल से अधिक शेष सेवा-आयु वाले डीजल इंजन निर्यात के लिए उपयुक्त बने हुए हैं। पहली संशोधित खेप वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही तक दक्षिण अफ्रीका भेज दी जाएगी। गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता की उम्मीद के साथ, राइट्स भविष्य में दक्षिण अफ्रीका के पड़ोसी देशों से भी इसी तरह के ऑर्डर की संभावनाओं की बात कर रही है।

इंगरसोल-रैंड इंडिया ने शेयरधारकों के लिए घोषित किया 550 फीसदी डिविडेंड

नयी दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड ने 14 नवंबर 2025 को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अंतरिम डिविडेंड 55 रुपये प्रति शेयर घोषित किया। यह डिविडेंड 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर पर आधारित है, यानी 550 फीसदी का रिटर्न। कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह निर्णय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग में लिया गया।

डिविडेंड 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले शेयर पर आधारित

डिविडेंड पाने के लिए रिकॉर्ड डेट 25 नवंबर तय की गई है। यानी इस दिन जिनके डीमैट अकाउंट में इंगरसोल-रैंड के शेयर होंगे, वही लाभार्थी होंगे। डिविडेंड की राशि सीधे 11 दिसंबर 2025 को शेयरधारकों के खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी। 30 सितंबर 2025 को खत्म हुई तिमाही में कंपनी की आय 321.94 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान तिमाही के 318.35 करोड़ रुपये से थोड़ी अधिक है।

टोटल इनकम बढ़कर 330.92 करोड़ रुपये हुई। वहीं, कुल खर्च 247.38 करोड़ से बढ़कर 250.07 करोड़ रुपये हो गया। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 60.35 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के बराबर है। बीते शुक्रवार कंपनी का शेनि बीएसई पर 0.05 फीसदी गिरकर 3,888.60 रुपये पर बंद हुआ।

पिछले एक महीने में शेयर में 0.83 फीसदी की गिरावट रही। लंबी अवधि में कंपनी के शेयर ने शानदार प्रदर्शन किया है। 1 साल, 2 साल और 5 साल के रिटर्न क्रमश: -6.98, 32.03 और 510.17 फीस रहे। 10 साल में शेयर ने 402.44 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी का मार्केट कैप 12,275.53 करोड़ रुपये है, जबकि 52-वीक हाई और लो क्रमश: 4,699.90 रुपये और 3,060.80 रुपये हैं।

नई किआ सेल्टोस फेसलिफ्ट ग्लोबल स्तर पर जल्द होगी पेश

नई दिल्ली। भारत में लगातार टेस्टिंग के दौरान नजर आ रही नई किआ सेल्टोस फेसलिफ्ट 10 दिसंबर को ग्लोबल स्तर पर पेश की जाएगी। किआ जल्द ही अपनी पॉपुलर मिड-साइज एसयूवी सेल्टोस को नए अवतार में लॉन्च करने की तैयारी में है। एक बार फिर इसके कैमूफ्लाज्ड टेस्ट मॉडल की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनसे साफ होता है कि आने वाला मॉडल मौजूदा वर्जन से कहीं ज्यादा दमदार और आकर्षक होगा। कंपनी ने इसके डिजाइन में विशेष बदलाव किए हैं, जो इसे और बोल्ड, बड़ा और सड़क पर अधिक प्रभावशाली बनाते हैं। नए मॉडल में फ्रंट सेक्शन को ज्यादा ऊंचा और सीधा किया गया है, जिसमें बॉक्सी ग्रिल, स्क्वायर हेडलैंप्स, वर्टिकल डीआरएलएस और बड़ा स्किड प्लेट शामिल है। बताया जा रहा है कि यह सेल्टोस मौजूदा मॉडल से लगभग 100 एमएम ज्यादा लंबी होगी। साइड प्रोफाइल देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि व्हीलबेस और रियर ओवरहैंग भी बढ़ाया गया है, जिससे पिछली सीटों का लेगरूम और बूट स्पेस और अधिक मिलेगा। रियर डिजाइन भी पूरी तरह बदलने वाला है, जिसमें ईवी5 से प्रेरित वर्टिकल टेललैंप्स और कनेक्टेड लाइट स्ट्रिप शामिल होगी, जो इसे प्रीमियम लुक देगी। इंटीरियर में बड़े पैमाने पर बदलाव होने की उम्मीद है। फीचर्स में पावर टेलगेट, डुअल वायरलेस चार्जर, वेंटिलेटेड सीट्स और एंबियंट लाइटिंग शामिल होने की संभावना है।

दिल्ली में सर्किल रेट में बड़े बदलाव की तैयारी बाजार और सरकारी मूल्य में तालमेल होगा

नयी दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में सर्किल रेट में एक दशक बाद बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। राजधानी में सर्किल रेट आखिरी बार 2014 में तय किए गए थे, तब से रियल एस्टेट की कीमतों में भारी वृद्धि हो चुकी है। खासकर लुटियंस दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और शहरीकृत इलाकों में संपत्तियों की कीमतें कई गुना बढ़ चुकी हैं, लेकिन आधिकारिक सर्किल रेट अब भी पुराने स्तर पर हैं। सरकार का मकसद अब संपत्तियों के सरकारी मूल्य को वास्तविक बाजार दरों के करीब लाना है। वर्तमान में दिल्ली के सर्किल रेट आठ कैटेगरी में विभाजित हैं। कैटेगरी ए में रेट 7.74 लाख रुपए प्रति वर्गमीटर तक है, जबकि कैटेगरी एच में यह 23,280 रुपए प्रति वर्गमीटर तक है। हालांकि एक ही कैटेगरी में शामिल इलाकों में बाजार दरों और सुविधाओं के अंतर काफी हैं। उदाहरण के लिए, गोल्फ लिंक और कालिंदी कॉलोनी दोनों कैटेगरी ए में हैं, लेकिन दोनों की संपत्ति दरों में जमीन-आसमान का अंतर है। सरकार अब इस कैटेगरीकरण को अधिक वैज्ञानिक और यथार्थवादी बनाने पर काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सर्किल रेट के पुराने आंकड़े सरकार को भारी राजस्व हानि पहुंचाते हैं। जहां बाजार मूल्य कई गुना अधिक होता है, वहीं दस्तावेजों में कम मूल्य दिखाने से स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस कम होती है और कैश लेन-देन बढ़ते हैं। इसके विपरीत, कुछ क्षेत्रों में सर्किल रेट अधिक होने से लेन-देन धीमा पड़ जाता है।

भारतीय अर्थव्यस्था के वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान : एसएंडपी

नयी दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 फीसदी और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है।

रेटिंग एजेंसी ने सोमवार को जारी ने अपनी 'इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट' में कहा, ''हमारा अनुमान है कि भारत की सकल घरेलू उतपाद (जीडीपी) 31 मार्च, 2026 को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 फीसदी की दर से बढ़ेगी।एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। एजेंसी के मुताबिक भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी। इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष 2025-26 और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की 6.5 फीसदी की वृद्धि दर से बेहतर है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं।

अमेरिकी प्रतिबंध से भारत का रूसी तेल आयात 75 फीसदी घटेगा पहले भारत रोजाना 17-18 लाख बैरल रूसी तेल ले रहा था

नई दिल्ली। अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, जो 21 नवंबर 2025 से पूरी तरह लागू हो चुके हैं। इन प्रतिबंधों के बाद भारत का रूसी कच्चा तेल आयात तेजी से घटने वाला है। पहले भारत रोजाना 17-18 लाख बैरल रूसी तेल ले रहा था, लेकिन दिसंबर-जनवरी में यह घटकर लगभग 4 लाख बैरल रोज हो सकता है। यानी आयात में लगभग 75 फीसदी कटौती संभव है। भारत की बड़ी रिफाइनरियां रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल, मित्तल एनर्जी और मंगलोर रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल से तेल लेना रोक दिया है। केवल नयारा एनर्जी ही रोसनेफ्ट से तेल ले रही है, क्योंकि उसकी रिफाइनरी पहले से यूरोपीय प्रतिबंधों के दायरे में है। रिलायंस ने 20 नवंबर से अपनी सेज रिफाइनरी में रूसी तेल लोडिंग पूरी तरह बंद कर दी है। अमेरिका ने केवल रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल को निशाना बनाया है। रूस की अन्य कंपनियां जैसे सर्गुटनेफ्टेगाज और गजप्रोम नेफ्ट भारत को तेल सप्लाई कर सकती हैं, यदि वे प्रतिबंधित बैंक या जहाज का उपयोग न करें। रूस नए व्यापारियों, शैडो फ्लीट और शिप-टू-शिप ट्रांसफर के जरिए सप्लाई बनाए रख सकता है। पिछले दो सालों में सस्ता रूसी तेल मिलने की वजह से रिफाइनरियों ने अच्छा मुनाफा कमाया। अब जब यह तेल कम आएगा, रिफाइनरियां सऊदी अरब, इराक, यूएई और अमेरिका से तेल खरीदेंगी। तकनीकी रूप से इनको प्रोसेस किया जा सकता है, लेकिन मार्जिन कुछ कम हो सकता है।

मंगलवार की शाम इन पांच स्थानों पर जलाएं दीपक

दुर्भाग्य होगा दूर, जीवन में तरक्की के खुलेंगे रास्ते

मंगलवार का दिन भगवान हनुमान को समर्पित माना गया है। इस दिन भक्त हनुमानजी के मंदिर जाकर विधि-विधान से पूजा करते हैं, बूंदी का प्रसाद चढ़ाते हैं और हनुमान चालीसा का पाठ भी करते हैं। इससे भक्तों पर बजरंगबली की विशेष कृपा बनी रहती है। वहीं, ज्योतिषशास्त्र में मंगलवार के कुछ उपाय भी बताए गए हैं जिन्हें करने से जातक को जीवन के दुखों से मुक्ति मिल सकती है। मंगलवार के दिन शाम को कुछ स्थानों पर दीपक जलाना बहुत शुभ माना जाता है। इस उपाय को करने से दुर्भाग्य दूर हो सकता है और जीवन में तरक्की के रास्ते खुलने लगते हैं।

भगवान हनुमान के सामने जलाएं पंचमुखी दीपक

मंगलवार के दिन पंचमुखी दीपक जलाने का खास महत्व होता है। इसके लिए शाम को प्रदोष काल के वक्त भगवान की पूजा में पंचमुखी दीपक जलाना चाहिए। गाय के घी के साथ पंचमुखी दीपक जलाना सबसे शुभ माना गया है। ऐसा संभव न होने पर आप सरसों के तेल से भी दीपक जला सकते हैं। इसके लिए तेल में थोड़ा सा गुड़ भी डाले। मंगलवार की शाम इस प्रकार दीपक जलाकर पूजा और हनुमान चालीसा का पाठ करने से जातक को भगवान हनुमान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जीवन के कष्टों से भी मुक्ति मिल सकती है।

मंगलवार को दक्षिण दिशा में जलाएं दीपक

मान्यता है कि दक्षिण दिशा यम और पितरों को समर्पित होती है। ऐसे में मंगलवार के दिन प्रदोष काल में एक दीपक दक्षिण दिशा की ओर भी जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों के जीवन में आने वाली समस्याएं कम हो सकती हैं और बिगड़े हुए काम भी बनने शुरू हो सकते हैं। दक्षिण दिशा में आप सरसों या तिल के तेल का दीपक जला सकते हैं। इससे भगवान हनुमान हमारी नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा करते हैं और घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है। साथ ही, इस उपाय को करने से पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त हो सकता है।

मुख्य द्वार पर जलाएं दीपक

मंगलवार के दिन शाम को एक दीपक मुख्य द्वार पर भी अवश्य जलाना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती है और घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है। साथ ही, मान्यता है कि शाम के समय घर में माता लक्ष्मी का आगमन होता है। ऐसे में मुख्य द्वार को हमेशा साफ रखना चाहिए और वहां दीपक की रोशनी जरूर करनी चाहिए। इससे आपको मां लक्ष्मी की विशेष कृपा भी प्राप्त हो सकती है और जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है। जिससे आपके कार्यों या व्यापार में आ रही बाधाएं भी कम हो सकती हैं।

हनुमानजी के मंदिर में जलाएं दीपक

एक दीपक शाम के वक्त हनुमान मंदिर में जरूर जलाना चाहिए। मंगलवार का दिन बजरंगबली को समर्पित है।

ऐसे में इस दिन मंदिर जाकर चमेली के तेल का दीपक जलाना चाहिए। ऐसा संभव न होने पर आप घी या तेल का दीपक भी जला सकते हैं। साथ ही, मंदिर में बैठकर शांत मन और श्रद्धा पूर्वक हनुमान चालीसा का पाठ भी अवश्य करें। ऐसा करने से मानसिक शांति मिलती है और बल में भी वृद्धि होती है। अगर आप जीवन में समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो हर मंगलवार को यह उपाय जरूर करके देखें इससे नौकरी में तरक्की मिल सकती है और मन का भय भी कम होने लगता है।

तुलसी के पास जलाएं दीपक

शाम के समय प्रदोष काल में एक दीपक तुलसी के पास जरूर जलाना चाहिए। ऐसा नियमित तौर करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। माता जाता है की तुलसी में माता लक्ष्मी का वास होता है। ऐसे में शाम को तुलसी के पास एक दीपक जलाने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। साथ ही, धन-दौलत में भी वृद्धि होती है। साथ ही, मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ भी जरूर करना चाहिए। इससे डरावने सपनों से राहत मिल सकती है और स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

दक्षिण-पूर्व दिशा में होगा रसोई घर तो अन्न-धन की नहीं होगी कमी, जानें किचन से जुड़े जरूरी वास्तु नियम

किचन घर का सबसे महत्वपूर्ण भाग होता है। इसी स्थान से दिन की शुरुआत और अंत होता है। सुबह के नाश्ते से लेकर रात का खाना बनाने के लिए किचन सबसे जरूरी होता है। वहीं, वास्तुशास्त्र में भी रसोई घर का खास महत्व बताया गया है। इसका सही दिशा में होना बेहद महत्वपूर्ण होता है। अगर घर का किचन गलत दिशा, स्थान या गलत तरीके से बनाया गया हुआ हो तो इसका बुरा प्रभाव घर के सभी सदस्यों पर पड़ सकता है। इससे मानसिक अशांति, फिजूलखर्ची, स्वास्थ्य में गिरावट आदि समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, वास्तु के अनुसार रसोई घर बनवाने से घर में सुख-शांति और अन्न-धन बना रहता है। इसलिए किचन बनवाते या नया घर लेते वक्त रसोई घर से जुड़े इन वास्तु नियमों का ख्याल जरूर रखें। लेकिन अगर किसी कारण आपका किचन गलत दिशा में हो तो उसके लिए भी विशेष उपाय किए जा सकते हैं।

रसोई घर किस दिशा में बनाना चाहिए?

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में रसोई घर हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा में बनवाना चाहिए। इसे आग्नेय कोण भी कहा जाता है जिसपर अग्नि की प्रभुत्व है। अग्नि तत्व से संबंधित होने के कारण ही दक्षिण-पूर्व दिशा खाना पकाना सबसे उत्तम माना जाता है। इससे जातक के घर में कभी भी अन्न-धन की कमी नहीं होती है और घर का माहौल भी सकारात्मक बना रहता है। लेकिन अगर दक्षिण-पूर्व दिशा में किचन बनवाना संभव न हो तो आप उत्तर-पश्चिम कोने में भी रसोई घर बनवा सकते हैं। ऐसा करने घर के माहौल पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। लेकिन कुछ दिशाओं में भूलकर भी किचन नहीं बनवाना चाहिए। इससे आपको शुभ की जगह अशुभ फल प्राप्त हो सकता है।

घर में किचन किस दिशा में नहीं होना चाहिए?

रसोई घर सही दिशा में हो तो इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है। लेकिन अगर किचन की दिशा सही न हो तो इससे धन की हानि, स्वास्थ्य में गिरावट, गृह क्लेश आदि समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में भूलकर भी घर में कुछ दिशाओं में रसोई घर नहीं बनवाना चाहिए। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, उत्तर-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम, मध्य-उत्तर, मध्य दक्षिण, मध्य पश्चिम या केंद्र में किचन का निर्माण भूलकर भी नहीं कराना चाहिए। वास्तु के अनुसार, इन दिशाओं को रसोई घर के लिए शुभ नहीं माना गया है। साथ ही, बेडरूम, शौचालय या पूजा घर के ऊपर या नीचे भी किचन नहीं बनवाना चाहिए। इससे जातक की तरक्की पर बुरा असर पड़ सकता है। हालांकि, अगर किसी कारण के चलते रसोई घर गलत दिशा या स्थान पर बन गया है तो इसके लिए कुछ उपाय किया जा सकते हैं जिससे वास्तु दोष को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

किचन गलत दिशा में हो तो क्या करें?

अगर घर में गलत दिशा में रसोई घर हो तो इसके लिए वास्तु के अनुसार कुछ उपाय किए जा सकते हैं। इसके लिए किचन में पूर्व दिशा की ओर स्लैब बनाना चाहिए। लेकिन इस बात का ध्यान रखें की स्लैब उत्तर-पूर्व दिशा में न हो। साथ ही, चूल्हे की पोजीशन पूर्व और दक्षिण दिशा में करनी चाहिए। पूर्व की ओर मुख करके खाना पकाना सबसे बेहतर रहेगा।

घर में जिस भी गलत दिशा में रसोई घर स्थित हो उस दिशा का यंत्र उस दीवार पर लगा देना चाहिए। साथ ही, तीन पिरामिड को रसोई में भी अवश्य लगाएं। इस उपाय को करने से किचन का वास्तु दोष काफी हद तक कम किया जा सकता है।

वास्तु के अनुसार, अपने किचन के दोनों साइड तुलसी के पौधे लगाने चाहिए। साथ ही, आप वास्तु शांति और हवन के द्वारा गलत दिशा में बने किचन के दोषों से राहत पा सकते हैं। अगर रसोई घर सही स्थान पर न हो तो इसके लिए वास्तु देव की पूजा और मंत्र जाप करना चाहिए।

रसोई घर से जुड़े वास्तु टिप्स और नियम

वास्तुशास्त्र के अनुसार, किचन में कभी भी जूते-चप्पल पहनकर प्रवेश नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से वास्तु दोष का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, धन की हानि होने की संभावना बढ़ जाती है।

मान्यता है कि रसोई घर में खाना बनाते वक्त पहली रोटी एक अलग बर्तन में गाय के लिए रख देनी चाहिए। इसके बाद ही घर के सदस्यों को भोजन परोसना चाहिए। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है और घर में कभी भी अन्न-धन की कमी नहीं होती है।

अक्सर आपने देखा होगा की कुछ रसोई घर में दीवार पर कैंची, चाकू टंगी हुई होती है। लेकिन वास्तु के अनुसार इसे अच्छा नहीं माना जाता है। भूलकर भी चाकू जैसी नुकीली चीजों को किचन की दीवार पर नहीं टांगना चाहिए।

रसोई घर में गैस और चूल्हे की स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि बाहर से अंदर आते समय किसी भी व्यक्ति की उस पर नजर न पड़े। साथ ही, पूर्व-दक्षिण दिशा की ओर एक लाल रंग का जीरो वॉट का बल्ब लगाना चाहिए और इसे तब तक जलाकर रखना चाहिए जब तक की गैस चालू हो। ऐसा करने से वास्तु दोष कम होता है और घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी रहती है।

साल 2026 में शनि,राहु-केतु और गुरु बढ़ाएंगे पांच राशियों का संघर्ष

राशिफल 2026 की बात करे तो इस साल शनि का गोचर मीन राशि में होगा। जबकि राशि पूरे साल कुंभ राशि में संचार करते हुए साल के अंत में मकर राशि में प्रवेश करेंगे जबकि गुरु का गोचर इस साप मिथुन, कर्क और सिंह राशि में होगा। ऐसे में ग्रहों की स्थिति और दशा से मालूम होता है कि यह वर्ष विशेष रूप से कई राशियो के लिए उतार चढाव भरा रहेगा। इन स्थितियों में 2026 में किन-किन राशियों के लिए विशेष रूप से अलर्ट होकर रहने की जरूरत है। देखें 2026 का भविष्यफल, मेष समेत किन-किन राशियों को होगी इस साल शनि राहु की प्रतिकूलता से परेशानी।

मेष : व्यर्थ की यात्राएं करनी पड़ सकती हैं

वर्ष 2026 में मेष राशि के जातकों को शनि की साढ़ेसाती के प्रभाव के कारण मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही आपको गुप्त चिंताएं सता सकती है। धन संबंधित मामलों में समस्याएं रह सकती है। आपकी लोगों के साथ व्यर्थ की शत्रुता रह सकती है साथ ही सेहत पर भी प्रभाव दिखाई देगा। साथ ही इस साल आपको व्यर्थ की यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। जिस कारण आपको काफी तनाव भी महसूस हो सकता है। आपको सलाह है कि फिजूलखर्ची से बचें। साथ ही राहु के प्रभाव के कारण आपके सोची हुई योजनाओं में बाधाएं आएंगी।

उपाय- शनिवार सरसों के तेल में अपना मुख देखकर शनि का बीज मंत्र पढ़ते हुए शनिदेव की मूर्ति के चरणों में चढ़ाते रहें। शनि बीज मंत्र' ओम प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः ।।'

सिंह : आय कम खर्च ज्यादा रहेंगे

सिंह राशि के लोगों के लिए वर्ष 2026 के दौरान शनि की ढैय्या का प्रभाव रहेगा। ऐसे में आपको स्वास्थ्य हानि और सिर और पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। आपके बनते कार्यों में अड़चनें आएंगी। आप कामकाज से जुड़ी नई योजना बना सकते हैं। गुप्त चिंताओं के कारण आपको काफी ज्यादा तनाव रहेगा। आय कम और खर्च काफी ज्यादा रहेंगे। आपको इस समय काफी ज्यादा संघर्ष करना पड़ सकता है। धन हानि और कानों में अड़चनें पैदा होंगी। हालांकि, महीने के मध्य में आपको कमाई के अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

उपाय : शनि की ढैय्या के प्रभाव के लिए शनिवार को लोहे की कटोरी में अपना चेहरा देखकर शनि मंत्र पढ़ते हुए शनि मंदिर में तैल चढ़ाएं।

धनु : आपका तनाव बढ़ेगा

धनु राशि के लोगों के लिए साल 2026 में शनि की ढैय्या का प्रभाव रहेगा। अब आपकी राशि पर शनि का लौह पाया आरंभ होगा। ऐसे में आपके खर्चों में काफी वृद्धि होगी। हालांकि, परिस्थितियों के बावजूद बनते हुए कार्यों में सुधार होगा। ढैय्या के कारण आपको मानसिक तनाव काफी ज्यादा रहने वाला है। आपके खर्च भी एक के बाद एक बढ़ने लगेंगे। आपकी रुचि धार्मिक कार्यों में अधिक रहेगी। जिनपर आप मोटा पैसा खर्च करेंगे। हालांकि, खर्चे होने के साथ साथ आपके वनिर्वाह योग्य साधन बनते रहेंगे।

उपाय : हर गुरुवार को विधि पूर्वक व्रत करें और पीले वर्ण का पुखराज किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाकर धारण करें।

कुंभ : सेहत का विशेष ख्याल रखें

कुंभ राशि के लोगों को वर्ष 2026 में शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा। साथ ही आपकी राशि में राहु का संचार भी रहेगा। राहु के कारण आपके बनते कार्यों में विघ्न आएंगी। आंखों से जुड़ी तकलीफ हो सकती है। साथ ही सेहत भी थोड़ा नरम रहेगी और तनाव काफी ज्यादा रह सकता है। आपका करियर और परिवार से जुड़ी उलझनें अधिक बढ़ सकती हैं। परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा।

उपाय - शनि के मंदिर में जाकर लड्डू और नारियल अर्पित करें

मीन : शनि साढ़ेसाती का रहेगा प्रभाव

मीन राशि के जातकों पर वर्ष 2026 में शनि की साढ़ेसाती के साथ साथ राहु भी आपकी राशि से दूसरे भाव में रहेंगे। ऐसे में मीन राशि के जातकों के लिए वर्ष 2026 मिलाजुला रहने वाला है। साथ ही इस वर्ष जब मंगल कर्क राशि में पहुंचकर नीच के हो जाएंगे तो आपके खर्च अचानक से बढ़ने लगेंगे। जिस वजह से आपको काफी ज्यादा तनाव होगा। साथ ही आपके कार्यों में इस वर्ष देरी हो सकती है। हालांकि, आपका मन धार्मिक कार्यों में अधिक लगेगा।

उपाय - रोजाना भगवान शंकर की पूजा करके शिवलिंग पर हल्दी मिलाकर जल ॐ नमः शिवाय मन्त्र का जप करते हुए अर्पित करें।

चंद्रमा-गुरु बना रहे पावरफुल गजकेसरी राजयोग से निम्न राशियों के घर मां लक्ष्मी देंगी दस्तक

आज यानी 25 नवंबर, मंगलवार को मकर राशि में स्थित चंद्रमा का गुरु के साथ समसप्तक संयोग बन रहा है। इन दोनों ग्रहों की युति से बहुत ही शुभ गजकेसरी योग बनने जा रहा है। यह योग मकर राशि के जातकों के लिए अत्यंत शुभ फलदायी रहने वाला है। इससे आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और जीवन में लाभ प्राप्त होगा। इसके प्रभाव से कई राशियों के जीवन में धन, संपत्ति, मान-सम्मान और करियर में अपार सफलता मिलेगी।

मेष -आज के दिन आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। किसी भी व्यक्ति से जल्दबाजी में वादा करने से बचें। आप जिसकी मदद करने की सोच रहे हैं वो आपका फायदा उठाने की कोशिश कर सकता है। ऐसे में किसी भी प्रोफेशनल निर्णय में स्पष्टता रखें। अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगाएं।

वृषभ -आज आपके कंधों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां आ सकती हैं। नौकरीपेशा लोगों को कोई नया काम आपको सौंपा जा सकता है। घर में भी आपको आगे बढ़कर ज़िम्मेदारी संभालनी पड़ सकती है। ऐसे समय में किसी समझदार व्यक्ति की सलाह बेहद काम आएगी। अपने काम को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने की कोशिश करें।

मिथुन -आज आपको कोई ऐसा कार्य सौंपा जा सकता है जिसमें जिम्मेदारी अधिक होगी। चलते-फिरते किसी प्रियजन से अचानक मुलाकात भी हो सकती है। आपको किसी की मदद की ज़रूरत पड़ सकती है। हालांकि, दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहेगा, लेकिन सकारात्मक रवैया अपनाकर ही आप आगे बढ़ सकते हैं।

कर्क -आज भावनाओं में बहकर कोई गलत निर्णय लेने से बचें। कोई भी जल्दबाजी आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकती है। दूसरों के लिए अच्छी सोच आपको करियर में आगे ले जाएगी। हर कदम सोच-समझकर उठाना आपके लिए जरूरी होगा।

सिंह -आज आपको कार्यस्थल और आसपास के माहौल पर नजर बनाए रखनी होगी। आपका विरोधी आपके खिलाफ साजिश रच रहा है। ऐसे में सतर्क रहें और अपनी योजनाओं को बहुत अधिक साझा न करें।

किसी पर आंख बंद कर के भरोसा न करें और धैर्य के साथ काम करें।

कन्या -आज के दिन आपको कोई प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है। इस दौरान कोई भी निर्णय सोच समझकर करें। ऐसी संभावना नजर आ रही है कि सामने वाला किसी इरादे से करीब आ रहा हो। करियर में भी कुछ बदलाव करने की जरूरत पड़ सकती है। इससे आपको करियर में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

तुला - आज के दिन आप किसी उलक्षन में पड़ सकते हैं। किसी अनुचित प्रस्ताव से परेशानी महसूस हो सकती है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि अपना पक्ष साफ कर दें। किसी भी तरह की गलतफहमी संबंधों में तनाव पैदा कर सकती है। अपने शब्दों और व्यवहार में स्पष्टता बनाए रखें।

वृश्चिक - आज के दिन वृश्चिक राशि के जातकों को आसपास के लोगों से मदद मिल सकती है। नौकरी या कारोबार में आपको मार्गदर्शन मिल सकता है। आज अपने प्रयासों को समय पर पूरा करें और अवसरों को हाथ से न जाने दें। आज किया गया प्रयास आगे सफलता दिला सकता है।

धनु -आज आपको अपने काम में तेजी देखने को मिलेगी। यदि आप ढीले पड़े तो महत्वपूर्ण कार्यों में देरी हो सकती है। ऐसा भी हो सकता है कि जिस अवसर पर आपकी नज़र थी, वह किसी दूसरे को मिल जाए। इसलिए समय बर्बाद किए बिना अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान दें। तेजी से लिए गए निर्णय आज आपके पक्ष में रहेंगे।

मकर -आज किसी पुराने संकल्प को पूरा करने के लिए अच्छा दिन है। किसी धर्मस्थल पर जाने की योजना भी बन सकती है। आज किसी भी मामले को जितना खींचेंगे, उतनी ही परेशानी का सामना करना पड़ेगा। खर्चों के भी बढ़ने की संभावना नजर आ रही है। समय पर निर्णय लेने से हालात आपके पक्ष में आ जाएंगे।

कुंभ -लंबे समय के बाद आपकी दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है। आज के दिन कोई नया पद या कोई भूमिका आपको मिल सकती है। ऐसे में बिना किसी देरी के उसे तुरंत स्वीकार कर लें। यह मौका आपके करियर को नई दिशा दे सकता है।

मीन - आज आपको किसी समारोह, कार्यक्रम के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आज के दिन आपकी सादगी सबके बीच अलग पहचान दिलाएगी। आपकी उपस्थिति आज कुछ लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। ऐसे में अपने व्यवहार में गरिमा और संयम बनाए रखें।

टुनटुन: जीवन में झेले दर्द पर दर्शकों को गुदगुदाकर लिखा सफलता का अफसाना

हिंदी सिनेमा में जब भी हंसी और कॉमेडी की बात होती है, तो कुछ चेहरे अपने आप याद आने लगते हैं। उनमें सबसे खास नाम है 'उमा देवी खत्री' का, जिन्हें प्यार से फैंस 'टुनटुन' कहकर बुलाते थे। यह नाम एक फिल्म की शूटिंग के दौरान अचानक हुआ एक मजाक था। दिलीप कुमार ने एक हल्की-फुल्की टिप्पणी में इस शब्द को कहा था और यहीं से उमा देवी खत्री हमेशा के लिए टुनटुन बन गईं। हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनाने से पहले उमा देवी की जिंदगी का सफर काफी दर्दभरा और संघर्षों से भरपूर था। उमा देवी खत्री का जन्म 11 जुलाई 1923 को उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में हुआ था। वह तकरीबन ढाई साल की थीं, जब जमीन के विवाद में उनके माता-पिता की हत्या कर दी गई। कुछ साल तक उनके बड़े भाई ने उनका ख्याल रखा, लेकिन जब वह नौ साल की हुईं, तब उनके भाई की भी हत्या कर दी गई। इस तरह छोटी उम्र में ही वह अनाथ हो गईं और रिश्तेदारों के सहारे रहने लगीं। वहां भी उनका जीवन आसान नहीं था। रिश्तेदारों ने उन्हें नौकरानी की तरह रखा। उन्हें पढ़ाई का कोई मौका नहीं मिला, लेकिन उनका मन संगीत में काफी था। वह रेडियो के जरिए संगीत का लुत्फ उठाती थीं। किशोरावस्था में उनकी मुलाकात अख्तर अब्बास काजी नाम के युवक से हुई, जो उनके गाने से काफी प्रभावित हुए। उन्होंने मदद का वादा तो किया, लेकिन 1947 के बंटवारे के बाद उन्हें पाकिस्तान जाना पड़ा। दूसरी ओर, उमा देवी को रिश्तेदार के घर पर रहकर दिल्ली की तंग जिंदगी रास नहीं आई और वह बिना किसी को बताए मुंबई आ गईं। वहां उनकी मुलाकात कुछ फिल्मी कलाकारों और निर्देशकों से हुई। आखिरकार उन्हें एक बड़ा मौका तब मिला, जब वह संगीतकार नौशाद के पास पहुंचीं।

नौशाद उनकी हिम्मत और आवाज दोनों से प्रभावित हुए और उन्हें फिल्म 'दर्द' में गाने का मौका दिया। 1947 में रिलीज हुए इस फिल्म का गाना 'अफसाना लिख रही हूं' जबरदस्त हिट हुआ। उमा देवी रातोंरात एक मशहूर गायिका बन गईं। उनकी आवाज पाकिस्तान में बैठे अख्तर अब्बास काजी तक भी पहुंची, जिन्होंने मुंबई आकर उनसे शादी कर ली।

शादी के बाद उमा देवी ने सिंगिंग से दूरी बना ली, लेकिन जब आर्थिक परेशानियां बढ़ीं, तो वह फिर से काम की तलाश में नौशाद के पास पहुंचीं। इस बार नौशाद ने उन्हें सलाह दी कि वे गायकी नहीं, बल्कि अभिनय में हाथ आजमाएं, क्योंकि अब उनके व्यक्तित्व और बढ़े हुए वजन के कारण कॉमेडी में उनकी खूबियां ज्यादा चमक सकती हैं। उमा देवी ने शर्त रखी कि वह अपनी पहली फिल्म सिर्फ दिलीप कुमार के साथ ही करेंगी।

इसी दौरान दिलीप कुमार 'बाबुल' फिल्म की शूटिंग कर रहे थे और उन्होंने उमा देवी को इस फिल्म में शामिल कर लिया। शूटिंग के एक सीन में उमा देवी अचानक फिसलकर गिर गईं। सेट पर मौजूद सभी लोग चौंक गए, लेकिन दिलीप कुमार ने मजाक के तौर पर कहा, 'अरे, कोई इस टुन-टुन को उठाओ।' यह लाइन वहां मौजूद सभी के चेहरे पर मुस्कान ले आई। इसी एक पल ने उमा देवी को उनकी नई पहचान दे दी और वह 'टुनटुन' के नाम से पूरी फिल्म इंडस्ट्री में मशहूर हो गईं। टुनटुन ने करीब 200 फिल्मों में काम किया और हिंदी सिनेमा की पहली महिला कॉमेडियन के रूप में अपनी खास पहचान बनाई।

वह 'आर-पार', 'बाबुल', 'मिस्टर एंड मिसेज 55', 'प्यासा', 'नमक हलाल' जैसी कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहीं। उनकी कॉमिक टाइमिंग इतनी जबरदस्त थी कि छोटे से छोटे रोल में भी वह दर्शकों पर अपनी छाप छोड़ जाती थीं। दिलीप कुमार, गुरु दत्त, महमूद और कई बड़े कलाकार उनके साथ काम करना पसंद करते थे। 1992 में पति अख्तर अब्बास काजी के निधन के बाद टुनटुन का मन फिल्मों से हटने लगा और उन्होंने धीरे-धीरे इंडस्ट्री से दूरी बना ली। 24 नवंबर 2003 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा। मुश्किल जिंदगी, संघर्ष और दर्द से भरी राह के बावजूद उन्होंने लाखों लोगों को हंसाया। उन्होंने दर्शकों को सिर्फ हंसाया ही नहीं, बल्कि हिंदी फिल्मों में महिलाओं के लिए कॉमेडी का एक नया रास्ता खोला।

विजय की जना नायकन का ऑडियो लॉन्च मलेशिया में 27 दिसंबर को

थलपति विजय के फैंस के लिए बड़ी ख़ुशख़बरी जना नायकन का मेगा गीत-प्रस्तुति कार्यक्रम अब मलेशिया में सत्ताइस दिसंबर को होने जा रहा है। यह सिर्फ कोई लॉन्च नहीं, बल्कि सुपरस्टार के शानदार सिनेमा-विदाई का धूमधड़ाका है। तीन बरस बाद विजय का मलेशिया वापसी, वो भी कुआलालम्पुर के बुकित जलील मैदान में - ये बात ही फैंस की धड़कनें तेज़ करने के लिए काफ़ी है। माहौल गरमाने के लिए निर्माताओं ने एक खूबसूरत वीडियो-श्रद्धांजलि जारी की, जिसने फैंस के दिलों को एक झटके में छू लिया। इस वीडियो में विजय की तमाम यादगार फ़िल्मी झलकें एक-एक करके उभरती हैं - खुशी, घिल्ली, सचेन, पोकीरी, वेट्टैकरन, थुप्पाक्की, थेरी, मर्सल, बिगिल, मास्टर और लियो तक। हर फ्रेम ऐसा लगता है मानो थलपति की चमकदार यात्रा का प्यार भरा रीवाइंड चल रहा हो - वही सफ़र जिसने उनकी स्टारडम को बनाया और दर्शकों के दिलों में घर किया। वीडियो में मलेशिया के फैंस भी अपने मन की बातें खोलते दिखते हैं। कोई बचपन से उनका दीवाना है - अन्ना को भला कौन नहीं चाहेगा? एक और फैन उन्हें अपनी ज़िंदगी की प्रेरणा बताता है। एक युवती तो ये तक कहती है कि उसके पास कोई परिवार नहीं, और विजय को वह अपना बड़ा भाई मानती है - उनके संवादों ने ही मुश्किल दिनों में उसे संभाले रखा। सबकी एक ही तमन्ना है: इस बार सामने से कुट्टी स्टोरी सुनना।

निर्देशक एच. विनोथ की जना नायकन में दमदार कलाकारों की पूरी पलटन है - बॉबी देओल, पूजा हेगड़े, ममीथा बैजू, प्रकाश राज और गौतम वासुदेव मेनन। निर्माता वेणकट के. नारायण और के-वी-एन प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी यह फ़िल्म नौ जनवरी दो हज़ार छब्बीस को दुनियाभर में उतरने वाली है - ठीक पोंगल से पहले। और सबसे खास बात - यह फ़िल्म थलपति विजय की सुनहरी फ़िल्म-यात्रा का अंतिम अध्याय है।

पिलाटे से खुद को फिट रखती हैं खुशबू पाटनी, अपनी सुबह को ऐसे बनाती हैं एनर्जेटिक

युवा और खूबसूरत दिखना किसे पसंद नहीं है, लेकिन इसके लिए एक्सरसाइज करने से लेकर अपने लाइफस्टाइल में बदलाव लाना जरूरी होता है। बॉलीवुड अभिनेत्रियां खुद को मेंटेन करने के लिए काफी कुछ करती हैं, लेकिन अगर आपको खूबसूरती के साथ-साथ शरीर को लचीला और मजबूत बनाना है, तो खुशबू पाटनी का फिटनेस वीडियो आपके बहुत काम आ सकता है। भारतीय सेना में मेजर रहीं खुशबू पाटनी अपनी फिटनेस का बहुत ध्यान रखती हैं और अपने फैंस के लिए 21 दिन का फिटनेस चैलेंज भी लेकर आती रहती हैं। अब उन्होंने पिलाटे एक्सरसाइज के साथ अपने दिन की शुरुआत की है और अपनी स्लो मॉर्निंग को एनर्जेटिक मॉर्निंग में बदल दिया है। वीडियो में वे पिलाटे करती दिख रही हैं और उन्होंने अपने पूरे शरीर को स्ट्रेच कर दिया है। बहुत कम ही लोग पिलाटे एक्सरसाइज के बारे में जानते हैं। पिलाटे एक्सरसाइज का चलन इन दिनों बॉलीवुड में सबसे ज्यादा देखा जा रहा है, तो चलिए जानते हैं कि पिलाटे क्या है और इसे करने से शरीर को कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं। पिलाटे की शुरुआत साल 1920 में फिजिकल ट्रेनर जोसेफ पिलाटेस ने की थी। पहले इन एक्सरसाइज का इस्तेमाल चोटिल डांसर्स और एथलीटों की फिटनेस को बरकरार रखने के लिए किया जाता था, लेकिन अब ये नॉर्मल वर्कआउट रूटीन में शामिल हो चुका है।

पिलाटे हमेशा किसी ट्रेनर की देखरेख में ही करना चाहिए, क्योंकि इससे शरीर में खिंचाव और गलत नस के खिंच जाने का खतरा ज्यादा रहता है। इस एक्सरसाइज के जरिए अपने कोर, पैर, हिप्स, और लोअर बैक की मांसपेशियों को मजबूत किया जाता है। इससे शरीर का लचीलापन और मजबूती दोनों बढ़ती है। कई लोग योग और पिलाटे को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं।

योग में स्थिर मुद्रा के साथ शरीर का लचीलापन बढ़ाया जाता है, लेकिन उसके उलट पिलाटे में मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए पूरे शरीर की स्ट्रेचिंग कई अलग-अलग तरीकों से की जाती है। पिलाटे वर्कआउट को करने से वजन तेजी से घटता है। बॉलीवुड एक्ट्रेस अपनी खूबसूरती को दिखाने के लिए और वजन को संतुलित करने के लिए पिलाटे करती हैं। करीना कपूर, श्रद्धा कपूर, मलाइका अरोड़ा, सारा अली खान, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट जैसी अभिनेत्रियों को भी पिलाटे वर्कआउट करते हुए देखा गया है।

सेलिना जेटली: बिना स्क्रीन टेस्ट और एक्टिंग सीखे हुआ था बॉलीवुड डेब्यू आज पर्दे से दूर बिता रहीं जिंदगी

साल 2003 में 'जानशीन' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री सेलिना जेटली फिल्मी पर्दे से दूर हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से कनेक्ट रहती हैं। एक्टिंग से दूर सेलिना सोशल मीडिया पर अपनी मधुर आवाज से फैंस को हैरान करती रहती हैं। वे शौकिया तौर पर गाने गाती हैं। 24 नवंबर को अभिनेत्री 43वां जन्मदिन सेलिब्रेट करेंगी। सेलिना जेटली आर्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उनके पिता, मां और इकलौते भाई भारतीय सेना का हिस्सा रहे हैं। उनके पिता, कर्नल वी.के. जेटली और उनकी मां, मीता जेटली, दोनों ने ही भारतीय सेना में अपना योगदान दिया है। सेलिना भी अपने परिवार की छठी पीढ़ी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए आर्मी का हिस्सा बनना चाहती थी लेकिन किस्मत ने उन्हें फिल्मों में ला दिया। सैन्य बैकग्राउंड की छाप सेलिना के व्यक्तित्व और विचार पर आज भी देखने के लिए मिलती है। खासकर, अपने माता-पिता को लेकर किए उनके पोस्ट काफी शानदार होते हैं। 2001 सेलिना जेटली के लिए किस्मत बदलने वाला साल था, क्योंकि इसी साल उन्होंने 2001 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता था, जिसके बाद वे इसी साल 2001 में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में चौथी रनर-अप रहीं। साल 2003 में उन्हें पहली फिल्म 'जानशीन' मिली, जिसमें वे एक्टर फरदीन खान के साथ दिखीं, लेकिन बहुत कम लोग ही ये बात जानते हैं कि एक्ट्रेस को अपनी फिल्मों के लिए कभी भी स्क्रीन टेस्ट नहीं देना पड़ा था। उन्हें फिल्में उनके फेमिना मिस इंडिया के बाद मिली लोकप्रियता और उनकी खूबसूरती के आधार पर दी गई थीं।

सेलिना ने कभी भी एक्टिंग की पेशेवर तरीके से ट्रेनिंग नहीं ली थी। उनका मानना था कि एक्टिंग ऐसी चीज है जिसे सिखाया नहीं जा सकता है, ये अंदर से आती है। एक्टिंग में हाथ आजमाने से पहले वे भी आर्मी में जाने का सपना देखती थीं, लेकिन उस वक्त महिलाओं को सिर्फ डॉक्टरी के जरिए ही आर्मी का हिस्सा बनने की अनुमति थी। इसलिए एक्ट्रेस ने डॉक्टर बनने के लिए पीएमटी एग्जामिनेशन भी दिया था और एमबीबीएस की पढ़ाई भी शुरू कर दी थी, लेकिन पढ़ाई पूरी नहीं कर पाई।

अपने करियर में सेलिना जेटली साल 2003 में फिल्म 'खेल,' 2005 में आई कॉमेडी फिल्म 'नो एंट्री,' 2006 में आई 'अपना सपना मनी मनी,' 2008 में आई 'गोलमाल रिटर्न्स,' 2011 में आई 'थैंक यू,' और 2012 में आई 'विल यू मैरी मी' में नजर आई थीं। साल 2011 में ही एक्ट्रेस ने ऑस्ट्रियाई उद्यमी और होटल व्यवसायी पीटर हाग से शादी की थी और एक साल बाद दो जुड़वां बच्चों को जन्म दिया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएँ तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आप–को परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आजके दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें–फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ साधन हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरुरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 नवंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 10:58 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 11:58 तक
योग : गण्ड दोपहर 12:49 तक
करण : बव प्रातः 10:14 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री सीताराम विवाह उत्सव , नाग पंचमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित राजस्थान के लिए राज्य सरकार कर रही कार्य : भजनलाल

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर विडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से देश–विदेश के प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स के साथ वन टू वन संवाद किया। इस दौरान उन्होंने चैप्टर्स के अध्यक्षों से अपने क्षेत्र के प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में सामाजिक, आर्थिक विकास से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने और 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स को सुदृढ़ किया है। आज देश–विदेश में 26 चैप्टर्स के अध्यक्ष मनोनीत कर दिए गए हैं और ये सभी क्रियाशील हैं। इन चैप्टर्स की कार्यकारिणी का अनुमोदन भी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान–2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। दो वर्षों में प्रदेश में अभूतपूर्व निवेश अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024' के दौरान 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हुए। जिनमें से लगभग 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है, जो कि कुल एमओयू का 20 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों की सुविधा के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में गैप–एरियाज को चिन्हित कर एक डेशबोर्ड बनाया गया है, ताकि प्रवासी राजस्थानी अपने गांव, शहर, जिले में भामाशाह के कार्यों में सुगमता से योगदान दे सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के दौरान राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानी सम्मान देगी और विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले प्रवासियों को सम्मानित भी करेगी।शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में 'राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामले विभाग' का गठन किया है। यह विभाग प्रवासी राजस्थानियों और राज्य सरकार के बीच संवाद और सहयोग के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध करवाएगा, जिससे प्रवासियों का अपनी मातृभूमि से जुड़ाव और मजबूत होगा। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से यह विभाग विश्व पटल पर ब्रांड राजस्थान को प्रोत्साहित करने का कार्य भी करेगा।

विडियो कॉन्फ्रेसिंग के दौरान चैप्टर्स के अध्यक्षों ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकसित राजस्थान की इस यात्रा में शामिल होने और प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हम सभी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस प्रवासी राजस्थानियों को अपनी मिट्टी से जुड़ने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। चैप्टर्स ने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामले विभाग के गठन के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, वीसी के माध्यम से कंट्री और स्टेट नोडल ऑफिसर्स तथा प्रवासी राज्य समन्वयक जुड़े।

डिडवाना बस स्टैंड पर चाट सेंटर संचालक व कर्मचारियों पर हमला, तीन घायल

लालसोट, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

उपखंड क्षेत्र के डिडवाना गांव में सोमवार को बस स्टैंड स्थित एक चाट सेंटर पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक डेयरी टैंकर चालक अपने लगभग एक दर्जन साथियों के साथ पहुंचा और चाट सेंटर संचालक तथा उसके कर्मचारियों पर लाठी–डंडों व सरियों से हमला कर दिया। घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर लालसोट पुलिस मौके पर पहुंची और हालात काबू में किए। मामूली कहासुनी बनी हमले का कारण चाट सेंटर संचालक विवेक शर्मा ने बताया कि सुबह वे अपनी बहन के साथ गांव देहलाल से दुकान खोलने आ रहे थे। इसी दौरान रामगढ़ की ओर से आ रहे सरस डेयरी के एक टैंकर चालक ने उनकी बाइक के पास आकर कई बार हॉर्न बजाया और अचानक वाहन को उनकी बाइक की ओर घुमा दिया। बाइक असंतुलित होते–होते बची और बड़ा हादसा टल गया।

विवेक शर्मा ने डिडवाना स्टैंड पर टैंकर रोककर चालक से पूछताछ की तो उसने गाली–गलौज करते हुए कहा– गाड़ी तो नहीं चढ़ी है, बच तो गया। चालक वहां से चलता बना, लेकिन दोपहर होते–होते उसने अपने करीब एक दर्जन साथियों को मौके पर बुला लिया।देखते ही देखते टैंकर चालक और उसके साथी लाठी, डंडे व सरियों के साथ चाट सेंटर पर टूट पड़े। उन्होंने विवेक शर्मा और सेंटर पर काम करने वाले कर्मचारियों के साथ मारपीट कर दी। बीच–बचाव करने आए आसपास के दुकानदारों पर भी हमलावरों ने लाठियां चला दीं। मारपीट में विवेक शर्मा सहित कई लोगों को सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। घायलों को तुरंत डिडवाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

लालसोट थाने के एएसआई राजेंद्र विधूड़ी ने बताया कि डिडवाना बस स्टैंड पर दो पक्षों में कहा–सुनी के बाद मारपीट की घटना हुई है। दूध के टैंकर चालक से साइड को लेकर विवाद बढ़ा, जिसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने हमला किया।

हाड़ौती को मिलेगा पर्यटन क्षेत्र में नया आयाम

कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर प्री–समिट में उद्योग जगत एक मंच पर

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान (एचएफआर) कोटा डिविजन द्वारा पहले कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट के लिए एमओयू हस्ताक्षर और प्री–समिट कार्यक्रम सोमवार को यहां आरटीडीसी होटल गणगौर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल सेक्टर से जुड़े दिग्गज प्रतिनिधियों, संघ पदाधिकारियों और उद्योग हितधारकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे हाड़ौती के पर्यटन भविष्य का मजबूत संदेश गया। एमओयू पर हस्ताक्षर पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ व एचएफआर के अध्यक्ष हुसैन खान द्वारा किए गए।

समारोह का शुभारंभ परंपरागत दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात एचएफआर कोटा डिविजन की ओर से हाड़ौती ट्रैवल मार्ट 2026 की रूपरेखा, आयोजन की मुख्य विशेषताएँ, संभावित प्रदर्शन क्षेत्रों और हाड़ौती के पर्यटन संसाधनों पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई । आगामी 2 से 4 जनवरी 2026 को निर्धारित यह ट्रैवल मार्ट कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बारां जिलों के समृद्ध इतिहास, प्राकृतिक सुंदरता, वास्तुकला, जल विरासत, कला–संस्कृति और साहसिक पर्यटन को केंद्र में रखकर आयोजित किया जाएगा।पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ ने इस अवसर पर इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि राजस्थान सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल करते हुए पहली बार कोटा हाडौती ट्रैवल मार्ट–2026 का आयोजन 2 से 4 जनवरी 2026 को कोटा में किया जा रहा है।

अन्य पिछडा वर्ग ने लिया फीडबैक ताकि वाजिब लोगों को मिल सके राजनीतिक प्रतिनिधित्व

भरतपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

अन्य पिछडा वर्ग आयोग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) ने सोमवार को नगर निगम सभागार में संभाग स्तरीय संवाद कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, नागरिक संस्थाओं से स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में राजनैतिक आरक्षण के बारे में जनसंवाद किया। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत न्यायाधीश मदन लाल भाटी ने कहा कि आयोग संभाग स्तर पर संवाद के माध्यम से अन्य पिछडा वर्ग को राजनैतिक प्रतिनिधित्व देने के लिये फीडबैक लेकर रिपोर्ट तैयार करेगा जिससे वाजिब लोगों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल सके। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा स्वतंत्र रूप से सर्वे भी कराया जाएगा जिसमें राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक पिछडेपन का पारदर्शिता से आंकलन किया जा सके। उन्होंने बताया कि आयोग वंचितों को आरक्षण का लाभ मिल सके इसके लिये राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुरूप सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। जनसंवाद कार्यक्रम में सदस्य मोहन मोरवाल, एडवोकेट गोपाल कृष्ण, पवन मंडाविया भी उपस्थित रहे।

सदस्य सचिव अशोक जैन ने आयोग के गठन एवं उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों की पालना में राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिये आयोग संवाद एवं सर्वे कर रहा है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा सर्वे के लिये स्वतंत्र संस्था के साथ मोबाईल एप से भी सहायता ली जायेगी जिससे सटीक जानकारी मिल सके। उन्होंने स्थानीय निकायों में राजनैतिक आरक्षण के संबंध में आयोग के कार्यालय, मेल के द्वारा अथवा व्यक्तिशः मिलकर सुझाव देने के बारे में अनुरोध किया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मृदुल सिंह ने जनसंवाद कार्यक्रम में आये सभी संभागीयों का स्वागत कर राजनैतिक प्रतिनिधित्व के बारे में सुझाव देने का आव्हान किया। ये आये सुझाव जनसंवाद कार्यक्रम में संभाग के सभी जिलों के जनप्रतिनिधि, सामाजिक नागरिक संगठनों के पदाधिकारियों ने सुझाव दिये। जनसंख्या के आधार पर ओबीसी का राजनैतिक प्रतिनिधित्व बढाने का सुझाव सभी ने दिया।

राजनैतिक, शैक्षणिक, पिछडापन जिलेवार अलग–अलग होने के कारण राजनैतिक प्रतिनिधित्व भी जिलेवार अलग अलग तय करने का सुझाव दिया।जिलेवार एससी, एसटी एवं ओबीसी का जनसंख्या अनुपात के आधार पर आरक्षण तय करने का सुझाव दिया गया। मूल ओबीसी की जातियों को राजनैतिक प्रतिनिधित्व मिल सके इसके लिये वंचित जातियों के लिये विशेष प्रावधान किया जाये।

चंडीगढ़ प्रशासन पर केंद्र का हस्तक्षेप बढ़ाना हरियाणा के हित में नहीं : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 24 नवंबर (एजेंसियां

पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने राजधानी चंडीगढ़ का नियंत्रण केंद्र सरकार के हाथों में लिए जाने की खबरों पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और पंजाब की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ पर केंद्र का प्रशासनिक दखल बढ़ाना हमारे हित में नहीं है और हरियाणा की भाजपा सरकार को इसका विरोध करते हुए ऐसे आशंकाओं पर रोक लगवानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि चंडीगढ़ में हरियाणा की हिस्सेदारी 60–40 के अनुपात की बजाय 50–50 करवाई जाए और इसके लिए हरियाणा की भाजपा सरकार केंद्र में अपनी पार्टी की सरकार पर दबाव बनाए। वे सोमवार को रोहतक जिले के विभिन्न गांवों में जन–सम्पर्क अभियान पर थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने विभिन्न खबरों में संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में राजधानी चंडीगढ़ के बारे में प्रस्ताव लाकर इसका नियंत्रण केंद्र सरकार के अधीन लिए जाने की संभावना पर विरोध जताया और कहा कि हरियाणा के सभी राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित क्षेत्र होने के चलते चंडीगढ़ पर पहले से ही केंद्र सरकार के अधिकारियों की पर्याप्त हिस्सेदारी है और इसे बढ़ाना हरियाणा और पंजाब के अपनी राजधानी पर अधिकार को कम करने वाला कदम होगा। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि मीडिया स्रोतों से प्राप्त सूचना के अनुसार केंद्र सरकार के शीतकालीन सत्र के लिए संसद में पेश करने के लिए बिल तैयार कर लिया है और इसे सूचिबद्ध भी कर दिया है।

उन्होंने कहा कि बिना दोनों राज्यों से व्यापक चर्चा और सहमति के कोई भी कदम उठाना धक्केशाही माना जाएगा और दोनों राज्यों के लोग इसका विरोध करेंगे। दुष्यंत चौटाला ने हैरानी जताई कि हरियाणा की भाजपा सरकार इस विषय पर अब तक चुप क्यों है और केंद्र के भारी दबाव में क्यों दिख रही है।

रूस में फँसे भारतीय युवाओं को मुक्त कराए भारत सरकार : दीपेन्द्र

चंडीगढ़, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने भारत सरकार से मांग करी कि रूस में फँसे भारतीय युवाओं को मुक्त कराए। उन्होंने विदेश मामलों की स्थायी संसदीय समिति की बैठक में रूस में फँसे भारतीय छात्र अमन एवं 56 अन्य भारतीय युवाओं की तुरंत सुरक्षित वापसी की मांग को लेकर पत्र के साथ वहाँ फंसे युवाओं की सूची भी सौंपी। सरकार ने कहा कि सभी की सुरक्षित वापसी का हर संभव प्रयास होगा। सरकार ने इस बात का भी भरोसा दिया कि भविष्य में युद्ध क्षेत्र में किसी भी भारतीय की भर्ती नहीं करने के लिए पुख्ता उपाय किये जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस में भारतीय दूतावास के जिम्मेदार पदाधिकारी इस पूरे मामले को ट्रैक करेंगे और जो भी जानकारी मिलेगी वो साझा की जाएगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि इस मामले को शीर्ष प्राथमिकता पर लिया जाए और कूटनीतिक माध्यमों के ज़रिये तत्काल सभी प्रभावित भारतीय नागरिकों, विशेषकर अमन और अन्य फँसे छात्रों की सुरक्षित एवं शीघ्र वापसी सुनिश्चित की जाए। लापता छात्रों का पता लगाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएँ और उनके परिवारों को निरंतर जानकारी प्रदान की जाए। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने बताया कि हिसार के गाँव मडना हेडी निवासी बृजेन्द्र के पुत्र अमन (पासपोर्ट संख्या: त4671401) 15 माह पूर्व छात्र वीज़ा पर रूस गए थे, परंतु बाद में उन्हें बहला–फुसलाकर रूसी सेना में शामिल कर लिया गया। परिवार के लोगों ने बताया कि अमन वर्तमान में यूक्रेन सीमा के निकट तैनात है और भारत लौटना चाहते हैं। उनकी सुरक्षा को लेकर परिवार बेहद चिंतित व मानसिक तनाव में है। अमन के साथ ऐसे लगभग 56 अन्य भारतीय छात्र भी रूस में इसी प्रकार की परिस्थितियों में फँसे हुए हैं। चिंताजनक बात ये है कि इनमें से 11 छात्रों के लापता होने की खबर है और उनके परिवारों के पास कोई जानकारी नहीं है। सभी परिवार गहरी चिंता और पीड़ा में हैं। उन्होंने कहा कि भयंकर रूप से बढ़ रही बेरोजगारी ने युवाओं को विदेश जाने पर मजबूर कर दिया है।

हरियाणवी संस्कृति का आईना हरियाणा पैवेलियन : राजनाथ सिंह

चंडीगढ़, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के भव्य शुभारम्भ के सुअवसर पर महोत्सव में पधारे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हरियाणा पैवेलियन हरियाणवी संस्कृति का आईना है। हरियाणा पैवेलियन प्रदेश की समृद्ध लोक कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित करता है। हरियाणा पैवेलियन के माध्यम से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणवी संस्कृति के उत्थान व संरक्षण में सराहनीय योगदान दे रहा है। इस प्रशंसनीय योगदान के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अधिकारी बधाई के पात्र है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में ब्रह्मसरोवर पावन तट पर पुरुषोत्तमपुरा बाग में स्थापित हरियाणा पैवेलियन का उद्घाटन करने के उपरांत बातचीत कर रहे थे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कैबिनेट मंत्री अनिल विज, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, गीता मनीषी स्वामी

ज्ञानानंद महाराज, सांसद नवीन जिंदल, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने हरियाणा पैवेलियन पहुंचकर विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान हरियाणा की आन – बान – शान पगड़ी बांधकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभी मेहमानों ने हरियाणा पैवेलियन में लगे स्टालों का अवलोकन किया। यह पवेलियन कलाकृतियों, कलात्मक शोकेस के माध्यम से हरियाणा के समृद्ध लोक परंपराओं एवं प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत कर रहा है।

7 करोड़ रुपये की लूट के मामले में दो और गिरफ्तार, संख्या बढ़कर 9 हुई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साउथ डिवीजन पुलिस ने दो और लुटेरों को गिरफ्तार किया है जो दिनदहाड़े 7.11 करोड़ रुपये लूटकर भाग गए थे। इस मामले में जितेश और दिनेश को गिरफ्तार किया गया है, जिससे गिरफ्तारियों की संख्या 9 हो गई है। स्पेशल पुलिस टीमों ने चौबीसों घंटे ऑपरेशन चलाकर 6.29 करोड़ रुपये बरामद किए हैं और बाकी 82 लाख रुपये की तलाश कर रही हैं। स्पेशल टीमें यह पता लगाने के लिए अपना ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं कि क्या इस मामले में कोई और शामिल है और उन्होंने आंध्र प्रदेश, चेन्नई और तेलंगाना में ऑपरेशन शुरू किए हैं। आरोपी राकेश, जो आरबीआई अधिकारियों के भेष में एटीएम रिफिल करने वाली कंपनी की गाड़ी में कैश लूटने गया था, पकड़े जाने के डर से रातों रात सिद्धपुर पुलिस स्टेशन में सरेंडर कर दिया। 19 नवंबर को, जब लोग दिनदहाड़े घूम रहे थे, तो आरोपियों में से एक जेवियर ने किराए की इनोवा कार में पैसे लूट लिए और अपने साथियों के साथ भाग गया। जैसे ही लूट की खबर मीडिया में आ रही थी, कार के मालिक ने पुलिस को सूचित किया। क्योंकि इस कार में जीपीएस लगा था, इसलिए मालिक को पता चल गया कि कार कहां जा रही है, और पुलिस बहुत कम समय में आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाब रही। गिरफ्तार लुटेरों ने पैसे की तंगी के कारण लाखों रुपये का लोन लिया था। पैसे चुकाने के लिए वे अब रास्ता बदलकर पुलिस के मेहमान बन गए हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में भाई रवि और राकेश हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि वे लूट के मुख्य मास्टरमाइंड हैं। आरोपियों ने पूछताछ में कबूल किया है कि उन्होंने कांस्टेबल अन्नापनायक, जेवियर, गोपी, रवि और राकेश के साथ एक बार में लूट के प्लान पर बात की थी। यह खतरनाक गैंग, जो तीन महीने से लूट की प्लानिंग कर रहा था, पिछले एक पखवाड़े से सीएमएस गाड़ी का पीछा कर रहा था, उसके जाने वाले रास्तों को नोट कर रहा था और उन जगहों की पहचान कर रहा था जहाँ कैमरे नहीं थे ताकि गाड़ी को रोककर लूट को अंजाम दिया जा सके। कुल मिलाकर, साउथ डिवीजन पुलिस ने इस लूट के मामले को एक चुनौती के रूप में लिया और मास्टरमाइंड कांस्टेबल सहित 9 लुटेरों को पकड़ने में सफल रही।

चिट फंड कंपनी के नाम पर नौकरी का झांसा देकर ठगी, चार गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां। जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र स्थित कोल्हुआ पैगंबरपुर इलाके में फर्जी चिट फंड कंपनी के नाम पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। आरोप है कि गिरोह के सदस्यों ने कई बेरोजगार युवाओं को अपना शिकार बनाया है। ठगी का खुलासा तब हुआ जब नेपाल के मोरतहरी जिला के गोसद्मा थाना क्षेत्र के औरोही निवासी रंजीत कापड़ ने अहियापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित ने बताया कि सुजन दुनगाना, हेमराज मल्ला, यशराम तमांड और भरत अधिकारी ने नौकरी दिलाने का लालच दिया। इसके बाद उसे कोल्हुआ पैगंबरपुर स्थित राहुल कुमार के मकान पर बुलाया गया और बैरिया में संतोष कुमार के एक मकान में प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) की व्यवस्था की गई। आरोपियों ने नौकरी पक्की कराने के नाम पर पीड़ित से नकद और बैंक खाते के माध्यम से कुल 2 लाख 20 हजार रुपये ऐंठ लिए। सप्ताहभर तक ट्रेनिंग देने के बाद उनसे यह भी कहा गया कि यदि वे तीन-चार अन्य लोगों को अपने साथ जोड़ेंगे तो उनकी नौकरी स्थायी कर दी जाएगी और उन्हें वेतन भी मिलना शुरू हो जाएगा। अन्य पीड़ितों ने भी लगभग साढ़े चार लाख रुपये ठगे जाने की बात बताई है। अहियापुर थाना पुलिस का कहना है कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह में और कितने लोग शामिल हैं तथा अब तक कितने युवाओं से ठगी की गई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पटना में अपार्टमेंट की छत से गिरी लड़की

पटना/एजेंसियां। पटना के नाला रोड स्थित सु-लक्षणा पंडित अपार्टमेंट में छत से गिरने से एक नाबालिग बच्ची की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। घटना के बाद लोग दो तरह की बातें कर रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि लड़की ने आत्महत्या की है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि लड़की को छत से फेंका गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी थी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचीं पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि नाला रोड स्थित बाटा शो रूम के बगल की एक गली में अपार्टमेंट से नाबालिग बच्ची का शव बरामद किया गया है। मृतका की उम्र लगभग 15 साल बताई जा रही है। पुलिस का मानना है कि घटनास्थल के निकट स्थित अपार्टमेंट की छत से बरामद एक चप्पल संभवत: लड़की का हो सकता है। इसकी पुष्टि के लिए जांच की जा रही है। कदमकुआं थाना की पुलिस ने बताया कि छत से गिरने से लड़की की मौत हुई है। हालांकि, आत्महत्या या किसी अन्य कारण की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि लड़की कहां की थी। क्यों छत से कूदी और क्या वह इसी अपार्टमेंट के किसी फ्लैट में रहती थी। इन सभी बिंदुओं गहन जांच जारी है।

कलबुर्गी के बसवेश्वर अस्पताल को 5 करोड़ के हाई-टेक मेडिकल उपकरणों से अपग्रेड किया गया

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। हैदराबाद-कर्नाटक एजुकेशन सोसाइटी (एचकेईएस) ने कलबुर्गी में बसवेश्वर टीचिंग एंड जनरल हॉस्पिटल को 5 करोड़ से ज्यादा के एडवांस्ड मेडिकल इक्विपमेंट से अपग्रेड किया है, जिससे इंस्टीट्यूशन को इमरजेंसी, सर्जिकल और क्रिटिकल केयर सर्विसेज में बड़ी मदद मिली है। कलबुर्गी में हॉस्पिटल कॉम्प्लेक्स में हाई डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू) का उद्घाटन करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए, एचकेईएस के अध्यक्ष शशिल जी. नमोशी ने कहा कि आपातकाल विभाग ने काम करना शुरू कर दिया है। आउटपेशेंट की बढ़ती संख्या के कारण, हॉस्पिटल की चौथी मंजिल पर एक नई इमरजेंसी केयर सुविधा बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि बसवेश्वर हॉस्पिटल अभी अपनी लगभग 95 प्रतिशत हेल्थकेयर सर्विसेज मुफ्त देता है, जिससे कल्याण कर्नाटक इलाके के हजारों मरीजों को फायदा हो रहा है। नमोशी ने नए लगाए गए उपकरणों के बारे में बताया, जिसमें हाई-एंड ऑपरेशन टेबल, एनेस्थीसिया मशीन, एडवांस्ड इलेक्ट्रो-सर्जिकल जनरेटर, मॉडर्न ओटी लाइट, मिनिमली इनवेसिव मॉड्यूलर ऑपरेटिंग वर्कस्टेशन, मल्टी-पैरामीटर मॉनिटर, ईसीजी और एबीजी मशीन, वेंटिलेटर, सिरिंज पंप, अल्ट्रासाउंड मशीन और स्टेरिलाइजेशन सिस्टम शामिल हैं। इस अपग्रेड में डायग्नोस्टिक और सपोर्ट इक्विपमेंट की एक बड़ी रेंज भी शामिल है, जैसे ऑफ्थेल्मिक टेस्टिंग डिवाइस, लैबोरेटरी सेंट्रीफ्यूज, इनक्यूबेटर, लैमिनार एयर फ्लो सिस्टम, माइक्रोस्कोप, पोर्टेबल एक्सरे यूनिट, रेडियोफ्रिक्वेंसी यूनिट, ब्लड बैंक डिवाइस और एक सेंट्रल मॉनिटरिंग सिस्टम। नमोशी ने बताया कि इन नई सुविधाओं से हॉस्पिटल की सर्जरी, डायग्नोस्टिक और क्रिटिकल केयर कैपेबिलिटी काफी बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि सोसाइटी ने अकादमी और प्रशिक्षण सुविधा को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया है। संस्था ने नर्सिंग सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 200 कर दी है। इसके अलावा, 150 स्किल्ड नर्सिंग स्टाफ की भर्ती पहले ही हो चुकी है, बढ़ती हेल्थकेयर मांगों को पूरा करने के लिए और नियुक्तियां चल रही हैं और अगले 7 8 महीनों में एक नई कैथ लैब भी चालू होने की उम्मीद है।

थाने से कुछ ही दूरी पर ज्वेलरी दुकान में 20 लाख की चोरी

नालंदा/एजेंसियां। जिले के छबीलापुर थाना क्षेत्र में देर रात एक बार फिर बड़ी चोरी की घटना ने स्थानीय कारोबारियों और आम जनता को सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाने को मजबूर कर दिया है। थाने से महज कुछ ही दूरी पर स्थित छबीलापुर बाजार की जगदम्बा ज्वेलरी दुकान में अज्ञात बदमाशों ने सेंधमारी कर करीब 20 लाख रुपये के आभूषण चुरा लिए। घटना की गंभीरता और प्रशासन की लगातार उदासीनता से आक्रोशित व्यापारियों ने राजगीर-छबीलापुर मुख्य सड़क को जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। पीड़ित कारोबारी चंदन वर्मा ने बताया कि चोरों ने दुकान की पिछली दीवार में सेंध लगाकर अंदर प्रवेश किया और मुख्य तिजोरी का ताला तोड़कर सारे आभूषण उड़ा ले गए। सारी जमा पूंजी खत्म हो गई। करीब 20 लाख रुपये की संपत्ति चोरी हो गई है। इसमें कुछ ग्राहकों के जेवरात भी शामिल थे जो मरम्मत के लिए रखे गए थे। यह पहली बार नहीं है जब छबीलापुर बाजार में चोरी की घटना घटी है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में बाजार की कई दुकानों में इसी तरह सेंधमारी और चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन अब तक एक भी मामले का खुलासा नहीं कर सका है। हमलोग बार बार पुलिस से गुहार लगाते रहे हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। व्यापारियों ने स्थानीय प्रशासन पर गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता से चोरों का हौसला बुलंद हो गया है और वे खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। सड़क जाम कर रहे व्यापारियों ने मांग की है कि तत्काल चोरों को गिरफ्तार किया जाए, पीड़ित कारोबारी को मुआवजा दिया जाए और बाजार में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। घटनास्थल पर पहुंचे छबीलापुर थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है। सर्किल इंस्पेक्टर भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। आक्रोशित व्यापारियों को समझाने बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जल्द ही चोरों को पकड़ मामलें का उद्भेदन कर लिया जाएगा। हालांकि, व्यापारियों का कहना है कि उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहिए। घटना के करीब एक घंटे बाद तक राजगीर-छबीलापुर सड़क पर जाम की स्थिति बनी हुई है।

बख्तियारपुर फोरलेन पर दर्दनाक हादसे में बाइक सवार बुजुर्ग की मौत

पटना/एजेंसियां। बख्तियारपुर मोकामा फोरलेन पर रविवार देर रात पूरा गांव के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि उनका पोता गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान 65 वर्षीय अर्जुन पांडे, निवासी एनटीपीसी थाना क्षेत्र के दरियापुर, के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अर्जुन पांडे बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के करनौती गांव में साले के बेटे की शादी में शामिल होने आए थे। समारोह के बाद वे अपने पोते केशव कुमार के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पूरा गांव के पास तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि अर्जुन पांडे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि केशव गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया है। परिजनों ने बताया कि अर्जुन पांडे धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे और कटिहार के सीमापुरी स्थित शिव मंदिर में पुजारी के रूप में पूजा-पाठ करवाते थे। विवाह समारोह में शामिल होने के लिए वह विशेष रूप से आए थे, लेकिन लौटते समय यह दर्दनाक हादसा हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

फैक्ट्री की बस सड़क किनारे खड़ी लॉरी से टकराई, 10 लोग घायल

डोड्डबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। मजदूरों को ले जा रही एक बस सड़क किनारे खड़ी लॉरी से टकरा गई और 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गौरीबिदनूर से मुसाशी फैक्ट्री तक रोजाना मजदूरों को ले जाने वाली बस कोहरे के कारण देखे बिना ही पीछे से लॉरी से टकरा गई। घटना में चालक का पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जबकि अन्य 10 लोगों को मामूली चोटें आयीं। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लॉरी चालक ने अन्य वाहनों को सचेत करने के लिए लॉरी पर रिफ्लेक्टर नहीं लगाया था और घने कोहरे के कारण बस लॉरी को देखे बिना टकरा गई। डोड्डबल्लापुर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के तहत मामला दर्ज किया गया है।

फिरौती के लिए बीपीओ के सीईओ का अपहरण करने के आरोप में कांस्टेबल समेत आठ गिरफ्तार

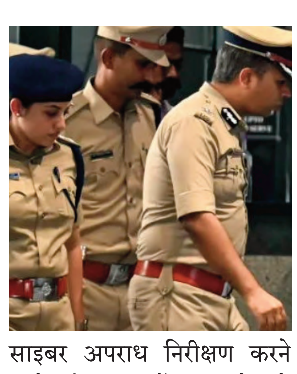

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में एक ऑपरेशन में, दक्षिणपूर्व डिवीजन पुलिस ने कोरमंगला में एक बीपीओ कंपनी के मालिक को बचाया, जिसे एक गिरोह ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर अपहरण कर लिया था और उससे 18.90 लाख की उगाही की थी। कोलार जिले में सेवारत एक पुलिस कांस्टेबल सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना शुक्रवार आधी रात के आसपास हुई जब आरोपी पवन द्वारा संचालित एक कॉल सेंटर में घुस गया। उन्होंने दावा किया कि वे साइबर अपराध निरीक्षण करने वाले पुलिसकर्मी हैं। बीपीओ, जो अमेरिका स्थित ग्राहकों के साथ काम करता है, रात भर काम करता है। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने कर्मचारियों पर साइबर धोखाधड़ी का आरोप लगाया, उन्हें धमकी दी और पूछताछ के लिए ले जाने के बहाने पवन को एक वाहन में बिठाया। इसके बजाय, वे उसे मालूर ले गए, जहां उसे लगभग तीन घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। संदिग्धों ने पैसे की मांग की, और जब पवन नकदी निकालने में असमर्थ हो गया, तो उन्होंने उसे पवन को प्रदान किए गए कुछ बैंक खातों में 18.90 लाख स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया। इस बीच, कॉल सेंटर के कर्मचारियों को संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पवन एक संकट संदेश भेजने में भी कामयाब रहे। सुबह करीब 3 बजे शहर की आपातकालीन हेल्पलाइन 112 पर शिकायत मिली। पुलिस टीमों ने आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी और कुछ ही घंटों के भीतर अपहरणकर्ताओं और पीड़ित दोनों का पता लगाने में कामयाब रही। सभी आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और अपराध में इस्तेमाल की गई दो कारें जब्त कर ली गईं। पुलिस ने कहा है कि यह निर्धारित करने के लिए आगे की जांच जारी है कि क्या गिरोह पहले भी इसी तरह के अपराधों में शामिल था।

मुजफ्फरपुर में भीषण सड़क हादसा

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां। जिले के सदर थाना क्षेत्र के मधौल में देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सामने से आ रही कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वह सड़क किनारे जाकर पलट गई। हादसे में कार सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से कार का शीशा तोड़कर बाहर निकाला गया। हादसा होते ही मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद सभी को इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया, जहां उनकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। घटनास्थल से टक्कर मारने वाला वाहन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। सदर थानेदार अस्मित कुमार ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस फरार वाहन का पता लगाने के लिए आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला, हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com